THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 344 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **फाल्गुन कृ.7 2080 शनिवार, 2 मार्च-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ :** 16 **मूल्य :** 8 रुपये

॥ఓం నమో వేంకటేశాయ నమ:॥ ॥జై శ్రీమన్నారాయణ॥ ॥శ్రీమతే నారాయణాయ నమ:॥

WE INVITE ALL THE DEVOTEES AND ENTHUSIASTS FOR THE

Prana Prathistapana

& Maha Kumbabhisheka Mahotsavam of
Sri Padmavathi, Godadevi Sametha Sri Venkateswara Swamy

at **SWARNAGIRI TEMPLE** Sumuhurtham

on Wednesday, **6th March 2024 at 11:06 Am.**

Celebrations From 01-03-2024 to 06-03-2024

WITH DIVINE BLESSINGS OF
SRI SRI SRI TRIDANDI CHINNA SRIMANNARAYANA
RAMANUJA JEEYAR SWAMIJI

శ్లో॥ కళ్యాణాద్భుత గాత్రాయ కామితార్థ ప్రదాయినే ।
శ్రీ మద్వేంకట నాథాయ శ్రీనివాసాయ మంగళం ॥

SREE VENKATESWARA SWAMY DEVASTHANAM

SWARNAGIRI

MANEPALLY HILLS, BHUVANAGIRI.

SREE VENKATESWARA SWAMY TEMPLE

Manepally Hills, Bhuvanagiri, Telangana - 508115

FOR SEVA OPPORTUNITIES AND BOOKINGS OF PRANAPRATHISTA SEVAS

VISIT : www.ytdtemple.com

CALL : +91 9099 9099 17

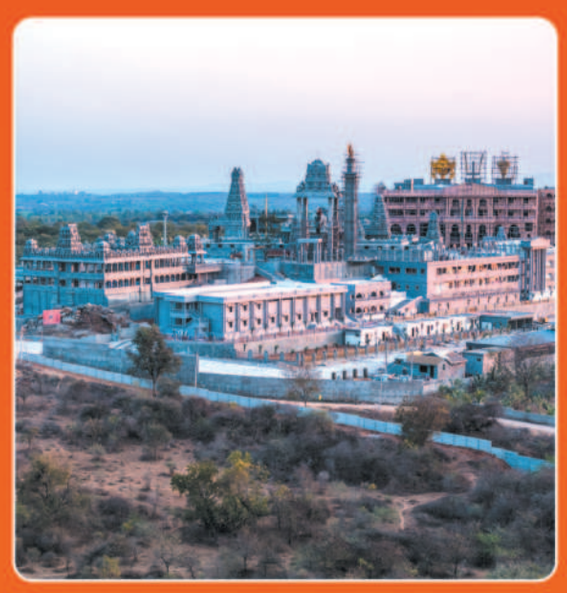

LOCATION

जम्मू सीमा पर खेतों में बनेंगे बंकर

बीएसएफ की पाक रेंजरों को चेतावनी

जम्मू, 1 मार्च (एजेंसियां)। बीएसएफ के जम्मू फ्रंटियर के आईजी ने किया चमलियाल सीमा चौकी का दौरा बीएसएफ ने किसानों को दिया सुरक्षा का भरोसा तारबंदी के आगे के खेतों में बंकर भी स्थापित करने की योजना आने वाले दिनों में जम्मू सीमा पर क्या तनातनी का माहौल बनेगा? यह सवाल इसलिए उठने लगा है क्योंकि सीमा सुरक्षा बल ने अपने पाकिस्तानी समकक्ष पाक रेंजरों को चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि अगर उन्होंने इस बार अकारण गोलीबारी कर भारतीय किसानों को उनकी फसलें नहीं काटने दीं तो भारतीय पक्ष भी जैसे को तैसा वाली रणनीति अपना कर पाकिस्तानी किसानों को फसलें नहीं काटने देगा। बीएसएफ ने भारतीय किसानों को सुरक्षा प्रदान करने की खातिर उनके खेतों में बंकर स्थापित करने की भी घोषणा की है। यह चेतावनी बीएसएफ के जम्मू फ्रंटियर के आईजी दिनेश कुमार बुरा द्वारा चमलियाल सीमा चौकी के दौरे के दौरान दी गई। वे सीमा सीमावर्ती किसानों को तारबंदी के आगे के इलाके में ज्यादा से ज्यादा इलाके में खेती करने को उत्साहित कर रहे थे। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे किसानों की पूरी सुरक्षा करेंगें। इसके लिए उन्होंने इस बार तारबंदी के आगे के खेतों में बंकर भी स्थापित करने की योजनाओं के बारे में विस्तृत तौर पर बताया। दरअसल जम्मू सीमा पर अभी भी कई इलाकों में तारबंदी जीरो लाइन से काफी पीछे हे और कई इलाकों में दोहरी तारबंदी है। ऐसा इसलिए है क्योंकि वर्ष 1995 में जब भारत सरकार ने सीमा पर तारबंदी का कार्य आरंभ किया था तो पाक सेना ने भारी गोलाबारी कर इसको रूकवा दिया था। और फिर इस तारबंदी को कई इलाकों में आधा किमी से लेकर 2 किमी पीछे तक अंजाम दे दिया गया। बाद में सीजफायर की आड़ में इसे आगे बढ़ाया जा सका था। उन्होंने किसानों को बताया कि आने वाले दिनों में किसानों के खेतों में बंकर बनाने की योजना बनाई जा रही है।

इससे अगर दिन में खेत में काम करते गोलीबारी शुरू हो जाती है तो किसान बंकर में जाकर अपने आप को सुरक्षित कर सकते हैं। रात के समय सुरक्षाबलों के जवान उसमें अपनी ड्यूटी कर सकेंगे। हालांकि वे कहते थे कि तारबंदी के आगे खेती के लिए कुछ नियम बनाए गए हैं कि कब तारबंदी के आगे जाना है और कब वापस आना है। उसका पालन सुरक्षाबलों के साथ किसानों एवं सीमावर्ती लोगों को करना होगा, जिससे सीमा की सुरक्षा में कोई बाधा न पड़े। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि बीएसएफ की इस चेतावनी और योजना के बाद जम्मू सीमा पर माहौल गर्मा सकता है। पहले भी कई बार बंकरों के निर्माण पर आपत्ति जताते हुए पाक रेंजर पाक सेना के साथ मिल कर सीमा के गांवों को गोलों की बरसात से पाट देते रहे हैं।

कर्नाटक के बेलगावी में महिला के साथ घिनौनी हरकत, जमीन के विवाद में निर्वस्त्र कर घुमाया

बेलगावी, 1 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेलगावी जिले में एक महिला को नग्न घुमाने का मामला सामने आया है। इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, घटना 31 जुलाई, 2023 की है। पीड़िता और उसकी बेटे को सरकार द्वारा जमीन आवंटित की गई थी। इसी जमीन को लेकर उनका कुछ लोगों से विवाद से हो गया था। इसी के चलते विरोधियों ने महिला की पिटाई कर दी थी। शिकायतकर्ता महिला की बेटी ने आरोप लगाया है कि आरोपितों ने न केवल नग्न कर घुमाया बल्कि उसके परिवार के साथ भी मारपीट की। शिकायत दर्ज कराने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। बेलगावी जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस मामले की जांच के लिए गांव में डेरा डाल दिया है।

स्कूल से घर आते समय रास्ते में पड़े विस्फोटक से खेलने लगी दो छात्राएं, हो गया धमाका

जम्मू, 1 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के जिला राजोरी के डूंगी ब्राह्मणा गांव की गाई पंचायत में स्कूल से लौट रही दो छात्राएं रास्ते में पड़े किसी विस्फोटक के विस्फोट से घायल हो गईं। दोनों के हाथ जलने से उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों की पहचान तसवीर कौसर (10) पुत्री मोहम्मद रजाक निवासी डूंगी ब्राह्मणा और साइमा कौसर (15) पुत्री मोहम्मद मुश्ताक निवासी डूंगी ब्राह्मणा गाई के रूप मे हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों छात्राएं स्कूल से घर लौट रही थीं। रास्ते में पड़े विस्फोटक के साथ उन्होंने खेलना शुरू कर दिया। इससे हाथ में ही धमाका हो गया। दोनों लड़कियों के हाथों में चोटें आई हैं। सिविल अस्पताल के डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जीएमसी राजोरी रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि लड़कियों की अंगुलियों में काफी गहरे जख्म हुए हैं। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस पता लगाने में जुटी है कि रास्ते में किस प्रकार का विस्फोटक था और कहां से आया था। पुलिस और सुरक्षाबलों ने भी इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। चप्पे-चप्पे को खंगालने के साथ ही लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

'गुजरात में क्यों उतर रही ड्रग्स की खेप

संजय राउत ने पूछा सवाल, मंत्री हर्ष सांघवी का पलटवार

मुंबई, 1 मार्च (एजेंसियां)। शिवसेना-यूबीटी नेता संजय राउत ने गुजरात में मादक पदार्थों के जब्त होने की हालिया घटना पर तंज कसते हुए पूछा था कि बीजेपी शासित राज्य में ही विदेशों से भारी मात्रा में ड्रग्स क्यों आता है। इस पर गुजरात के मंत्री हर्ष सांघवी ने पलटवार किया है। सांघवी ने कहा कि गुजरात की पुलिस ने महाराष्ट्र के ड्रग्स डीलरों को भी गिरफ्तार किया था और उस वक्त महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार थी। 27 फरवरी को एक जॉइंट ऑपरेशन में नेवी और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने गुजरात तट पर पांच क्रू मेंबर्स के साथ एक नाव को पकड़ा था जिससे 3,300 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया गया था। हाल के दिनों में जब्त किए गए मादक पदार्थों की यह सबसे बड़ी खेप है। जब्त किए गए ड्रग्स में में 3,089 किलोग्राम चरस, 158 किलोग्राम मेथमफेटामाइन और 25 किलोग्राम मॉर्फिन था। इसी को लेकर संजय राउत ने गुजरात सरकार पर हमला किया था। संजय राउत ने कहा था कि अफगानिस्तान जैसे देशों से ड्रग्स गुजरात में क्यों उतर रहे हैं जिन्हें आगे देश के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ नेपाल और यूरोप में तस्करी के लिए भेजा जा रहा है। इसका मतलब यह है कि ड्रग डीलरों को पता है कि गुजरात में काम करना आसान है। संजय राउत पर पलटवार करते हुए गुजरात के मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि राज्य की पुलिस ने पहले भी महाराष्ट्र से कई ड्रग डीलरों को गिरफ्तार किया था। तब जब कांग्रेस और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले गठबंधन की सरकार थी। सांघवी ने कहा कि गुजरात पुलिस न केवल भारत, बल्कि दुनियाभर में ड्रग्स की एंट्री को रोकने में सफल रही है।

ये क्या याचिका है, लोगों पर चिप नहीं लगा सकते

प्राइवेसी नाम की भी कोई चीज होती है; क्यों भड़के सीजेआई चंद्रचूड़

नई दिल्ली, 1 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सांसदों और विधायकों पर डिजिटली तौर पर निगरानी करने की मांग करने वाली एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर नाराजगी जताई। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को याचिका पर सुनवाई करते हुए पांच लाख रुपये तक का जुर्माना लगाने की चेतावनी दी। हालांकि, बाद में बिना जुर्माना लगाते हुए याचिका को खारिज कर दिया। सांसदों और विधायकों की डिजिटली निगरानी वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए सीजेआई चंद्रचूड़ भड़क गए और कहा कि हम लोगों पर चिप नहीं लगा सकते हैं। यह क्या याचिका है, हम डिजिटली निगरानी कैसे कर सकते हैं? प्राइवेसी नाम की भी कोई चीज होती है। हम आपसे जुर्माना भरने को कहेंगे। यह जनता का समय है, हमारा ईगो नहीं है।

अगर याचिका खारिज होती है तो आपको पांच लाख रुपये भरने होंगे। अदालती सुनवाइयों पर रिपोर्ट करने वाली वेबसाइट 'लाइव लॉ' के अनुसार, सीजेआई की जुर्माना लगाने की चेतावनी के बाद वकील ने कहा कि मैं आपको कन्विंस कर लूंगा। ये वेतनभोगी प्रतिनिधि मिसबिहेव करना शुरू कर देते हैं। इस पर सीजेआई चंद्रचूड़ ने जवाब दिया कि यह हर सांसदों और विधायकों के मामले में ऐसा नहीं होता। हम अधिकार का हनन नहीं कर सकते हैं। यदि ऐसा होता है तो लोग कहने लगेंगे कि हमें जजों की जरूरत नहीं है और हम खुद ही फैसला करेंगे।

यदि कोई जेबकतरा पकड़ा जाता है तो हम उसे मार देंगे। मामले की सुनवाई करते हुए आगे सीजेआई चंद्रचूड़ ने वकील से कहा कि आप जो बहस कर रहे हैं, उसकी गंभीरता का अहसास है? सांसदों और विधायकों की भी निजी जिंदगी होती है। इस पर वकील ने जवाब दिया कि जो अपनी प्राइवेसी को लेकर इतने चिंतित हैं, उन्हें ऐसी नौकरियों के लिए अप्लाई नहीं करना चाहिए। संविधान में कुछ ऐसे अनुच्छेद हैं, जोकि बेसिक स्ट्रक्चर के खिलाफ हैं। इसके बाद सीजेआई ने कहा कि हमने याचिका को नोटिस पर रखा है। कोई जुर्माना नहीं लगा रहे, लेकिन हम इसे खारिज करते हैं। इस तरह सांसदों और विधायकों को डिजिटली तौर पर मॉनिटर किए जाने की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का आज एमपी में होगा आगमन

भोपाल, 1 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा दो मार्च को दोपहर 1.30 बजे मध्य प्रदेश के मुरैना में प्रवेश करेगी। कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष योगेश यादव के नेतृत्व और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित पार्टी के अन्य नेताओं और पार्टी पदाधिकारियों की उपस्थिति में पार्टी ध्वज को सलामी देकर उत्तरप्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारियों द्वारा मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों को ध्वज सौंपाने का कार्यक्रम दोपहर 2 बजे जेबी ढाबा, पिपरई (देवपुरी ढाबा) में किया जाएगा। न्याय यात्रा के 2 मार्च के प्रभारी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव मप्र प्रभारी शिव भाटिया, राज्यसभा सांसद अशोक सिंह और पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ। गोविंद सिंह हैं। राहुल गांधी यात्रा में दो से 6 मार्च के बीच अग्निवीर उम्मीदवारों, पूर्व सैनिकों, किसानों, पटवारी परीक्षा के अभ्यार्थी और महिलाओं से संवाद करेंगे। 2 मार्च दोपहर 2.30 बजे यात्रा अंडर ब्रिज के पास मुरैना में रोड शो होगा,जहां राहुल गांधी का स्वागत भी किया जाएगा। इसके बाद शाम 5 बजे ग्वालियर शहर में यात्रा का स्वागत और ग्वालियर में ही चार शहर नाका से जीरा चौक तक रोड शो होगा, और राहुल गांधी का संबोधन होगा।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजीज कुरैशी का निधन

तीन बड़े राज्यों के रह चुके हैं राज्यपाल

भोपाल, 1 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजीज कुरैशी का लंबी बीमारी के बाद शुक्रवार को निधन हो गया। परिवार के एक सदस्य की ओर से इस बात की जानकारी दी गई है। उनकी निधन की खबर से सियासी गलियारों में शोक की लहर है। अजीज कुरैशी की देखभाल करने वाले उनके भतीजे सूफियान अली ने बताया कि कुरैशी का 83 वर्ष के आयु में निधन हुआ। सूफियान ने कहा, कुछ समय से उनकी तबीयत ठीक नहीं थी और सुबह करीब 11 बजे भोपाल के एक निजी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। सूफियान अली ने कहा, वह पहली बार 1972 में मध्य प्रदेश की सीहोर सीट से विधायक चुने गए और 1984 में लोकसभा सदस्य बने। उन्होंने बताया कि कुरैशी का अंतिम संस्कार आज शाम को किया जाएगा। अजीज कुरैशी का जन्म 24 अप्रैल, 1941 को भोपाल में हुआ था। कुरैशी ने उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और मिजोरम के राज्यपाल के रूप में कार्य किया था। अजीज कुरैशी को 24 जनवरी, 2020 को मध्य प्रदेश की तत्कालीन कमलनाथ सरकार ने एमपी उर्दू अकादमी का अध्यक्ष नियुक्त किया था। 1973 में वह एमपी के कैबिनेट मंत्री भी रहे हैं और 1984 मध्य प्रदेश के सतना निर्वाचन क्षेत्र से वह लोकसभा चुनाव जीते थे।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में समीर वानखेड़े को मिली बड़ी राहत

बॉम्बे हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी को 27 मार्च तक के लिए टाला

मुंबई, 1 मार्च (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने शुक्रवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) मुंबई जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े को गिरफ्तारी से दी गई राहत को 27 मार्च तक बढ़ा दिया है। अदालत ने मामले को 27 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनके खिलाफ सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) को चुनौती देने वाली समीर वानखेड़े की याचिका पर संक्षिप्त जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगने के बाद मामला स्थगित कर दिया गया था। बता दें, ईसीआईआर ईडी द्वारा दर्ज की गई शिकायत की एक औपचारिक प्रविष्टि है।

25 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगने के लिए वानखेड़े पर है मामला दर्ज

वानखेड़े ने ईसीआईआर को बॉम्बे एचसी में चुनौती दी है और अपने खिलाफ मामले को रद्द करने की मांग की है। इसके अलावा, बॉम्बे एचसी ने वानखेड़े के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के साथ मामले की सुनवाई उसी तारीख को सूचीबद्ध की है। अदालत को बताया गया कि सॉलिसिटर जनरल उस तारीख पर दोनों मामलों में खुद पेश होंगे। इससे पहले 10 फरवरी को, प्रवर्तन निदेशालय ने वानखेड़े के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला शुरू किया था, जिसमें सीबीआई की एफआईआर को स्वीकार करते हुए अभिनेता शाहरुख खान के परिवार से उनके बेटे को क्रूज ड्रग्स मामले में बख्शने के लिए 25 करोड़ रुपये की रिश्वत की मांग का आरोप लगाया गया था। वानखेड़े ने आश्चर्य व्यक्त किया था कि ईडी की ईसीआईआर सीबीआई की एफआईआर पर आधारित है, जो बॉम्बे एचसी के समक्ष सवालों के घेरे में है। पिछले साल, सीबीआई ने अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को ड्रग्स-ऑन-क्रूज मामले में फंसाने के लिए कथित तौर पर 25 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगने के लिए वानखेड़े पर मामला दर्ज किया था। एजेंसी ने कहा कि यह सौदा 18 करोड़ रुपये में पूरा हुआ, साथ ही यह भी कहा कि वानखड़े की संपत्ति उनकी आय के ज्ञात स्रोतों के अनुपात में नहीं थी। एफआईआर कॉपी में कहा गया है कि वह अपनी विदेश यात्रा के दौरान किए गए खर्चों को उचित नहीं ठहरा पाए।

शुभेंदु अधिकारी के पिता शिशिर अधिकारी नहीं लड़ेंगे लोकसभा चुनाव, कैथी सीट पर रहा है इनका वर्चस्व

कोलकाता, 1 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के नेता और कांथी लोकसभा सीट से मौजूदा सांसद शिशिर अधिकारी आगामी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने वाले हैं। बता दें कि शिशिर अधिकारी नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के पिता है। कांथी लोकसभा सीट से चुनाव न लड़ने का फैसला उन्होंने बढ़ती उम्र के कारण लिया है। बता दें कि कांथी लोकसभा सीट वो सीट है जो अधिकारी परिवार का गढ़ है और इस सीट पर हमेशा अधिकारी परिवार का ही वर्चस्व रहा है। साथ ही संदेशखाली इलाके की बशीरहाट लोकसभा सीट पर भाजपा नए उम्मीदवार को उतारने जा रही है। संभावना है कि आंदोलन करने वाली किसी कार्यकर्ता को ही पार्टी यहां से अपना लोकसभा उम्मीदवार बना सकती है।

राहुल गांधी की तारीफ में कमलनाथ बोले, 'मन की बात करने के बजाय लोगों को कहने का मौका दें'

भोपाल, 1 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' शनिवार (2 मार्च) को मध्य प्रदेश में एंट्री करेगी। राहुल गांधी की न्याय यात्रा को लेकर मध्य प्रदेश कांग्रेस बड़े स्तर पर तैयारियों में जुट गई है। इस बीच मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से बड़ी से बड़ी संख्या में यात्रा में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा में राहुल गांधी सीधे जनता से संवाद करेंगे। अपने मन की बात करने के बजाय प्रदेश की जनता के हाथ में माइक थमाकर उसे अपनी बात कहने का मौका देंगे। दरअसल कमलनाथ ने अपने एक्स अकाउंट पर ट्वीट कर कहा कि 'हमारे नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा कल 2 मार्च को मुरैना से मध्य प्रदेश में प्रवेश करेगी। यह यात्रा भारत के सभी वर्गों को न्याय देने की यात्रा है। यह जन जागरण और नया भारत रचने के सपने की यात्रा है। देश में बड़े पैमाने पर फैलती बेरोजगारी, किसानों के साथ हो रहे अन्याय, दलित पिछड़े और आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार और देश में चल रही लोकतंत्र खत्म करने की कोशिशों के खिलाफ यह यात्रा निकाली जा रही है।' वहीं कमलनाथ ने आगे कहा कि 'इस यात्रा में राहुल गांधी सीधे जनता से संवाद करेंगे और अपने मन की बात करने के बजाय प्रदेश की जनता के हाथ में माइक थमाकर उसे अपनी बात कहने का मौका देंगे। मैं मध्य प्रदेश की जनता और कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आवाहन करता हूं कि वह बड़ी से बड़ी संख्या में यात्रा में शामिल हों और हिंदुस्तान के साथ न्याय की आवाज बुलंद करें।'

तेजस्वी यादव को बड़ा झटका

आरजेडी विधायक भारत बिंद ने बदला पाला, सत्ता पक्ष के साथ बैठे

पटना, 1 मार्च (एजेंसियां)। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की पार्टी को लगातार उनके विधायक झटका दे रहे हैं. शुक्रवार को भभुआ से विधायक भारत बिंद ने पाला बदल लिया और सत्ता पक्ष में जाकर बैठ गए. राष्ट्रीय जनता दल के विधायक भारत बिंद सम्राट चौधरी के साथ बिहार विधानसभा पहुंचे. वह बीजेपी में शामिल हो गए. कैमूर जिले के चांद थाना क्षेत्र के सिलौटा गांव के रहने वाले भारत बिंद ने 2010 से अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की थी. 2010 में जिला परिषद का चुनाव लड़कर उन्होंने जीत हासिल की थी. इसके बाद 2015 में बहुजन पार्टी से भभुआ विधानसभा से चुनाव मैदान में उतरे थे, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था. इसके बाद भारत बिंद लालू प्रसाद यादव की पार्टी आरजेडी में शामिल हो गए. 2020 के विधानसभा चुनाव में आरजेडी से भारत बिंद को टिकट मिला और उन्होंने भभुआ सीट से चुनाव लड़ा. इस सीट से उन्हें जीत हासिल हुई. अब एक बार उन्होंने आरजेडी को झटका दे दिया है और पाला बदलकर बीजेपी में शामिल हो गए हैं.

बॉम्बे हाई कोर्ट ने खारिज की सीबीआई की याचिका

द इंद्राणी मुखर्जी स्टोरी की रिलीज का रास्ता साफ

मुंबई, 1 मार्च (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर उस आवेदन को खारिज कर दिया, जिसमें इंद्राणी मुखर्जी पर बनी नेटफ्लिक्स की डॉक्यूमेंट्री-सीरीज 'द इंद्राणी मुखर्जी स्टोरी- बरीड ट्रुथ' पर रोक लगाने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान बॉम्बे कोर्ट ने कहा, 'अपनी बेटी शीना बोरा की हत्या की आरोपी इंद्राणी मुखर्जी पर बनी सीरीज में अभियोजन या मुकदमे के खिलाफ कुछ भी नहीं मिला है। जज रेवती मोहिते डेरे और जज मंजूषा देशपांडे की बेंच ने सीबीआई की याचिका को खारिज भी कर दिया। जहां सीबीआई ने मुखर्जी को मुख्य आरोपी के रूप में दर्ज किया है।

सीबीआई ने कोर्ट में याचिका दायर कर मामले की सुनवाई पूरी होने तक डॉक्यूमेंट्री-सीरीज की रिलीज पर रोक लगाने की मांग की थी। बता दें, द इंद्राणी मुखर्जी स्टोरी- बरीड ट्रुथ डॉक्यूमेंट्री-सीरीज 25 साल की बोरा के लापता होने की स्टोरी बताती है। जिसका प्रीमियर 23 फरवरी को स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर होने वाला था। हालांकि, सीबीआई की याचिका खारिज होने के बाद इसका नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने का रास्ता साफ हो गया है। जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और जस्टिस मंजूषा देशपांडे की बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा, 'बेंच ने इस सीरीज को देखा है और इसमें ऐसा कुछ भी नहीं मिला, जिससे मुकदमे या अभियोजन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े।' बेंच ने पिछले सप्ताह मामले की सुनवाई करते हुए नेटफ्लिक्स को संबंधित सीबीआई अधिकारियों और वकीलों के लिए सीरीज की एक विशेष स्क्रीनिंग आयोजित करने का निर्देश दिया था।

हालांकि, नेटफ्लिक्स ने इस दौरान कहा था कि वह 29 फरवरी तक सीरीज का प्रसारण नहीं करेगा। जनरल देवांग व्यास ने सीबीआई की ओर से पेश होते हुए कहा कि यह सीरीज न्याय और निष्पक्ष सुनवाई पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। बेंच ने कहा कि सीरीज में ऐसा कुछ भी नहीं है जो अभियोजन या मुकदमे के खिलाफ जाता हो। हमने इसे हर तरह से देखने की कोशिश की, लेकिन हमें इसमें कुछ भी नहीं मिला। घटना अप्रैल, 2012 की है। जब इंद्राणी और उसके तत्कालीन ड्राइवर श्यामवर राय और पूर्व पति संजीव खन्ना ने एक कार में बोरा की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी थी। बोरा की हत्या का खुलासा 2015 में हुआ। जब राय की एक अन्य मामले में गिरफ्तारी हुई और उसने इसका खुलासा किया। अगस्त, 2015 में इस मामले में इंद्राणी को गिरफ्तार किया गया। मई, 2022 में इंद्राणी को जमानत मिल गई। इस मामले में अन्य आरोपी राय, खन्ना और पीटर मुखर्जी भी जमानत पर हैं। सीबीआई के अनुसार, ट्रायल कोर्ट के सामने 2 सीबीआई के मुताबिक, ट्रायल कोर्ट के समक्ष अब तक 237 गवाहों में से 89 से पूछताछ की जा चुकी है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

एमपी,यूपी, पंजाब-हरियाणा में बारिश का अलर्ट

हिमाचल में बर्फबारी, राजस्थान में बिजली गिरने से पांच की मौत

नई दिल्ली, 1 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर भारत में शुक्रवार से मौसम बदला है। मध्यप्रदेश पंजाब, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश में कुछ जगहों पर बारिश हो रही है। हिमाचल में अटल टनल, रोहतांग सहित ऊंचे क्षेत्रों में बर्फबारी हो रही है। मौसम विभाग ने कहा कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर उत्तर व मध्य भारत में अगले 6 दिन तक रहेगा।

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में आंधी के साथ तेज बारिश हुई। मौसम विभाग ने उज्जैन समेत 22 जिलों में ओले-बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

वर्ष-28 अंक : 344 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन कृ.7 2080 शनिवार, 2 मार्च-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे में बम ब्लास्ट, 9 घायल

सीएम सिद्धारमैया ने कहा- एक शख्स बैग छोड़कर गया, उसके बाद धमाका हुआ

बेंगलुरु, 1 मार्च (एजेंसियां)। बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे में शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे बम विस्फोट हुआ, जिसमें 9 लोग घायल हो गए। बम स्क्वॉड, फोरेंसिक और एनआईए की टीम विस्फोट की जांच कर रही है। घटना के बाद सबसे पहले फायर ब्रिगेड और व्हाइटफिल्ड पुलिस ने बताया कि सिलेंडर में विस्फोट हुआ है। जब हम मौके पर पहुंचे तो कैफे की दीवार पर लगा शीशा टूटकर टेबल पर बिखरा पड़ा था। इसके बाद भाजपा के दो सांसदों ने विस्फोट पर संदेह जताया और बम ब्लास्ट का दावा किया। शाम साढ़े 5 बजे खुद सीएम सिद्धारमैया ने बताया- यह एक लो इंटेंसिटी का ब्लास्ट था। एक शख्स कैफे में बैग छोड़कर गया, जिसके बाद विस्फोट हुआ।

कैफे में धमाके वाली जगह से बैटरी, जला हुआ बैग और कुछ आईडी कार्ड मिले हैं। राज्य के गृहमंत्री ने कहा- धमाका एक सिटिंग एरिया में हुआ, हालांकि वहां कोई सिलेंडर नहीं था। मामले की जांच जारी है। डीजीपी ने कहा कि हमें फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार है।

कर्नाटक के डीजीपी आलोक मोहन ने कहा- बेंगलुरु के व्हाइटफील्ड में एक कैफे में विस्फोट हुआ है। मैं घटनास्थल पर गया था। सीएम और गृह मंत्री को घटना की पूरी जानकारी दे दी गई है। 9 लोग घायल हुए हैं। मामले की जांच चल रही है। फोरेंसिक टीम से रिपोर्ट ली जाएगी।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि हमारी जांच में सामने आया है कि किसी शख्स ने 12:00 बजे के आसपास एक बैग रखा था। इसमें 9 लोग घायल हुए हैं। हम लोग सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं। हमें पता चला है कि किसी ने वहां पर जानबूझकर बैग रखा था। यह एक इंप्रोवाइज्ड ब्लास्ट है। यह नहीं होना चाहिए था और हम सुनिश्चित करेंगे कि आगे ऐसा ना हो। साथ ही सीएम ने कहा कि इस पूरे मामले को लेकर कोई भी राजनीति नहीं होनी चाहिए। हम विपक्ष से यह डिमांड करते हैं कि वह हमें इस मुद्दे पर सहयोग करे। यह एक लो इंटेंसिटी का ब्लास्ट था।

ममता मुझे दुश्मन नंबर-1 मानती हैं : मोदी

बंगाल के राजभवन में मोदी-ममता की मुलाकात

पीएम बोले- किसी ने तो संदेशखाली के आरोपी को छिपाया था

कोलकाता, 1 मार्च (एजेंसियां)। कोलकाता के राजभवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मुलाकात हुई। यह मुलाकात प्रोटोकॉल को देखते हुए जिसमें कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 दिन के दौरे पर शुक्रवार 1 मार्च की दोपहर पश्चिम बंगाल पहुंचे हैं। दोपहर में हुगली के आरामबाग में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मुझे दुश्मन नंबर-1 मानती हैं। आज बंगाल की जनता मुख्यमंत्री दीदी से पूछ रही है- उनके लिए कुछ लोगों का वोट आपके लिए संदेशखाली की पीड़ित महिलाओं से भी ज्यादा हो गया। आपको शर्म आनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारे नेताओं ने लाठियां खाईं, मुसीबत झेली। तब कहीं जाकर बंगाल पुलिस को आपकी ताकत के सामने झुककर उस आरोपी (शेख शाहजहां) को गिरफ्तार करना पड़ा। ये करीब दो महीने फरार रहा। कोई तो होगा, जो उसको बचा रहा होगा। क्या ऐसी टीएमसी को माफ करेंगे। यहां मांओं-बहनों के साथ जो हुआ है, उसका बदला लेंगे। हर चोट का जवाब वोट से देना है।

दरअसल, पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना जिले के संदेशखाली में महिलाओं ने तृणमूल कांग्रेस के नेता शेख शाहजहां और उसके सहयोगियों पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। लोगों का दावा है कि शाहजहां ने जबरन लोगों की जमीन पर कब्जा भी कर रखा है। इसके चलते वहां विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। हाईकोर्ट की फटकार पर पुलिस ने 29 फरवरी को 55 दिन बाद मुख्य आरोपी शेख शाहजहां को अरेस्ट किया था।

पीएम ने कहा कि यहां की मुख्यमंत्री भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए धरने पर बैठ जाती हैं। यहां की सरकार चाहती है कि केंद्र की योजनाओं में भी उन्हें खुली लूट करने का मौका मिले। मोदी इनकी मनमानी चलने नहीं दे रहा। इसलिए वे मोदी को दुश्मन नंबर 1 मानती हैं। मैं आपसे पूछता हूं- क्या मैं टीएमसी की लूट चलने दूं? टीएमसी जो कर रही है, क्या मैं करने दूं? ये पैसा आपका है कि नहीं? ये बंगाल के लोगों, आपकी मेहनत का पैसा है कि नहीं? क्या ये औरों को लूटने दूं क्या? अगर मैं लड़ाई लड़ता हूं तो सही करता हूं?

10 साल में भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। 21वीं सदी का भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। हम सभी ने मिलकर 204% तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य तय किया है। देश का गरीब, किसान, महिला व युवा... ये हमारी प्राथमिकता है। हमने निरंतर गरीब कल्याण के लिए कदम उठाए हैं, जिसे दुनिया देख रही है।

हमारा प्रयास है कि पश्चिम बंगाल में रेलवे का आधुनिकीकरण उसी रफ्तार से हो, जैसे देश के दूसरे हिस्सों में हो रहा है। भारत ने दुनिया को दिखाया कि पर्यावरण के साथ तालमेल बैठाकर विकास कैसे किया जा सकता है। हल्दिया से बरौनी तक 500 किमी से ज्यादा लंबी क्रूड ऑयल की पाइप लाइन इसका उदाहरण है। पश्चिम बंगाल के लोगों के सहयोग से हम विकसित भारत का सपना पूरा करेंगे। हुगली के आरामबाग में पीएम मोदी 7,200 करोड़ रुपए से अधिक के प्रोजेक्ट्स का इनॉगरेशन किया। ये परियोजनाएं रेल, बंदरगाह, तेल पाइपलाइन, एलपीजी आपूर्ति से जुड़ी हैं। जिनका लक्ष्य क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और कनेक्टिविटी बढ़ाना है।

2 मार्च को पीएम मोदी बिजली, रेल और सड़क क्षेत्रों से जुड़ी 15,000 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन करने के लिए पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के कृष्णानगर का दौरा करेंगे। परियोजनाओं का उद्देश्य राज्य में ऊर्जा क्षेत्र को मजबूत करना और परिवहन बुनियादी ढांचे में सुधार करना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 मार्च को पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना जिले के संदेशखाली जा सकते हैं। वे यहां यौन उत्पीड़न की शिकार महिलाओं से बात कर सकते हैं।

दिल्ली में बीजेपी नेतृत्व से मिल सकते हैं विक्रमादित्य

पंचकूला में हिमाचल के बागी विधायकों से मिले हरियाणा सीएम के एडवाइजर साथ दिखे

शिमला, 1 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार और सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू की मुश्किलें खत्म होती नजर नहीं आ रहीं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह और उनके बेटे व कैबिनेट मिनिस्टर विक्रमादित्य सिंह की नाराजगी दूर नहीं हुई है। सूत्रों के मुताबिक मंत्रिपद से इस्तीफा दे चुके विक्रमादित्य आज नई दिल्ली में बीजेपी नेताओं से मुलाकात कर सकते हैं। कहा जा रहा है कि विक्रमादित्य सिंह भाजपा नेताओं से मिलेंगे जरूर लेकिन उनके बीजेपी जॉइन करने पर अभी स्थिति क्लियर नहीं है।

इससे पहले विक्रमादित्य सिंह ने कांग्रेस के 6 बागी विधायकों से शुक्रवार सुबह पंचकूला के एक होटल में मुलाकात की। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वाले इन विधायकों को बजट के दौरान सदन में मौजूद न रहने पर संसदीय कार्यमंत्री हर्षवर्धन चौहान की याचिका पर स्पीकर कुलदीप पठानिया अयोग्य करार दे चुके हैं।

विक्रमादित्य सिंह और पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह की धर्मपत्नी प्रतिभा सिंह लगातार इन 6 विधायकों की सदस्यता रद्द करने का विरोध कर रहे हैं। बागी विधायक पंचकूला के ललित होटल में ठहरे हुए हैं। बागी विधायकों से मिलने पहुंचे विक्रमादित्य सिंह के जो वीडियो सामने आए, उनमें हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर के

पब्लिसिटी एडवाइजर तरूण भंडारी खुद उनके साथ नजर आ रहे हैं।

मां प्रतिभा बोली- निजी काम से गए

हिमाचल प्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने कहा कि उनके बेटे विक्रमादित्य अपने निजी काम के चलते दिल्ली गए हैं। वह जल्दी वापस लौट आएंगे। प्रतिभा सिंह ने कहा- जो 6 विधायक निष्कासित किए गए हैं? वे सभी कांग्रेस के हैं। इनके निष्कासन से मैं आहत हुई हूं। इनका आगे क्या रोल रहेगा? ये कांग्रेस हाईकमान तय करेगा।

ऑफिशियल टूर प्रोग्राम जारी किया गया

विक्रमादित्य सिंह के गुरुवार रात ही चंडीगढ़ पहुंच जाने की चर्चाओं के बीच शुक्रवार को उनका ऑफिशियल टूर प्रोग्राम जारी किया गया। इसके मुताबिक, विक्रमादित्य सरकारी गाड़ी से शुक्रवार सुबह 9.10 बजे शिमला से चंडीगढ़ रवाना हुए। दोपहर एक बजे वह चंडीगढ़ से दिल्ली रवाना होंगे।

>14

विधान भवन की लॉबी में भिड़े शिंदे गुट के मंत्री-विधायक

विपक्ष हुआ आक्रामक, बोले- यह गंभीर मामला

मुंबई, 1 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानमंडल के बजट सत्र के आखिरी दिन राज्य के लोक निर्माण विभाग मंत्री दादा भुसे और कर्जत विधायक महेंद्र थोर्वे के बीच विधान भवन के लॉबी में ही नोकझोंक हुई।

जिसके बाद विपक्ष ने सरकार पर निशाना साधते हुए घटना को गंभीर बताया है। गौरतलब है कि ये दोनों नेता शिंदे गुट के हैं, विधान भवन परिसर में भीतर जाने के दौरान दोनों में बहस हुई। जब मंत्री भुसे और विधायक थोर्वे के बीच नोकझोंक हुई तो अन्य मंत्री शंभुराज देसाई और शिवसेना के मुख्य सचेतक भरत गोगावले ने तनाव को शांत किया। यह पहली बार है कि विधानमंडल परिसर में सत्ता पक्ष के सदस्यों ने इस तरह से विवाद किया।

मैं विकास कार्य पर पूछा सवाल, तो भड़क गए- थोर्वे

घटना के बाद पत्रकारों से बात करते हुए थोर्वे ने कहा कि जब मैंने मंत्री भुसे से निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर सवाल पूछा, तो उन्होंने अपनी आवाजा ऊंची की।

इस बीच, देसाई ने कहा कि दोनों शिवसेना सदस्यों के बीच कोई हाथापाई नहीं हुई। पत्रकारों से कहते हुए देसाई ने कहा कि विधान भवन के अंदर किसी भी कैमरे की अनुमति नहीं है। आपके पास क्या सबूत है।

मंत्री शंभुराज देसाई ने कहा कि दोनों विधायक विकास कार्यों पर चर्चा कर रहे थे, इस दौरान उनमें से एक ने अचानक ऊंची की। मैं उन्हें अंदर ले गया और मामले को सुलझाया दिया गया। मंत्री तकनीकी कठिनाइयों के बारे में विधायक को बताने की कोशिश कर रहे थे।

इस घटना पर कांग्रेस विधायक कैलाश गोरंट्याल ने कहा कि जब दादाजी भुसे ने विधायक को कोहनी से मारा तो मैं वहां मौजूद था। इस तरह की बात करना गलत है। मैं इसकी निंदा करता हूं। सीएम का अपने मंत्रियों पर कोई काबून नहीं है। अगर कोई पुलिस केस दर्ज करता है, तो मैं प्रत्यक्षदर्शी बनने के लिए तैयार हूं। हम मंत्री के इस्तीफे और विधायक के निलंबन की मांग करते हैं।

विपक्षी सदस्यों ने सरकार पर साधा निशाना

गौरतलब है कि यह मुद्दा विधान परिषद में भी गूंजा और विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण मांगा। इसके बाद सदन में विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया, जिसके बाद उपसभापति नीलम गोरे को कार्यवाही एक घंटे के लिए स्थगित करनी पड़ी। शरद पवार गुट के विधायकों ने कहा कि दो सदस्य विधान भवन लॉबी में भिड़ गए, जो गंभीर घटना है।

बीजेपी ने स्टालिन को चीनी भाषा में बर्थडे विश किया

लिखा- यह सीएम को पसंद; तमिलनाडु सरकार ने इसरो के ऐड में चीनी झंडा दिखाया था

चेन्नई, 1 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु भाजपा ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को उनके जन्मदिन पर शुक्रवार (1 मार्च) को चाइनीज भाषा में बर्थडे विश किया। भाजपा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर स्टालिन की एक पोस्टर शेयर की। इसके कैप्शन में लिखा- भाजपा की ओर से सीएम स्टालिन को उनकी पसंदीदा भाषा में जन्मदिन की शुभकामनाएं।

दरअसल, बुधवार (28 फरवरी) को पीएम नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु में इसरो के दूसरे रॉकेट लॉन्च पैड की नींव रखी थी। इसी दिन राज्य की डीएमके सरकार के पशुपालन मंत्री अनिता राधाकृष्णन ने स्थानीय अखबारों में एक ऐड जारी किया। इसमें रॉकेट पर भारत की जगह चीन का झंडा लगा था।

विवाद बढ़ने के बाद अनिता राधाकृष्णन ने गुरुवार को अपनी गलती मानी। उन्होंने कहा- रॉकेट लॉन्च पैड की स्थापना के विज्ञापन को लेकर हमसे छोटी सी गलती हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत वाले विज्ञापन में चीन के झंडे की तस्वीर उन लोगों की गलती थी, जिन्होंने इसे डिजाइन किया था। विज्ञापन पर हमारा भी ध्यान नहीं गया

तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई ने डीएमके के अखबार में छपे विज्ञापन का कटिंग शेयर की। उन्होंने लिखा- सरकार का चीन के प्रति प्रेम कम नहीं हुआ। इन लोगों ने हमारे देश की संप्रभुता को दरकिनार किया है। आज का विज्ञापन इसका उदाहरण है।

बीआरएस को झटका, सांसद बीबी पाटिल भाजपा में शामिल

हैदराबाद,1 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी को बड़ा झटका लगा है। बीआरएस के जहीराबाद सांसद बीबी पाटिल आगामी आम चुनाव के दौरान भाजपा में शामिल हो गए हैं। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर की मौजूदगी में बीबी पाटिल बीजेपी में शामिल हुए। अलग तेलंगाना राज्य के गठन के बाद 2014 और 2019 के चुनावों में बीबी पाटिल बीआरएस की ओर से चुने गये। हालिया विधानसभा चुनाव में बीआरएस की हार के बाद से पार्टी से दूर चल रहे बीबी पाटिल ने आज केंद्रीय मंत्री की मौजूदगी में बीजेपी में शामिल हो गये। मालूम हो कि गुरुवार को नागर कर्नूल सीट के सांसद पोटुगती रामुलु भी बीआरएस छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए। देशभर में अप्रैल के पहले हफ्ते में चुनाव इस मौके पर बीजेपी के प्रदेश मामलों के प्रभारी तरूण चुघ ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान तमाम नेता बीजेपी में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही बीआरएस खाली हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मौजूदा सांसद बीबी पाटिल ने बीजेपी की नीतियों से आकर्षित होकर बीआरएस पार्टी से इस्तीफा दे दिया और बीजेपी में शामिल हो गये।

गुजरात में आत्महत्या की बढ़ती दर पर कांग्रेस प्रमुख ने जताई चिंता

पीएम मोदी पर साधा निशाना

नई दिल्ली , 1 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को गुजरात में बढ़ती आत्महत्या की दर पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से पेश किए गए आत्महत्या के आंकड़े परेशान करने वाले हैं। जिस पर तत्काल कार्रवाई की जरूरत है। बता दें कि राज्य विधानसभा में बीते सोमवार को आत्महत्या के आधिकारिक आंकड़े पेश किए गए। जिनमें बताया गया कि पिछले तीन वर्षों में 495 छात्रों सहित 25,4%8 लोगों ने अपने जीवन को समाप्त किया है।

खरगे ने अपने बयान में कहा कि सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इन घटनाओं के पीछे खासतौर पर मानसिक स्वास्थ्य संबंधी बीमारियां, गंभीर शारीरिक बीमारियां, पारिवारिक समस्याएं, वित्तीय संकट और परीक्षाओं में असफल होने जैसे कारण शामिल हैं। यह गंभीर वास्तविकता गुजरात में भाजपा सरकार की उन सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों का समाधान करने की विफलता दिखाती है, जिनसे हमारे लोग जूझ रहे हैं।

बयान में कहा गया कि खासतौर पर राज्य के अहमदाबाद में 3320, सूरत में 2862 और राजकोट में 18% आत्महत्याएं चिंताजनक हैं। अकेले अहमदाबाद में 3,280 आत्महत्या के मामले सामने आना दिखाता है कि इस संकट की मूल वजहों को संबोधित करने के लिए नीतियों को प्रभावी तरीके से लागू नहीं किया गया।

उन्होंने कहा, इन मुद्दों से निपटने के लिए एक व्यापक रणनीति की तत्काल जरूरत है। जिस पर अभी तक सरकार का बिल्कुल ध्यान नहीं गया है।

>14

कनाडा में खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत पन्नू ने फिर पार की हदें

भारत के राजदूत को दी जान से मारने की धमकी

ओटावा, 1 मार्च (एजेंसियां)। बीते साल 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत और कनाडा के बीच संबंधों में तनातनी देखी गई थी। कनाडा ने इस हत्या में भारत का हाथ होने का आरोप लगाया था। अब एक बार फिर इस मामले को कनाडा में हवा दी गई है। प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने कनाडा में भारत के राजदूत संजय कुमार वर्मा को जान से मारने की धमकी दी है। संजय कुमार वर्मा की सरे यात्रा को लेकर एसएफजे ने कहा है कि ये वही शहर है, जहां भारत के इशारे पर निज्जर की हत्या की गई थी। ऐसे में सरे आने पर संजय कुमार वर्मा से हिसाब बराबर करने का मौका है।

एसएफजे के गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक ईमेल में कहा शहीद निज्जर की हत्या की साजिश रचने के लिए भारत जिम्मेदार है।

पूरे मणिपुर में अफसपा लागू करने की तैयारी

कुकी के साथ नो अटैक समझौता खत्म करने का प्रस्ताव; 6 जिलों ने सेना मांगी

इंफाल, 1 मार्च (एजेंसियां मणिपुर पुलिस कमांडोज के हथियार सरेंडर करने के बाद राज्य में हालात फिर तनावपूर्ण हो गए हैं। सीएम के साथ बैठक में 6 हिंसाग्रस्त जिलों के कलेक्टरों ने शांति बनाने के लिए असम राइफल्स और सेना की मांग की है। इनमें पहाड़ी जिलों थाउबाल, कांगपोकपी, चूराचांदपुर, बिष्णुपुर, टेंग्नोपोल शामिल हैं। प्रशासन की मांग है कि यहां 5 मार्च तक सेना को तैनात किया जाए।

दूसरी ओर, गुरुवार को मणिपुर विधानसभा ने कुकी उग्रवादियों के साथ जारी सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन समझौता रद्द करने का प्रस्ताव पारित कर केंद्र को भेज दिया है। इसके तहत सुरक्षा बल और उग्रवादी संगठन एक-दूसरे पर हमले नहीं करते थे, लेकिन अब सुरक्षा बल हमले का जवाब दे सकेंगे। हालांकि, केंद्र अभी भी कुकी संगठनों से बातचीत कर रहा है। इंफाल वैली और आसपास के इलाकों में बीते कुछ दिनों में हालात बिगड़े हैं। ये इलाके उन 19 थाना क्षेत्रों में आते हैं, जहां सशस्त्र बल विशेषाधिकार कानून (अफसपा) लागू नहीं है। बाकी पहाड़ी जिलों में यह कानून लागू है। इससे सुरक्षा बलों को सीधे कार्रवाई का हक मिल जाता है।

जिन 19 थाना क्षेत्रों को अफसपा से अलग रखा गया है, उनमें इंफाल, लेंफेल, सिटी, सिंग्जमेई, सेकमई, लामसांग, पत्सोई, वांगोई, पोरोमपट, हेंगेंग, लामलाई, इरिलबुंग, लेमखोंग, थोबुल, बिष्णुपुर, नांबोल, मोइरोंग, काकचिंग और जिरिबम शामिल हैं।

सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफसपा) को केवल अशांत क्षेत्रों में लागू किया जाता है। इन जगहों पर सुरक्षाबल बिना वारंट के किसी को भी गिरफ्तार कर सकते हैं। कई मामलों में बल प्रयोग भी हो सकता है। पूर्वोत्तर में सुरक्षाबलों की सहूलियत के लिए 11 सितंबर 1958 को यह कानून पास किया गया था।

भभुआ से राजद विधायक भरत बिंद बीजेपी में शामिल

कांग्रेस विधायक नीतू सिंह बोलीं-भाजपा नवादा से टिकट दे तो मैं भी जॉइन कर सकती हूं

पटना, 1 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में महागठबंधन को फिर झटका लगा है। भभुआ से राजद विधायक भरत बिंद बीजेपी में शामिल हो गए हैं। बजट सत्र के आखिरी दिन भरत बिंद सत्ता पक्ष के खेमे में बैठे। सदन से बाहर निकलते ही भरत बिंद डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के चेंबर में चले गए।

इधर, नवादा जिले हिसुआ से कांग्रेस विधायक नीतू सिंह का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी यदि नवादा लोकसभा सीट से टिकट देती है तो मैं भी बीजेपी जॉइन कर सकती हूं। अभी नवादा से लोजपा से चंदन सिंह सांसद हैं।

इससे पहले महागठबंधन के 6 विधायक पाला बदल चुके हैं। जिनमें राजद के 4 और कांग्रेस के 2 विधायक शामिल हैं। महागठबंधन के तीन विधायक बीजेपी में शामिल हो गए थे। इनमें कांग्रेस के दो और राजद का एक विधायक हैं।

इसके पहले 12 फरवरी को फ्लोर टेस्ट के दौरान भी राजद के तीन विधायक एनडीए में शामिल हो गए थे।

वहीं, राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने बीजेपी से ऑफर पर कहा है कि मैं टस से मस नहीं होने वाला। जो जा रहे हैं, उनके बारे में मुझे जानकारी नहीं है। पार्टी के नेता बताए कि ऐसे नेताओं को किसने टिकट दिया। किसके कहने पर टिकट दिया गया।

पाला बदलने वाली मोहनिया विधायक संगीता कुमारी ने आरजेडी पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राजद में मुझे दलित होने के कारण गाली दी जाती थी।

विधायक होने के बाद भी पंचायत स्तर तक का निर्णय मैं नहीं ले पाती थी। जब मीडिया ने पूछा आपने पाला क्यों बदला और आप किस पार्टी में हैं। इस पर संगीता कुमारी ने कहा कि मैं अभी विचार कर रही हूं।

>14

73 साल के हुए सीएम नीतीश

पीएम मोदी, योगी, अमित शाह, आरसीपी सिंह ने इस अंदाज में दी शुभकामनाएं

पटना, 1 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आज जन्मदिन है। वह 73 साल के हो गए हैं। जन्मदिन के मौके पर बधाई का भी सिलसिला शुरू हो गया है।

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गृह मंत्री अमित शाह यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ आरसीपी सिंह समेत तमाम नेताओं की ओर से बधाई के संदेश दिए जा रहे हैं। पढ़िए किसने किस अंदाज में सीएम नीतीश कुमार को उनके जन्मदिन पर बधाई दी है। दप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सीएम नीतीश कुमार के लिए लिखा है, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हार्दिक शुभकामनाएं। लोगों की सेवा में उनके लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं। वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने लिखा- बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर आपको दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन प्रदान करें।

वहीं यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी सीएम नीतीश कुमार को जन्मदिन पर बधाई दी है। उन्होंने माता जानकी से प्रार्थना की है।

एक्स पर लिखा बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई! माता जानकी से आपके लिए उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन की प्रार्थना है।

पुराने मित्र रहे आरसीपी सिंह ने भी खुलकर दी बधाई

पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह कभी सीएम नीतीश कुमार के काफी करीब थे। वह जेडीयू में राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर भी रहे। इन सबके बीच विवाद पैदा हुआ और आरसीपी सिंह ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।

अब जन्मदिन पर सारी चीजों को भूलकर उन्होंने सीएम नीतीश कुमार को उनके जन्मदिन पर शुभकामना दी है। आरसीपी सिंह ने लिखा- बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु जीवन की कामना करता हूं।

दस मार्च तक हो सकता है योगी मंत्रिमंडल का सीमित विस्तार

ओपी राजभर और आरएलडी के कोटे से मंत्री बनाए जाने की अटकलें

लखनऊ, 1 मार्च (एजेंसियां)। यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार तारीख सामने आ गई है। जल्द ही सीएम योगी आदित्यनाथ सरकार की कैबिनेट का विस्तार हो सकता है। सूत्रों का कहना है कि 10 मार्च तक योगी मंत्रिमंडल का विस्तार हो सकता है। इसमें आरएलडी कोटे से एक मंत्री बनेंगे। मंत्रिमंडल विस्तार दो-चार दिनों में या यूं कहें कि कभी भी हो सकता है। अपना दल(एस) की तरह रालोद का मंत्री बनने के अलावा ओमप्रकाश राजभर, दारा सिंह चौहान के साथ ही भाजपा में शामिल कुछ और नेताओं को मंत्री बनाया जा सकता है। विधानमंडल के बजट सत्र के बाद योगी मंत्रिमंडल के विस्तार की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। आसार हैं कि मंत्रिमंडल का विस्तार व्यापक फेरबदल की बजाय सीमित होगा। घोसी विधान सभा उपचुनाव हारने के बाद भी भाजपा की ओर से विधान परिषद भेजे गए दारा सिंह चौहान और एनडीए में फिर शामिल हुए सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर को मंत्रिमंडल में जगह मिलना तय माना जा रहा है। राजभर के एनडीए और दारा सिंह चौहान के सपा छोड़ भाजपा में शामिल होने के बाद से ही दोनों को मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने की अटकलें लग रही थीं। घोसी उपचुनाव में मिली हार के बाद चौहान और राजभर दोनों निशाने पर थे। हालांकि भाजपा नेतृत्व से हुई बातचीत का हवाला देकर राजभर लगातार मंत्री बनाए जाने का दम भरते आए हैं। वहीं घोसी उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी के तौर पर मिली हार से बैकफुट पर आए चौहान को उच्च सदन में भेजकर भाजपा ने मंत्री बनाए जाने की उनकी उम्मीदों को बरकरार रखा है।

ज्ञानवापी तहखाने में पूजा का आदेश देने वाले जज अजय विश्वेश को मिली नई जिम्मेदारी

वाराणसी, 1 मार्च (एजेंसियां)। वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर में एएसआई सर्वे का आदेश देने वाले जिला न्यायाधीश अजय कृष्ण विश्वेश को सेवानिवृत्त होने के बाद लखनऊ की शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास यूनिवर्सिटी में लोकपाल नियुक्त किया गया है। अब वो यहां के छात्रों की शिकायतों का निस्तारण करेंगे। रिटायरमेंट से पहले उन्होंने व्यास जी के तहखाने में हिन्दू पक्ष को दोबारा पूजा करने की अनुमति भी दी थी, जिसके बाद वो काफी सुर्खियों में रहे। लखनऊ के शकुंतला मिश्रा यूनिवर्सिटी राज्य सरकार द्वारा संचालित होती है। बीती 31 जनवरी को हो वो रिटायर हुए थे, जिसके बाद उन्हें यूनिवर्सिटी में लोकपाल बनाया गया है। लोकपाल पद कि लिए दस साल के अनुभव वाले रिटायर्ड जज की योग्यता चाहिए थी। इसके अलावा दस साल के अनुभवी प्रोफेसर भी आवेदन दे सकते थे।

ज्ञानवापी केस को लेकर रहे सुर्खियों में

न्यायाधीश अजय कृष्ण ने पिछले साल 21 जुलाई ज्ञानवापी परिसर के एएसआई सर्वे के आदेश दिए थे कि क्या मौजूदा संरचना से पहले यहां हिन्दू मंदिर था या नहीं। उन्होंने इसी साल 25 जनवरी को एएसआई की रिपोर्ट वादियों को सौंपने के भी निर्देश दिए इसके अलावा उन्होंने अपने अंतिम कार्य दिवस 31 जनवरी को ज्ञानवापी के दक्षिणी तहखाने में पूजा की अनुमति का आदेश भी दिया था। जिला कोर्ट के आदेश के बाद तत्काल ज़िलाधिकारी और काशी विश्वनाथ ट्रस्ट के अधिकारियों ने व्यास जी के तहखाने में पूजा अर्चना शुरू कर दी थी। यहां तक पहुंचने के लिए नंदी जी के बगल से बैरिकेडिंग कर रास्ता बनाया गया और दूसरी व्यवस्थाएं की गईं।

यूपी में सहयोगियों के लिए कितनी सीटें छोड़ेगी भाजपा?

रालोद और सुभासपा को मिल सकती हैं इतनी सीट

नोएडा, 1 मार्च (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनाव में जीत की हैट्रिक के साथ 370 सीटें जीतने का लक्ष्य तय करने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने सहयोगी दलों के लिए सीटें देने के लिए मंथन हुआ। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक से पूर्व प्रधानमंत्री निवास पर पार्टी के शीर्ष नेताओं की करीब छह घंटे तक बैठक चली। इस बैठक में 21 राज्यों की 300 सीटों पर उम्मीदवारों का पैनल तैयार कर लिया गया। हालांकि इस बैठक में पंजाब, आंध्रप्रदेश और तमिलनाडु में गठबंधन पर बातचीत तय होने तक उम्मीदवार घोषित नहीं करने का फैसला किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश में सभी 80 सीटों में से भाजपा यूपी में सहयोगी दलों को छह सीट छोड़ सकती है। इसमें राष्ट्रीय लोकदल दो सीटों मिल सकती हैं, रालोद के अलावा अपना दल पार्टी भी दो सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। जबकि निषाद पार्टी और ओम प्रकाश राजभर की सुभासुपा के लिए एक-एक सीट छोड़ी जा सकती है। हालांकि इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। आपको बता दें कि पीएम की अगुवाई में हुई मैराथन बैठक के बाद पार्टी मुख्यालय में देर रात सीईसी की बैठक शुरू हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश में सहयोगी दलों को सीटें देने पर मंथन हुआ। बैठक में उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश, राजस्थान, त्रिपुरा, गोवा, उत्तराखंड, गुजरात, असम, झारखंड, तमिलनाडु, पुदुचेरी, अंडमान निकोबार, ओडिशा, दिल्ली, मणिपुर, जम्मू-कश्मीर की सीटों पर मंथन हुआ। इनसे जुड़ी करीब 300 सीटों पर तीन-तीन उम्मीदवारों का पैनल तैयार किया गया। पार्टी की योजना एक या दो मार्च को पहली सूची जारी करने और दस मार्च तक तीन सौ सीटों पर उम्मीदवार घोषित करने की है। आगामी लोकसभा चुनाव में राजधानी दिल्ली के मतदाता भाजपा की ओर से नए चेहरों का दीदार करेंगे। बीते चुनाव में क्लीन स्वीप करने वाली भाजपा इस बार राजधानी की सात में से कम से कम चार सीटों पर नए चेहरों को मौका देगी। पार्टी नेतृत्व ने इस बार मनोज तिवारी, रमेश विधूड़ी और प्रवेश वर्मा को ही दोबारा मौका देने का मन बनाया है।

हाई कोर्ट के आदेश तक अकबर नगर में रिहायशी मकान न तोड़े एलडीए, सुनवाई पर बोला सुप्रीम कोर्ट

लखनऊ, 1 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अकबर नगर इलाके में लखनऊ डेवलपमेंट अथॉरिटी (एलडीए) को कहा है कि वह हाई कोर्ट के आदेश आने तक रिहायशी मकान न तोड़ें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हाई कोर्ट का आदेश आने तक रिहायशी मकान तोड़ने पर रोक रहेगी। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अडिशनल सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने कहा कि अतिक्रमण वाली कुल 24 कमर्शल प्रॉपर्टी में से 23 को हटाया जा चुका है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि दुकान घर के सामने है और दुकान के साथ घर को भी तोड़ा गया है। इस दौरान जस्टिस खन्ना ने कहा कि कमर्शल प्रॉपर्टी के लिए नोटिस दिया गया था लेकिन जहां तक घर का सवाल है तो अथॉरिटी सात दिन का नोटिस भेजे ताकि वहां रहने वाले लोग कानूनी रास्ता देख सकें। राज्य सरकार के वकील ने कहा कि सरकारी जमीन पर बने रिहायशी मकान का मामला हाई कोर्ट में पेंडिंग है और ऑर्डर रिजर्व है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि रिहायशी मकान को हाई कोर्ट के फैसले तक न तोड़ा जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पुनर्वास को लेकर मानवीय अप्रोच लिया जाना चाहिए।

4 मार्च तक समय

एलडीए की कार्यवाही को चुनौती देने वाले विष्णु चौरसिया की याचिका पर कोर्ट ने उन्हें इमारत से सामान निकालने के लिए 4 मार्च तक का समय दिया है। उनकी इमारत को अवैध मानते हुए 4 मार्च की रात 12 बजे तक खुद ही उसे तोड़ने का आदेश दिया है।

शिक्षा विभाग के एसीएस ने राजभवन तक मचा दी हलचल, अब राज्यपाल ने लिया ये फैसला

पटना, 1 मार्च (एजेंसियां)। शिक्षा विभाग के एसीएस केके पाठक ने अपने एक आदेश से राजभवन को नाराज कर दिया है। यही वजह है कि राजभवन सख्त हो गया है। राज्यपाल ने रविवार को विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक बुलाई है। इस बैठक में केके पाठक की ओर से दिए गए आदेश पर चर्चा होगी।

राजभवन में क्यों बुलाई गई यह बैठक?

केके पाठक के आदेश पर शिक्षा विभाग ने विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और अन्य अधिकारियों का वेतन रोकने का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालयों के खातों को भी फ्रीज कर दिया गया है। शोकॉज नोटिस जारी किया गया है। शोकॉज जारी कर पूछा गया है कि 28 फरवरी को शिक्षा विभाग की ओर से बुलाई गई महत्वपूर्ण बैठक में आप लोग क्यों नहीं आए? क्यों नहीं आप लोगों पर पर प्राथमिकी दर्ज की जाए?

शिक्षा विभाग और राजभवन में बढ़ी तकरार

28 मार्च को केके पाठक के आदेश पर

शिक्षा विभाग की ओर से विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, कुल सचिवों, अधिकारियों की बैठक बुलाई गई थी। यूनिवर्सिटी एग्जाम को लेकर इसमें चर्चा होनी थी। कई विश्वविद्यालयों का सेशन लेट चल रहा है। कई तरह के एग्जाम और रिजल्ट पेंडिंग हैं। इन मुद्दों पर बैठक में चर्चा होनी थी, लेकिन इस बैठक में विश्वविद्यालयों के कुलपति कुलसचिव एवं अधिकारी शामिल नहीं हुए थे। वह इसलिए क्योंकि राजभवन की तरफ से उन लोगों को अनुमति नहीं मिली थी।

शिक्षा विभाग नहीं दे सकता है दखल

विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं अधिकारियों को राजभवन का स्पष्ट निर्देश था कि विश्वविद्यालय के अधिकारी राजभवन के अधीन हैं। विश्वविद्यालय व राजभवन के कामकाज में शिक्षा विभाग दखल नहीं दे सकता है। इसलिए कोई भी अधिकारी शिक्षा विभाग की बैठक में शामिल नहीं होगा। यही वजह है कि शिक्षा विभाग की बैठक में कोई भी अधिकारी विश्वविद्यालय का शामिल नहीं हुआ। बैठक में सिर्फ दो विश्वविद्यालयों की ओर से तीन प्रतिनिधि ही शामिल हुए थे। इन सब तमाम गतिविधियों के बीच केके पाठक अब केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जा रहे हैं। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को आवेदन दिया था। इसके बाद उनके आवेदन पर सहमति देते हुए केके पाठक को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने के लिए एनओसी दे दी गई है।

नवादा में तीन बच्चों के पिता ने युवती से किया रेप, 6 दिन बाद एफआईआर, आरोपित समेत पूरा परिवार फरार

नवादा, 1 मार्च (एजेंसियां)। रजौली थाना क्षेत्र के एक गांव में 22 साल की युवती से तीन बच्चों के पिता ने रेप किया है। युवती मूक बधिर है। घटना 22 फरवरी की है लेकिन इस मामले में छह दिनों के बाद 28 तारीख को एफआईआर दर्ज की गई है। घटना के बाद से आरोपित समेत उसका पूरा परिवार गांव छोड़कर फरार है। पीड़िता के साथ उनके परिजन थाना पहुंचे और शिकायत की। को यह मामला प्रकाश में आया है। रेप का आरोप गांव के ही 35 वर्षीय मो। नैय्यर उर्फ पप्पू पर लगा है। लड़की के पिता ने बताया कि उनकी बेटी 22 फरवरी को शाम में घर में अकेली थी। इसका फायदा उठाकर पड़ोस में रहने वाला मो। नैय्यर उर्फ पप्पू घर के बगल में स्थित बगीचे में बेटी को ले गया और गंदा काम किया। पीड़िता घर लौटी तो इशारों में सब कुछ बताया। बताया जाता है कि घटना सामने आने के बाद आसपास के लोग पंचायत कर मामले को सुलझाने की बात कहने लगे। लगातार लड़की के पिता पर दबाव देना शुरू कर दिया गया।

अखिलेश यादव को भारी पड़ रहा है ये दांव

राज्यसभा चुनाव में खुली पोल, पल्लवी पटेल ने भी उठाए सवाल

लखनऊ, 1 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव लोकसभा चुनाव में लगातार पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यकों की बात कर रहे हैं। उनका दावा है कि सपा का पीडीए फॉर्मूला ही एनडीए को हराएगा। लेकिन, अब यही पीडीए अखिलेश यादव के लिए चुनौती बना हुआ है। पल्लवी पटेल पहले ही उन पर पीडीए को धोखा देने का आरोप लगाती रही है और अब राज्यसभा चुनाव में जिस तरह पार्टी के सवर्ण नेताओं ने क्रॉस वोटिंग की उससे उनकी रणनीति सवालों के घेरे में आ गई है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव अक्सर ये कहते नजर आते हैं कि जिस यूपी से 2014 में बीजेपी केंद्र की सत्ता में आई थी, उसी यूपी से 2024 में बीजेपी की विदाई हो जाएगी। इस दावे के लिए वो लगातार पीडीए पॉलिटिक्स को चमकाने की कोशिश में लगे हुए हैं। वो लगातार इस वर्ग में अपनी पैठ बनाने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन, जब राज्यसभा चुनाव की बात आई तो उन्होंने दलित नेता रामजीलाल सुमन के साथ दो सामान्य वर्ग से आने वाले जया बच्चन और आलोक रंजन को राज्यसभा उम्मीदवार बनाया।

अखिलेश यादव को भारी पड़ा ये दांव

अखिलेश यादव का ये फ़ैसला उन्हें भारी पड़ा। पहले स्वामी प्रसाद मौर्य ने सपा को छोड़कर नई पार्टी बना ली तो वहीं अपना दल कमेरावादी की नेता और सपा विधायक पल्लवी पटेल ने भी खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर की और अखिलेश यादव पर पीडीए के साथ धोखा करने का आरोप लगाया। इस मुद्दे को उन्होंने इतने ज़ोरदार तरीके से उठाया कि सपा के पीडीए पर ही सवाल खड़े हो गए।

पीडीए के साथ अगड़ों को जोड़े रखने की चुनौती

अखिलेश यादव की मुश्किलें यहीं कम नहीं हुई, एक तरफ पिछड़े वर्ग के नेताओं में नाराजगी देखने को मिली तो वहीं राज्यसभा चुनाव पार्टी के अंदर की कलह सामने आ गई, सपा के सात विधायकों ने बीजेपी के पक्ष में क्रॉस वोटिंग की। इनमें से ज़्यादातर पांच विधायक सवर्ण वर्ग के हैं। क्रॉस वोटिंग के बाद इन विधायकों ने रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर पार्टी के रुख को सवालों के घेरे में ला दिया। ऐसे में सपा के सामने अब पीडीए के साथ ही अगड़ी जाति के लोगों को साथ जोड़े रखने की चुनौती बढ़ गई है। अखिलेश यादव की परेशानी ये हैं कि पीडीए की राजनीति के चक्कर में सवर्ण वर्ग उनसे छिटक रहा है तो वहीं पिछड़े नेता भी खुश नहीं दिख रहे। ऐसे में पीडीए के साथ झगड़ों को खुश रखने में पार्टी की रणनीति फेल हो रही है। पल्लवी पटेल ने भी भले ही सपा के पक्ष में वोट तो दिया लेकिन उनकी तल्खी अभी कम नहीं हुई है।

सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे के मामले में 12 अधिकारियों को नोटिस, तीन दिनों के भीतर मांगा जवाब

गोंडा, 1 मार्च (एजेंसियां)। गोंडा में सरकारी जमीनों पर कब्जेदारी के मामले में डीएम नेहा शर्मा ने अपर उपजिलाधिकारी, तहसीलदार समेत 12 पीठासीन अधिकारियों को नोटिस भेज कर जवाब तलब किया है। जिससे राजस्व विभाग में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों को नोटिस का जवाब देने के लिए 3 दिन का समय निर्धारित किया गया है तीन दिनों के भीतर जवाब देना होगा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने अपर उपजिलाधिकारी प्रथम अपर उपजिलाधिकारी द्वितीय तत्कालीन उपजिलाधिकारी मनकापुर समेत सभी चार तहसीलदारों और चार नायब तहसीलदारों के साथ बन्दोबस्त अधिकारी चकबंदी को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया है। पुराने वादों के निस्तारण में शिथिलता बरतने के चलते यह कार्यवाही की गई है। अपर उपजिलाधिकारी प्रथम, अपर उपजिलाधिकारी द्वितीय और तत्कालीन उपजिलाधिकारी मनकापुर राजीव मोहन सक्सेना समेत सभी नायब तहसीलदारों को तीन दिन में अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं चकबन्दी वादों के निस्तारण में शिथिलता बरतने के लिए बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी को नोटिस भेजा गया है। उन्हें आगामी 9 मार्च को प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत में चकबन्दी से संबंधित वादों का निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है। जिलाधिकारी द्वारा की गई मासिक समीक्षा में सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर अनाधिकृत अध्यासन से संबंधित वादों के निस्तारण की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई, जिसके चलते सभी चारों तहसील के तहसीलदारों को नोटिस भेजा गया है। जिलाधिकारी ने धारा 132 की भूमि पर अवैध कब्जे से संबंधित समस्त लम्बित वादों का निस्तारण आगामी 4 मार्च को प्रस्तावित लोक अदालत में अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने साफ किया कि इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं की जाएगी। नायब तहसीलदार परसपुर जय शंकर सिंह, नायब तहसीलदार हलधरमऊ संतोष कुमार यादव, नायब तहसीलदार नवाबगंज रंजन वर्मा, नायब तहसीलदार डिक्सिर चन्दन को नोटिस भेजा गया है।

थाना को 'बपौती' समझ एएसआई ने कर डाला बड़ा कांड

बेतिया, 1 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के पश्चिम चंपारण से एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। थाना का एक अधिकारी अपने कमरे को ही थाना बनाकर चला रहा था। गिरफ्तारी के बाद थाना के हाजत के बदले खुद के कस्टडी में अभियुक्त को भी रखता था। आश्चर्य की बात तो यह है कि पूरे मामले की जानकारी थानाध्यक्ष को भी नहीं थी। बेतिया पुलिस जिला के मझौलिया के एएसआई औरंगजेब समेत तीन लोगों पर एफआईआर दर्ज की गयी है। बिहार पुलिस के आला अधिकारियों के निर्देश पर थानाध्यक्ष ने केस दर्ज कराया है। पुलिस पदाधिकारी पर थाना के हाजत के बदले कमरे में अभियुक्त को रखने का आरोप है। कर्तव्यहीनता के आरोप में मझौलिया थाना में पदस्थापित एएसआई मो. औरंगजेब, चौकीदार मुन्ना अंसारी तथा एक अन्य व्यक्ति मो. मकसूद पर पुलिस ने एफआईआर की है।

पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र में गरजा सीएम योगी का बुलडोजर, भारी विरोध के बीच टूटा लोगों का आशियाना

वाराणसी, 1 मार्च (एजेंसियां)। पांडेयपुर चौराहे से रिंग रोड तक सड़क चौड़ीकरण में बाधा बन रहे भवनों को जिला प्रशासन ने भारी विरोध के बीच तोड़ दिया। अपना आशियाना टूटता देख कई महिलाएं बुलडोजर के सामने आ गई। महिला पुलिस के हटाने पर सड़क पर लेट गई लेकिन पुलिस ने एक नहीं सुनीं और उन्हें किनारे कर दिया। उसके साथ ही बुलडोजर गरजता रहा। यही हाल, अन्य सड़कों पर भी रहा। भारी फोर्स की मौजूदगी में अवैध निर्माण तोड़ने के साथ कार्यदायी संस्था मलबा हटाती रही। पांच मार्च तक जिला प्रशासन को सभी छह सड़कों के चौड़ीकरण में बाधा बन रहे और चिह्नित भवनों को तोड़कर लोक निर्माण विभाग को खाली स्थान देना है जिससे परियोजना समय पर पूरी हो सके। हाईवे और रिंग रोड से आने वाली छह सड़कों के चौड़ीकरण को लेकर करीब डेढ़ वर्ष से काम चल रहा है। राजस्व कर्मियों के सहयोग से लोक निर्माण विभाग अवैध निर्माण चिह्नित करने के साथ वैध निर्माण और जमीन का मुआवजा बांट रहा है लेकिन ज्यादातर लोगों के पास अपनी जमीन का रिकार्ड नहीं है या वे लोक निर्माण विभाग को नहीं दे पा रहे हैं जिससे मुआवजा देने की कार्रवाई आगे नहीं बढ़ पा रही है। इसको लेकर शासन ने नाराजगी जाहिर करते हुए जिलाधिकारी एस राजलिंगम को चिह्नित निर्माण को तोड़वाने का निर्देश दिया है। बुधवार को रामनगर और गुरुवार को आजमगढ़ मार्ग पर तोड़ने की कार्रवाई हुई। मढ़वा सोएपुर के राजकुमार गुप्ता, सतीश विश्वकर्मा, प्रदीप कुमार गुप्ता, दिलीप गुप्ता, मोहनलाल गुप्ता का कहना है कि हम आठ लोगों के भवन को नहीं तोड़ने का कोर्ट से स्टे है, फिर भी जिला प्रशासन ने जबर्दस्ती तोड़ दिया। कार्रवाई के चलते इस मार्ग पर एक किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया। कार्रवाई के दौरान एडीएम सिटी आलोक वर्मा, डिप्टी कलेक्टर माल पिनाकपणी त्रिपाठी, पीडब्ल्यूडी के अधिशासी केके सिंह, दुर्गेश सिंह आदि लोग शामिल थे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 2 मार्च, 2024 5

सु वि चा र

संसार एक भ्रम है, यह में हमेशा भ्रम में ही रखता है इसलिए अच्छा है की सपने में ही रहा जाएं।

जीरो बिजली बिल मिलना आरंभ

हैदराबाद,1 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार की 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने की गृह ज्योति योजना आधिकारिक तौर पर लॉन्च होने के साथ, डिस्कॉम ने शुक्रवार को लाभार्थियों को 'शून्य बिजली बिल' देना शुरू कर दिया है। राज्य भर में कई उपभोक्ताओं को 'शून्य' बिल मिला, जिन्होंने अपने औसत उपयोग के भीतर बिजली का उपभोग किया। पंचायत राज मंत्री डी अनसूया ने शुक्रवार को महबूबाबाद में कोठागुडा और गंगाराम मंडल में शून्य बिलिंग पहल की औपचारिक शुरुआत की। तेलंगाना राज्य दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (टीएसएसपीडीसीएल) के मीटर रीडरों को शुक्रवार को कुथबुल्लापुर, यूसुफगुडा, विद्या नगर, सरूरनगर और ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) सीमा के अन्य स्थानों में लाभार्थियों को शून्य बिल जारी करते देखा गया। संगारेड्डी, महबुबाबाद, खम्मम, वारंगल, करीमनगर, मुलुगु, भूपालपल्ली और वानापर्थी जैसे जिलों में रहने वाले लाभार्थियों को भी शून्य बिल मिले। गृह ज्योति योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार, 200 से कम औसत बिजली इकाइयों का उपभोग करने वाले सभी उपभोक्ताओं (2022-23 में उपयोग के आधार पर औसत लिया जाएगा) को इस योजना के तहत शून्य बिजली बिल मिलेगा। यहां तक कि गैर-शून्य बिल प्राप्त करने वाले भी योजना के लाभार्थी बने रहेंगे, उन्हें केवल अपनी हकदार इकाइयों से अधिक खपत के लिए भुगतान करने की आवश्यकता होगी। बिजली अधिकारियों के अनुसार, प्रत्येक पात्र परिवार जिसकी किसी विशेष माह की खपत 200 यूनिट तक है, उसे उस माह के लिए शून्य बिल प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति के पास एक से अधिक मीटर है तो योजना केवल एक मीटर तक ही सीमित रहेगी। अधिकारियों ने कहा, डिस्कॉम हर महीने की 20 तारीख तक सरकार को विवरण भेजेगी, जिसके बाद सरकार सब्सिडी राशि जारी करेगी।

अधिकारियों ने आगाह किया कि गैर-घरेलू उद्देश्यों के लिए लाभ का उपयोग करते पाए जाने पर बिजली अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के तहत कार्रवाई की जाएगी। सरकारी आदेश के अनुसार, 'प्रजा पालन' और अन्य चैनलों के माध्यम से प्राप्त सभी आवेदन, जो आधार कार्ड से जुड़े हुए हैं, योजना के तहत कवर किए जाएंगे। जो उपभोक्ता मुफ्त बिजली के लिए पात्र हैं, लेकिन मार्च से बिल प्राप्त करते हैं, वे योजना के लिए आवेदन करने के लिए स्थानीय ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) और अन्य संबंधित नगर निकायों से संपर्क कर सकते हैं। यदि सत्यापन में उक्त उपभोक्ता पात्र पाया जाता है, तो योजना के लिए आवेदन करने वाले उपभोक्ताओं के संबंध में गृह ज्योति योजना के प्रावधानों के अनुसार एक संशोधित बिल जारी किया जाएगा, यदि उन्होंने पहले ऐसा नहीं किया था। राज्य सरकार ने 2024-25 के लेखानुदान बजट में इस योजना के लिए 2,418 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

मंत्री ने जनता के उत्साह के बीच मुफ्त बिजली और गैस सिलेंडर योजना शुरू की

हैदराबाद, 1 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री व वारंगल ईस्ट की विधायक कोंडा सुरेखा ने कहा कि एक दशक लंबे बीआरएस शासन ने तेलंगाना राज्य को एक सदी पीछे धकेल दिया है। मंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार जनकल्याण को अपना मुख्य उद्देश्य बनाकर देश में शासन कर रही है, वहीं बीआरएस शासनकाल में ध्वस्त हुई आर्थिक व्यवस्था को बरकरार रखते हुए दिये गये वादों को एक-एक कर पूरा कर रही है।

भगत सिंह नगर, वारंगल पूर्व निर्वाचन क्षेत्र 19वें डिवीजन में मंत्री ने कांग्रेस प्रजा सरकार द्वारा गृहज्योति योजना के तहत छोड़ी गई 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली और महालक्ष्मी योजना के तहत शुरू की गई 500k रुपये की गैस सिलेंडर योजनाओं का उद्घाटन किया। मंत्री सुरेखा ने राज्य भर में इन योजनाओं के शुभारंभ के अवसर पर राज्य के लोगों को बधाई दी। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि चुनाव में छह गारंटी के माध्यम से जन कल्याण के लिए काम करने के वादे के अनुरूप आज दो और योजनाएं शुरू की गयी है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने बीआरएस शासन के दौरान कठिनाइयों का सामना किया, वे केवल उस कांग्रेस पार्टी को वोट देंगे जिसने उन्हें तेलंगाना दिया था, और उन्होंने कांग्रेस पार्टी को इस विश्वास के साथ जीता कि इंदिराम्मा का राज्य आएगा। कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के दूसरे दिन, महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और चेयुथा योजना के तहत राजीव आरोग्य श्री सीमा को बढ़ाकर 5 लाख से 10 लाख तक बढ़ाकर जन कल्याण के प्रति ईमानदारी का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि मेडिगड्डा परियोजना के मामले में बीआरएस नेताओं का व्यवहार हास्यास्पद है और लोग उनका दिखावा देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि भले ही कालेश्वरम परियोजना के निर्माण में लाखों करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है और जनता के पैसे का दुरुपयोग हुआ है, फिर भी वे इसे स्वीकार किए बिना अपनी महिमा दिखा रहे हैं। बीआरएस नेता केटीआर जब सत्ता में थे तो नाराज थे और अब झूठी रिपोर्ट देकर लोगों को धोखा देने की कोशिश कर रहे हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि चुनाव में दी गयी छह गारंटियों के क्रियान्वयन के तहत शेष गारंटियों का क्रियान्वयन भी जल्द शुरू किया जायेगा। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि सोनिया गांधी की मदद से अहराम जन कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहा है।

भाजपा शासित क्षेत्रों में अपराध अधिक : कांग्रेस

हैदराबाद, 1 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आज अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलकालाम्बा एवं प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता राव के आदेश पर नारी न्याय अपराध महिला अपराध के मुद्दे पर गांधी भवन में प्रेसवार्ता आयोजित की गई। भाजपा के शासन में महिलाओं को बिना किसी सुरक्षा के छोड़ दिया गया। महिलाओं के खिलाफ बलात्कार और अराजकता बढ़ी। भाजपा शासित क्षेत्रों में अपराध दर अधिक है। आने वाले समय में जनता इस

भाजपा पार्टी को हराकर उन्हें सद्बुद्धि देगी। प्रदेश महासचिव अदिति स्वप्ना, मेडिपटनम मंडल अध्यक्ष विजयालक्ष्मी, बाग अंबरपेट डिवीजन की उपाध्यक्ष सरिता, शम्बुला उषाश्री श्रीकांत गौड़ खैरताबाद जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष आदि ने भाग लिया।

क्षेत्रीय केंद्र ईसीएचएस एम्स, बीबीनगर और ईसीएचएस हैदराबाद के बीच समझौता

हैदराबाद, 1 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यालय तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र के तत्वावधान में क्षेत्रीय केंद्र ईसीएचएस ने एम्स, बीबीनगर और पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) हैदराबाद के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की पहल की है। ब्रिगेडियर के सोमशंकर, एसएम, स्टेशन कमांडर, मुख्यालय तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र और कर्नल विक्रम सैनी, निदेशक आरसी ईसीएचएस हैदराबाद ने प्रोफेसर विकास भाटिया, कार्यकारी निदेशक और डॉ बिपिन पी वर्गीस, एम्स बीबीनगर के उप निदेशक के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए सशस्त्र बलों का प्रतिनिधित्व किया।

इस पहल से हैदराबाद और तेलंगाना के आसपास के जिलों के 90 हजार से अधिक दिग्गजों और आश्रितों को लाभ होगा और ईसीएचएस लाभार्थियों को कैशलेस और कैपलेस चिकित्सा उपचार की सुविधा मिलेगी।

पूर्व तट रेलवे

(1)निविदा सूचना सं.WAT-TRD-77-23-24, दिनांक: 23.02.2024
कार्य का नाम: वाल्टियर मण्डल के विभिन्न टीआरडी (TRD) एवं अन्य विविध कार्यों का निष्पादन।
निविदा मूल्य (रुपये में): 80,56,731/-
EMD (रुपये में): 1,61,100/-।
(2)निविदा सूचना सं.WAT-TRD-91-22-23, दिनांक: 23.02.2024
कार्य का नाम: वाल्टियर मण्डल के आमागुरा-आम्बागाँव के बीच नये क्रॉसिंग स्टेशन के विकास के लिए डायवर्जन (Diversion)कार्यों के निष्पादन के संबंध में TRD कार्य।
निविदा मूल्य (रुपये में): 1,49,31,462/-
EMD (रुपये में): 2,24,700/-।
कार्य पूरा होने की अवधि : 12 महीने (क्रम सं.1 हेतु) एवं 10 महीने(क्रम सं.2 हेतु)।
निविदा बंद होने की तिथि व समय: दिनांक 18.03.2024 को 1500 बजे (दोनों निविदा हेतु)।
निविदा दस्तावेज से संबंधित संपूर्ण विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।
वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता(TRD)/ वाल्टियर
PR-1136/O/23-24

होमगार्ड के परिजनों को मिली वित्तीय सहायता

हैदराबाद, 1 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद के संयुक्त सीपी डी. जोएल डेविस ने आज एडीसीपी रविचंदन रेड्डी, सीएआर मुख्यालय एडीसीपी शमीर, एसीपी (होम गार्ड) कृष्णा और एचडीएफसी बैंक के प्रतिनिधियों सत्यनारायण कांडिकोंडा - उपाध्यक्ष, शर्मिस्ता - शाखा प्रबंधक डीएलएफ शाखा गच्चीबोवली, श्रेया सोनी-आरएम, राजेश तांगुडु-वरिष्ठ प्रबंधक की उपस्थिति एक होम गार्ड के परिजनों को 30 लाख रुपये का चेक सौंपा। बीते 7 नवंबर ।

वर्ष 2023 को मेडचल ट्रैफिक पीएस के बी. मारुति मेडचल ट्रैफिक पीएस सीमा के रावोलकोले कमान में ड्यूटी करते समय दुर्घटना का शिकार हो गए और अस्पताल ले जाते समय उनकी मृत्यु हो गई। पीड़ित गरीब परिवार से है, उसकी पत्नी, 2 बच्चे और बुजुर्ग माता-पिता हैं।इसके अलावा साइबराबाद पुलिस ने एचडीएफसी बैंक के अधिकारियों से बातचीत की क्योंकि वह एचडीएफसी वेतन खाता रखता है। अधिकारियों ने पीएडीसी (व्यक्तिगत दुर्घटना मृत्यु कवरेज) बीमा के लिए रुपये का चेक 30 लाख जारी कर दिया। साइबराबाद संयुक्त सीपी ट्रैफिक डी. जोएल डेविस ने परिवार के सदस्यों को चेक सौंपा और कम समय में पीड़ित परिवार को बड़ी राशि देने के लिए एचडीएफसी बैंक को विशेष धन्यवाद दिया। एचडीएफसी के उपाध्यक्ष सत्यनारायण कंदिकोंडा ने कहा कि एचडीएफसी वेतन खाता पैकेज आकस्मिक मृत्यु बीमा कवरेज के हिस्से के रूप में दिवंगत होम गार्ड की पत्नी भाग्य लक्ष्मी को वित्तीय सहायता दी गई थी। अन्य प्रतिभागियों में होम गार्ड कार्यालय आरएसआई किशन नाइक, एआरएचसी खजावली और अन्य थे।

मंत्री ने आरटीसी जूनियर सहायक को नियुक्त पत्र सौंपा

हैदराबाद, 1 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सचिवालय में अपने कक्ष में टीएसपीएससी द्वारा आरटीसी जूनियर सहायक पदों के लिए चयनित लोगों को नियुक्ति दस्तावेज सौंपे। कुल 72 योग्य लोगों में से 12 कनिष्ठ सहायक कर्मचारियों में से 7 को आरटीसी वित्त विभाग में और पांच को कार्मिक विभाग में नियुक्त किया गया है। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने आरटीसी जूनियर सहायक नौकरियों के लिए अर्हता प्राप्त करने वालों को सम्मानित किया और बधाई दी। कार्यक्रम में ईडीए कृष्णकांत, ईडीओ मुनिशेखर, ईडी पुरूषोत्तम नाइक, वेंकटेश्वरलु, सीपीएम उषा देवी, डिप्टी सीपीएम सिरिशा ने भाग लिया।

सिलाई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का तीसरा बैच शुरू

राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय के सहयोग से कई महिला कल्याण कार्यक्रम

हैदराबाद, 1 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2024 के अवसर पर, राचकोंडा सुरक्षा परिषद, राचकोंडा आयुक्तालय-आकृति (दर्जी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम) के सहयोग से महिला फोरम-शीरा कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में शी टीम्स राचकोंडा डीसीपी उषा विश्वनाथ ने तीसरे बैच का उद्घाटन किया गया। प्राचार्य द्वारा चिन्हित 25 छात्रों के एक बैच को इस पाठ्यक्रम में प्रशिक्षित किया जाएगा। 1 मार्च को घटकेसर में महिला सशक्तिकरण और आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए आरकेएससी "शी एरा" फ्लैगशिप कार्यक्रम के तहत सिलाई मशीनों और प्रशिक्षकों का चयन और शुक्रवार को टीएसडब्ल्यूआर डिग्री कॉलेज इब्राहिमपटनम घाटकेसर में महिला सुरक्षा और साइबर अपराध जागरूकता पर कार्यशाला आयोजित की गई।

राचकोंडा शी टीम्स की डीसीपी उषा विश्वनाथ ने इस अवसर पर युवाओं को साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहने और सोशल मीडिया पर अजनबियों से सावधान रहने की सलाह दी। शी टीम्स की डीसीपी उषा विश्वनाथ ने अपने भाषण में युवाओं को विभिन्न साइबर हमलों से खुद को बचाने में मदद करने के लिए कई उपयोगी टिप्स दिए।

छात्रों को अपनी पढ़ाई और अपने कैरियर पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि छात्रों को बेहतर भविष्य के करियर के लिए आवश्यक सहायता दी जाएगी। इस कार्यक्रम में रचाकोंडा सुरक्षा परिषद फोरम समन्वयक अर्चना मन्ने, नंदिता, आरकेएससी मुख्य समन्वयक सावित्री, मंच सदस्य रजनी, राधिका, स्वर्णा, निखत, सूर्या और अन्य ने भाग लिया।

पूर्व तट रेलवे

(1)निविदा सूचना सं.eT-WAT-SOUTH-09-2024, दिनांक : 16.02.2024
कार्य का नाम: सहायक मण्डल अभियन्ता/ट्रैक/ वाल्टियर के अधीन वाल्टियर मण्डल के कि.मी. 874/04 से 877/4 तक मरीपलेम-विशाखापट्टनम स्टेशन के बीच 2800 मीटर ट्रेस पासिंग (Tress passing) से बचने के लिए ट्रैक के किनारे मॉड्यूलर वेल्ड मेस फेन्सिंग (Mesh Fencing) प्रदान करना।
कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में): 48,40,276/-
EMD(रुपये में): 96,800/-।
(2)निविदा सूचना सं.eT-WAT-SOUTH-10-2024, दिनांक : 16.02.2024
कार्य का नाम: वाल्टियर मण्डल के मेन (Main) लाइन में विशाखापट्टनम-गोपालपटनम सेक्शन के बीच पुल नं.1666 UP में इन्स्ट्रूमेन्टेशन एवं स्थिति की निगरानी (ट्रैन्वेट ट्रैक में ऑन-बैलस्टेड स्टील पुल में LWR की निरंतरता का परीक्षण)।
कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में) : 38,08,772.14, EMD(रुपये में) : 76,200/-।
कार्य पूरा होने की अवधि: 06 (छः) महीने (क्रम सं.1 हेतु) एवं 12 (बारह) महीने (क्रम सं.2 हेतु)।
निविदा बंद होने की तिथि व समय: दिनांक 20.03.2024 को 1500 बजे (दोनों निविदा हेतु)।
ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।
उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
ट्रष्टव्य: प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/ शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें।
मण्डल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग)/ वाल्टियर
PR-1128/O/23-24

ट्रेन में चोरी करने वाली तीन महिला गिरफ्तार

चोरी के पांच लाख के आभूषण बरामद

हैदराबाद, 1 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। चलती ट्रेन में आभूषण चोरी की वारदातों में शामिल महाराष्ट्र की तीन महिला अपराधियों का अंतरराज्यीय गिरोह गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से 5 लाख रुपये कीमत के %8 ग्राम सोने के आभूषण बरामद हुए। आज बी प्रवीण कुमार, आईआरपी/हैदराबाद ने अपराध टीम आरएचसी नरसिंह राठौड़, आरपीसी शकील पाशा के साथ तीनों आरोपियों पकड़ा है। पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम रेणुका जाधव निवासी दक्षिण सोलापुर, होतगी, महाराष्ट्र, अनु देवा जाधव निवासी सोलापुर उत्तर, महाराष्ट्र, सीताबाई शावरप्पा गायकवाड़ निवासी दक्षिण सोलापुर, महाराष्ट्र बताया। तीनों बीते 12 फरवरी को लिंगमपल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए एक अपराध में शामिल थी। उनके कब्जे से चोरी की केस संपत्ति का हिस्सा जब्त किया गया। आरोपियों के पास से करीब पांच लाख के आभूषण बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार आरोपी व्यक्ति महाराष्ट्र राज्य के सोलापुर से संबंधित है। वे विभिन्न स्थानों से पुराने कपड़े खरीदते थे और उन्हें अपने स्थानीय क्षेत्रों में बेचते थे। अपनी यात्रा के दौरान उन्हें एक महिला अपराधी से दोस्ती हो गई और उन्होंने सीखा कि चलती ट्रेनों में महिला यात्रियों से और ट्रेन में चढ़ने वाले यात्रियों से चोरी और ज़िप ऑपरेशन कैसे किया जाता है। जब भी उन्हें मौका मिलेगा वे चलती ट्रेनों में इस तरह के अपराध को अंजाम देंगे।एडीजी रेलवे महेश भागवत और एसआरपी एसपी शेख सलीमा ने जीआरपी/आरपीएफ टीम के प्रयासों की सराहना की।

मंत्री कोमट रेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि बंडी संजय को गंभीरता से न लें

हैदराबाद,1 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आज मीडिया से बातचीत मंत्री कोमट रेड्डी वेंकट रेड्डी कहा कि वे अपनी संपत्ति की जांच के लिए तैयार हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि किसी भ्रष्ट व्यक्ति का किसी ईमानदार व्यक्ति पर आरोप लगाना ठीक नहीं है। उन्होंने मोदी के कार्यों को लोकतंत्र में बुराई बताते हुए आलोचना की। उन्होंने कहा कि सरकारें गिराना बुरी बात है और तेलंगाना में संसदीय चुनाव के बाद कोई बीजेपी और बीआरएस नहीं होगी। उन्होंने कहा कि बीजेपी एक या दो सीटें जीत सकती है और एसएलबीसी दो साल में पूरा हो जाएगा। ब्राह्मण वेल्लेमला परियोजना डेढ़ साल में पूरी हो जाएगी। अरविंद संजय बड़े नेता हैं, जो विधानसभा चुनाव हार गये।

CLASSIFIEDS

चाहिए

सिकन्दराबाद की मशहूर सेक्युरिटी एजेन्सी के लिए, तुरन्त अनुभवी फील्ड आफिसर चाहिए। अच्छा वेतन के साथ संबंधित बेनिफिट्स की व्यवस्था। **अधिक जानकारी हेतु फोन नं. 63038 87220 पर संपर्क करें।**

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

दक्षिण मध्य रेलवे

राज्य सरकार के सेवानिवृत्त अधिकारियों की नियुक्ति के लिए सांकेतिक सूचना

PUB/0215

रिक्ति सूचना सं. 01/2024
सं. एससीआर/पी-सीओएन/रीइंगेज ऑफ रिटायर्ड स्टेट गवर्नमेंट ऑफिशियल फॉर एलए/2023

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/दक्षिण मध्य रेलवे/सिकंदराबाद के अंतर्गत ठेके के आधार पर रेलवे परियोजनाओं की सुविधा के लिए सेवानिवृत्त राज्य सरकार के अधिकारियों (वन/राजस्व) की नियुक्ति जहां भूमि अधिग्रहण शामिल है

पद – परामर्शदाता (भूमि अधिग्रहण) रिक्तियों की सं.: 02 (पद)

विधिवत् भरा हुआ आवेदन वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी (निर्माण), मुख्य प्रशासनिक अधिकारी निर्माण कार्यालय, निचला तल, रेल निर्माण निलयम उपभवन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद 500071 को लिफाफे में भेजा

जाए. लिफाफे के ऊपर "परामर्शदाता (भूमि अधिग्रहण)/निर्माण के पद के लिए आवेदन" लिखा होना चाहिए.

शैक्षिक योग्यता/पात्रता, आयु, पारिश्रमिक, नियुक्ति की अवधि, आवेदन प्रारूप और अन्य विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया बेवसाइट देखें: www.scr.indianrailways.gov.in

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण
दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद

A0267

सरकार किसानों के हितों की रक्षा करने में विफलः के टी रामाराव

हैदराबाद,1 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने शुक्रवार को राज्य में किसानों के हितों की रक्षा करने में विफल रहने और गैरजिम्मेदाराना व्यवहार करने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि बीआरएस लोगों को कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के महत्व को समझाने के लिए मेदिगड्डा और अन्नाराम बैराज का निरीक्षण कर रहा था। यह मौजूदा यासंगी फसल के मौसम में किसानों को होने वाली कठिनाइयों के बारे में सरकार को बताने के लिए हमारी यात्रा है। रामा राव ने मेदिगड्डा के लिए रवाना होने से पहले शुक्रवार को यहां कहा, कांग्रेस सरकार को मेदिगड्डा में सुधार उपाय करने में विफल रहने के अपने कारण बताने चाहिए। पूर्व कृषि मंत्री पोचारम श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि सरकार को तुरंत मरम्मत कार्य शुरू करना चाहिए और कृषक समुदाय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता साबित करनी चाहिए। श्रीनिवास रेड्डी ने कहा, किसानों के हित की कीमत पर मेदिगड्डा मुद्दे का राजनीतिकरण करना कांग्रेस सरकार की ओर से बुद्धिमानी नहीं है। उन्होंने कहा कि मेडिगड्डा स्तंभों के डूबने के मुद्दे को राजनीतिक लाभ लेने के लिए बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 2 मार्च- 2024

कानून के लंबे हाथ !

पश्चिम बंगाल के संदेशखाली मामले में महीनों से फरार चल रहे टीएमसी नेता एवं मुख्य आरोपी शाहजहां शेख को पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार करने में सफलता हासिल कर ही ली। इससे पहले वह पचपन दिनों तक जिस तरह से पुलिस व जांच एजेंसियों को चकमा देता रहा वह भी वहां की राज्य सरकार को कटघरे में खडा करता है। इस हीलाहवाली के पीछे स्पष्ट उद्देश्य समझ में आता है कि वह राज्य सरकार की निगहबानी में जितना संभव हो सका अपने को बचाने का प्रयास करता रहा। अब पुलिस मान रही है कि शाहजहां शेख को गिरफ्तार करने के लिए पर्याप्त आधार मौजूद थे, तो पूछा जा सकता है कि इसके लिए उसने पहले ही ठोस कदम क्यों नहीं उठाए? राज्य में विपक्षी दलों की ओर से सवाल उठाने के अलावा हालत यह हो गई कि वहां के राज्यपाल ने शाहजहां शेख की गिरफ्तारी के लिए बहत्तर घंटे की समय-सीमा दे दी थी। इसके साथ ही कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी इस मसले पर सरकार से तीखे सवाल पूछे थे। बहरहाल, शाहजहां की गिरफ्तारी के बाद तृणमूल कांग्रेस ने उसको पार्टी से छह साल के लिए निलंबित करने में तनिक भी देरी नहीं की। पुलिस के अनुसार उसे संदेशखाली में प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की टीम पर हमले से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया गया है, लेकिन खबरों के अनुसार नेतागिरी को ढाल बना कर वह कई तरह के व्यापक अपराध तंत्र का हिस्सा था, जिसकी वजह से वहां के लोग बुरी तरह पीडित थे। बता दें कि पांच जनवरी को राशन घोटाला मामले में ईडी ने शाहजहां के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इसी दौरान उसकी शय पर उसके ही समर्थकों ने ईडी अधिकारियों की टीम पर हमला बोल दिया था, जिसमें संलिप्तता के आरोप लगने के बाद से ही वह फरार हो गया था। इस मामले के अलावा संदेशखाली में शाहजहां शेख जिस तरह की अवैध गतिविधियों को चला रहा था, वह पहले ही उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए पर्याप्त था। वहां की स्थानीय महिलाओं ने शाहजहां और उसके समर्थकों पर यौन शोषण और जमीन पर कब्जा करने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। इस समूचे मामले के संदर्भ में पिछले कुछ समय के दौरान राज्यपाल, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग और तथ्यान्वेषण दल ने भी तनावग्रस्त इलाके का दौरा कर अपनी रिपोर्ट दी थी, मगर राज्य की पुलिस को समय पर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करना जरूरी नहीं लगा। वजह साफ है कि शाहजहां शेख तृणमूल कांग्रेस का एक कद्दावर नेता है और राज्य में इसी पार्टी की सरकार है? इसलिए पुलिस भी उस पर हाथ डालने से पहले सौ बार सोचती थी। उसकी गिरफ्तारी के बाद निलंबित करने के संदर्भ में तृणमूल की ओर से डैमेज कंट्रोल किया जा रहा है कि पार्टी जो कहती है, वह करती है। हालांकि इस मामले में जिस स्तर तक शिथिलता बरती गई, उससे यही लगता है कि जब मामला सिर से ऊपर तक पहुंच गया, तब तृणमूल कांग्रेस एक तरह से अपना चेहरा बचाने की कोशिश कर रही है। अब तक जितने भी ब्योरे सामने आ सके हैं, उससे साफ है कि शाहजहां शेख ने किस-किस स्तर पर जाकर कानून को अपने हाथों का खिलौना बना रखा था। जो तृणमूल कांग्रेस दूसरी पार्टियों पर भ्रष्टाचार, अराजकता या अन्य मामलों में अंगुली उठाती रहती है, राज्य में सरकार होने और शाहजहां शेख पर लगे ठोस आरोपों के बावजूद उसकी गिरफ्तारी को लेकर उसके हाथ पांव ढीले पड गए थे। देखा जाए तो पश्चिम बंगाल में इस तरह की प्रवृत्ति और रवैया कोई चौंकाने वाली बात कभी नहीं रही है। विडंबना यह है कि गंभीर अपराधों में नेताओं के लिप्त होने की अनदेखी तब तक की जाती है, जब तक मामला व्यापक पैमाने पर तूल न पकड़ ले या अदालतों की ओर से आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दखल न दिया जाए। इसके पहले वर्षों तक शासन कर चुकी कामरेडों की सरकार के राज में भी यही सब तो हो रहा था, जो अब टीएमसी कर रही है।

हार्दिक पटेल बनने की तैयारी में मनोज जरांगे पाटिल

अशोक भाटिया

विषय को विस्तार से समझने के लिए हमें ताज़ा राजनीतिक घटनाओं को समझना होगा . इस समय 2024 के चुनाव सर पर है .अनेक दलों में सीट बटवारे की बात चल रही है । ऐसे समय में महाविकास आघाड़ी गठबंधन के नेता तथा वंचित बहुजन आघाड़ी के अध्यक्ष प्रकाश आंबेडकर ने मराठा आरक्षण के लिए आंदोलन कर रहे मनोज जरांगे पाटिल को उनके गृह जनपद जालना से लोकसभा टिकट देने की मांग महाविकास आघाड़ी गठबंधन से की है। मनोज जरांगे इन दिनों मराठा आरक्षण की मांग को लेकर चर्चा में हैं। हालाँकि उन्होंने इस प्रकार की किसी संभावना से इंकार किया है पर राजनीति में कभी भी कुछ भी हो सकता है। खबरों के अनुसार इस समय महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण आंदोलन हिंसक रूप विराट रूप ले चुका है। महाराष्ट्र ही नहीं पूरे देश की निगाहें इस ओर लगी है । मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग करते हुए 40 वर्षीय मनोज जरांगे पाटिल ने 2014 के बाद से कई आंदोलन किए हैं, जो ज्यादा चर्चा में नहीं रहे। उनके ज्यादातर प्रदर्शनों की गूंज जालना जिले से बाहर नहीं जा पाई। हाल में उनकी भूख हड़ताल ने महाराष्ट्र में हलचल मचा दी । हिंसक प्रदर्शनों के बीच मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आंदोलनकारी नेता मनोज जरांगे से बातचीत की और मराठा समुदाय को कुनबी जाति की कैटेगरी में शामिल करने का वादा किया है। सीएम शिंदे के आश्वासन के बाद मनोज जरांगे पाटिल ने आमरण अनशन खत्म कर दिया व सरकार को ज्यादा निर्णय लेने का और दो माह का समय दे दिया । मनोज जरांगे ने मराठा आंदोलन की मुहिम के बारे में जाने तो उन्होंने 2011 से यह मुहिम शुरू की। 2023 में अब तक उन्होंने 30 से ज्यादा बार आरक्षण के लिए आंदोलन किया। जरांगे को मराठा आरक्षण आंदोलन का बड़ा चेहरा माना जाता है। मराठवाड़ा क्षेत्र में उनका बहुत सम्मान है। 2016 से 2018 तक जालना में मराठा आरक्षण आंदोलन का नेतृत्व भी मनोज जरांगे ने ही किया था। आइए जानते हैं कि कैसे सामान्य परिवार के साधारण युवक जरांगे इतने बड़े आंदोलन के इतना बड़ा चेहरा बन गए? कैसे उन्होंने पूरे राज्य की सियासत में उठापटक मचा दी? 42 साल के मनोज जरांगे पाटिल मूल रूप से महाराष्ट्र के बीड जिले के रहने वाले हैं। तकरीबन 20 साल पहले सूखे से त्रस्त होकर उनके पिता जालना के अंकुश नगर की मोहिते बस्ती में आकर बस गए थे। 4 बेटों में सबसे छोटे मनोज जरांगे आज मराठा समाज का बड़ा नेता बन चुके हैं। मराठा समुदाय के आरक्षण के प्रबल समर्थक मनोज जरांगे पाटिल अक्सर उन प्रतिनिधिमंडलों के हिस्सा रहे हैं, जिन्होंने आरक्षण की मांग के लिए राज्य के विभिन्न नेताओं से मुलाकात की है। साल 2010 में जरांगे 12वीं क्लास में थे, तभी उन्होंने पढ़ाई छोड़ दी थी। फिर वे आंदोलन से जुड़ गए। उन्होंने अपनी आजीविका चलाने के लिए एक होटल में भी काम किया। बीते 12 साल में जरांगे ने 30 से ज्यादा बार आरक्षण आंदोलन किया है। साल 2016 से 2018 तक भी उन्होंने जालना में आरक्षण आंदोलन का नेतृत्व किया। शुरू में मनोज जरांगे कांग्रेस के एक कार्यकर्ता थे। राजनीति में भी हाथ आजमाते हुए उन्होंने जालना जिले के युवा कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे लेकिन विचारधारा के मतभेद के चलते जल्दी ही पार्टी से इस्तीफा दे दिया। बाद में मराठा समुदाय के सशक्तीकरण के लिए पार्टी से अलग होकर 'शिवबा संगठन' नाम की खुद की संस्था बना ली। मनोज जरांगे के परिवार की आर्थिक स्थिति कुछ खास नहीं थी। उनके परिवार में माता-पिता, पत्नी, तीन भाई और चार बच्चे हैं। जब संगठन चलाने के लिए उनके पास पैसे नहीं थे, तब उन्होंने अपनी 2 एकड़ जमीन बेच दी थी। मनोज के नेतृत्व में साल 2021 में जालना के पिंपलगांव में तीन महीने तक आरक्षण के लिए धरना दिया था। मराठा आरक्षण आंदोलन का केंद्र बन चुके अंतरवाली सराटी गांव के सरपंच पांडुरंग तारख का कहना है कि समाज के प्रति जरांगे का निःस्वार्थ भाव उनकी लोकप्रियता का बड़ा कारण है। उन पर भरोसा करने की वजह है कि उन्हे पैसा नही चाहिए। उन्हें कुछ भी नही चाहिए। उन्हें समाज के लिए काम करना है। मनोज जरांगे के साथ पिछले सात आंदोलनों में साथी रहे पिंपल गांव के गणेश महाराज बोचरे बताते हैं कि मनोज की ईमानदारी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा, उनकी ईमानदारी हमारे दिल में घर कर चुकी है। समाज के लिए वो जो भी करते हैं, पूरे दिल और निःस्वार्थ भावना से करते हैं। वो कभी समाज के काम में पीछे नहीं हटते।₹मनोज जरांगे की अनिश्चित भूख हड़ताल से उनकी जान को खतरा है, लेकिन ना तो पिता को और न ही उनकी पत्नी को इस बात की फिक्र थी। दोनों का यही कहना था कि वो समाज के लिए लड़ रहे है। समाज के युवकों को उच्च शिक्षा का मौका मिले, अच्छी नौकरी मिले ... वो इसके लिए लड़ रहे हैं। इस लड़ाई में परिवार के सभी लोग उनके साथ हैं। गौरतलब है कि महाराष्ट्र की राजनीति और आरक्षण आंदोलन में मनोज जरांगे का उदय आठ साल पहले गुजरात में 'पाटीदार अनामत आंदोलन' के रूप में अनाम से चेहरे हार्दिक पटेल के चमत्कारी नेता के रूप में उदय से काफी कुछ मेल खाता है। यह बात अलग है कि बाद में हार्दिक खुद राजनीति के शतरंज का मोहरा बन गए और आज वो उसी भाजपा से विधायक हैं, जिसके खिलाफ उन्होंने कभी समूचे गुजरात को हिला दिया था। अब मनोज जरांगे का हश्र क्या होता है, यह देखने की बात है लेकिन यह मानने में हर्ज नहीं है कि आज महाराष्ट्र में गुजरात ही खुद दोहरा रहा है। इसके विपरीत मनोज जरांगे का सियासी सफर ज्यादा संघर्ष और चुनौती से भरा है। वो अपनी मांग पर अड़े हैं और सरकार को डर है कि जरांगे ने अनशन चलते रहे तो प्रदेश में मराठा और ओबीसी जातियों में आरक्षण को लेकर संघर्ष सड़कों पर आ सकता है। दरअसल, मराठा भी कोई एक जाति न होकर समुदायों का समुच्चय है। जरांगे की मांग के मुताबिक यदि सरकार मराठों को कुणबी होने का प्रमाण-पत्र देती है तो पहले से ओबीसी में शामिल कुणबी मराठा समुदाय विरोध में उठ खड़ा होने को तैयार है। ओबीसी नहीं चाहते कि मराठों को उनके आरक्षण कोटे में हिस्सेदारी दी जाए। ध्यान रहे कि इस देश में जातिवादी राजनीति का आरक्षण एक ब्रह्मास्त्र है क्योंकि यदि आरक्षण को हटा दिया जाए तो जातिवादी राजनीति महज एक जाति आधारित वोटों की गोलबंदी या फिर समाज सुधार के सात्विक आग्रह रूप में शेष रहती है। भारतीय समाज और खासकर हिंदुओं में सामाजिक न्याय के तहत संविधान में दलित व आदिवासियों के लिए जिस आरक्षण का प्रावधान किया गया था, उसने अब मानों यू टर्न ले लिया है। पहले माना जाता था कि जाति व्यवस्था के कारण विकास की दौड़ में पीछे रही जातियों और समुदायों को सरकारी नौकरियों, शैक्षणिक संस्थानों व राजनीतिक आरक्षण देकर उन्हें प्रगत समुदायों के समकक्ष लाया जा सकता है और सामाजिक समता का एक लेवल कायम किया जा सकता है।दरअसल, वोटों की राजनीति ने सामाजिक समता के इस काल्पनिक माडल को जल्द ही सरकारी रेवड़ी और राजनीतिक प्रभुत्व की चाह में तब्दील कर दिया, इसीलिए समाज की मध्यम जातियों ने पहले ओबीसी के तहत आरक्षण मांगा और मिला। अब वो जातियां भी खुद को पिछड़ा कहलवाना चाह रही हैं जो सत्तर साल पहले आरक्षण को राजनीतिक दान समझ कर हिकारत के भाव से देखती थीं।

अब विडंबना है कि आज महाराष्ट्र में मराठा, गुजरात में पाटीदार, राजस्थान में गुर्जर और हरियाणा में जाट आरक्षण की मांग इसी संवैधानिक जातीय अवनयन में अपने सामाजिक उन्नयन की राह बूझ रही हैं।आरक्षण का लालीपाप अब उन जातियों को भी तीव्रता से आकर्षित कर रहा है, जो सदियो से समाज में श्रेष्ठताभाव में जीने की आदी रही हैं यानी अब यदि उन्हें भी आरक्षण मिले तो वो किसी भी जाति के नाम का आवरण ओढ़ने के लिए तैयार हैं। इसका अर्थ इन जातियों में सामाजिक समता को लेकर कोई बुनियादी मानसिक बदलाव का होना नहीं है, केवल आर्थिक बेहतरी और राजनीतिक सत्ता पाने की तात्कालिक स्वार्थसिद्धी ज्यादा है।

निमाड़ मालवा की एसटी सीटों पर रोचक मुकाबले होंगे

नरेंद्र तिवारी

देश में सत्रहवीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जून 2024 को समाप्त होने वाला है। 18 वीं लोकसभा के गठन को लेकर अब कभी भी चुनाव आयोग तारीखों की घोषणा कर सकता है। राजनैतिक दलों ने भी लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर अपनी रणनीतियों को मूर्त रूप देना शुरू कर दिया है। इसी तारतम्य में 11 फरवरी को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आदिवासी बाहुल्य झाबुआ क्षेत्र का दौरा किया। झाबुआ से प्रधानमंत्री ने रतलाम, धार और खरगोन लोकसभा क्षेत्र के आदिवासी समुदाय को रिझाने का प्रयास किया। उन्होंने 7550 करोड़ रूपये की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। जनजातीय सम्मेलन में आदिवासी संस्कृति के प्रतीकों और नायकों का जिक्र किया आदिवासी संस्कृति से जुड़े पर्व भगोरिया की शुभकामनाएं भी प्रेषित की। अब राहुल गांधी की भारत जोड़ों न्याय यात्रा भी आदिवासी बाहुल्य रतलाम और धार लोकसभा को कवर करतें हुए आगे बढ़ेगी। कांग्रेस को भी निमाड़ मालवा की इन तीन अनुसूचित जनजाति आरक्षित सीटों से बहुत आशाएं हैं। चुनाव के निकट आते ही दोनो प्रमुख राजनीतिक दल भाजपा–कांग्रेस इन सीटों को अपने पक्ष में करने हेतु अधिक प्रयास में जुटेंगे। एमपी की इन आदिवासी सीटों पर भाजपा–कांग्रेस की पैनी नजर है। एमपी में अनुसूचित जनजाति आरक्षित सीटों में बैतूल, धार, खरगोन, मंडला, रतलाम और शहडोल शामिल है। इनमें निमाड़ मालवा क्षेत्र की तीन अनुसूचित जनजाति वर्ग हेतु आरक्षित सीटों में खरगोन, रतलाम और धार लोकसभा भौगोलिक रूप से एक दूसरे से सटी हुई लोकसभाएं है। इन तीन लोकसभा सीटों में बारेला, भिलाला, भील समुदाय की बहुतायत है। यह समुदाय खेती और श्रम पर निर्भर है। इन तीनो लोकसभा क्षेत्रों में पलायन एक बड़ी समस्या बन चुकी है। बड़ी संख्या में श्रमिक मजदूरी की तलाश में महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान सहित अन्यत्र राज्यो में जातें है। पलायन का यह सिलसिला बरसो से जारी है। इन तीनो लोकसभा क्षेत्रों में ग्रामीण समुदाय का पलायन रोक पाने में प्रदेश और केंद्र सरकार अब तक असफल साबित हुई है। पलायन यहां बड़ा चुनावी मुद्दा है,जो युवा मतदाताओं को आंदोलित भी करता है। भौगोलिक रूप से एक दूसरे से सटी इन तीनो लोकसभा क्षेत्रों की दूसरी बड़ी समानता मां नर्मदा की कलकल बहती धाराएं है। जो खरगोन बड़वानी धार अलीराजपुर जिले से गुजरती हुए गुजरात में प्रवेश करती है। मां नर्मदा की कलकल बहती धाराओं ने इस क्षेत्र की भूमि को सिंचित भी किया है। नर्मदा किनारे स्थित खेत खलिहान हरे भरे दिखाई भी देते है। नर्मदा किनारे बड़ी औद्योगिक इकाइयां भी विकसित हुए जो क्षेत्र की उन्नति का कारक भी बनी है। मां नर्मदा की यह धाराएं क्षेत्र में उन्नति का प्रतीक जरूर बनी किंतु प्रकृति के विरुद्ध जाकर मां नर्मदा की प्रबल धाराओं को रोकने के लिए बने सरदार सरोवर बांध से बड़वानी, धार, अलीराजपुर के अनेकों गांवो डूब गए, अनेकों प्रभावित भी हुए। कई अब भी समस्याग्रस्त हैं। चिंतित है और आक्रोशित भी है। सरदार सरोवर बांध को लेकर सबके अलग–अलग विचार है। कुछ सरदार सरोवर बांध को समृद्धि का प्रतीक बताते है, तो कुछ प्रकृति के खिलाफ जाकर प्राकृतिक आपदाओं को आमंत्रित करने की मानवीय भूल निरूपित करते है। खैर सरदार सरोवर ने गुजरात के किसानों का जीवन जरूर बदल दिया है। उन्हें उन्नत खेती की ओर प्रोत्साहित किया। दूसरी ओर इन तीन लोकसभाओं के डूब प्रभावित अनेकों गांवो के परिवारों के हंसते–खेलते जीवन में पुनर्वास संबंधी परेशानी का कारण भी बना है। नर्मदा बचाओ आंदोलन के कार्यकर्ता ग्राम छोटी कसरावद निवासी राहुल यादव ने बताया अनेकों परिवार अब भी घर के लिए प्लाट और राशि से वंचित है। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह ने घर के लिए प्लाट और 5 लाख 80 हजार रु देने की घोषणा की थी।सुप्रीम कोर्ट के 5 एकड़ भूमि के बदले 60 लाख रु मुआवजा देने के आदेश से भी अनेकों डूब प्रभावित अब तक वंचित है। इनका आक्रोश अब भी सरकार के विरुद्ध सुनाई दिखाई देता है। समस्याग्रस्त डूब प्रभावित इन तीनो ही लोकसभा क्षेत्रों में मौजूद है। इन तीनों लोकसभा सभा क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं में बेरोजगारी प्रमुख है। ग्रामीण अंचलों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव भी मतदाताओं की खिन्नता का कारण बना हुआ है। विधानसभा के नतीजे इस बात को साबित भी कर चुके है। ग्रामीण अंचलों में सुविधायुक्त अस्पतालों का अभाव, यातायात के साधनों की कमी भी है। सड़कें जरूर बनी पर बसों का उचित संचालन नहीं हो पाने के कारण आदिवासी अंचल के ग्रामीण खटारा संचालित बसों और निजी वाहनों में जानवरों की तरह सफर करने को मजबूर है। राशन की कालाबाजारी के यहां आए दिनों किस्से अखबारों की सुर्खियां बनते है। इंदौर मनमाड रेल लाइन को लेकर संघर्ष समिति बरसो से संघर्षरत है। किंतु केंद्र सरकार ने मनमाड इन्दौर रेल लाइन को लेकर अब तक ढुलमूल रवैया इख्तियार किया हुआ है। इन लोकसभा क्षेत्रों के शहर जरूर विकसित हुए है, किंतु गांव अब भी विकास की धारा से दूर दिखाई देते है। इन तीनो लोकसभा क्षेत्रों में अमूमन अधिकाश आदिवासी बाहुल्य लोकसभा सीटों में वर्ष 2024 के आमचुनाव में तगड़ा मुकाबला होने के आसार दिखाई दे रहे है। मध्यप्रदेश की 29 लोकसभा सीटों में अनुसूचित जनजाति वर्ग हेतु आरक्षित छह सीटें है। फिलहाल ये छह की छह सीटें भाजपा के कब्जे में है। इंदौर संभाग अंतर्गत आने वाली तीन प्रमुख लोकसभा सीटों की वर्तमान स्थिति का अवलोकन करने पर प्रतीत होता है की निमाड़ क्षेत्र की खरगोन–बड़वानी लोकसभा क्षेत्र से वर्तमान लोकसभा सदस्य गजेंद्र उमराव पटेल है। इस लोकसभा क्षेत्र में 8 विधानसभा क्षेत्र शामिल है। खरगोन और बड़वानी जिले की इन सीटों पर 5 सीट कांग्रेस तो 3 सीट पर भाजपा उम्मीदवारों ने विजय श्री हासिल की है। जबकि 2018 के विधानसभा चुनाव में 6 सीट कांग्रेस एक कांग्रेस समर्थित निर्दलीय और मात्र एक सीट भाजपा के पास थी। इन परिणामों के बावजूद मोदी लहर पर सवार मतदाताओं ने भाजपा के गजेंद्र सिंह पटेल को कांग्रेस उम्मीदवार डा गोविंद मुजाल्दे के मुकाबले विजय का आशीष दिया था। इस लोकसभा में पिछले दो चुनावों में जीते हुए उम्मीदवार के टिकट काटे गए है। इस बार भी नए चेहरे की संभावना व्यक्त की जा रहीं है। किंतु सच्चाई यह भी है की गजेंद्र पटेल की पहिचान सक्रिय लोकसभा सदस्यों के रूप में की जाती है। उन्होंने अपने कार्यकाल में सक्रियता बनाए रखी। उन्हें भाजपा हाईकमान ने कई बड़ी जवाबदारी भी सौंपी जिसे उन्होंने कुशलता से निभाया। इस लिहाज से यह कहना की नए चेहरे पर भाजपा दांव लगाएगी फिलहाल उचित प्रतीत नहीं होगा। खरगोन–बड़वानी सीट पर भाजपा से दावेदारों के रूप में युवा नेत्री अमृता सोलंकी का नाम अचानक चर्चा में आया है। अंजना पटेल का नाम भी चर्चाओं में शुमार है।

माफ़ी वीर केजरीवाल का माफीनामा

राज सक्सेना

माफ़ीवीर केजरीवाल ने एक बार फिर माननीय सर्वोच्च न्यायालय में माफ़ी की गुहार लगाकर फिर सिद्ध कर दिया है कि वे आदतन अपराधी हैं और जानबूझ कर कानून को तोड़ने मरोड़ने के लिए इस तरह के अपराध समझ बूझ के साथ करते हैं। अगर इस बार भी इन्हें माफ़ी दे दी गयी तो निश्चित रूप से इनका हौसला और अधिक बढ़ जाएगा और आदतन कानून को ठेंगा दिखाने की इनकी प्रवृति को और अधिक बल मिलेगा। इस बार फिर कोर्ट का लचीला रुख देख कर लगता है कि कोर्ट इन्हें फिर 'सुधरने के मौके' का लाभ देगा जिसके चलते इनका हौसला आसमान छूने लगेगा और अभी तक विधानसभा में कुछ भी कहने की छूट का भरपूर लाभ उठाने वाले केजरीवाल सडकों पर अनर्गल प्रलाप करने लगेंगे और लोगों की मानहानि कर उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित करते रहेंगे। इस प्रकरण में केजरीवाल ने विवादित ध्रुव राठी के ट्वीट को रिट्वीट करने के प्रति सुप्रीम कोर्ट में माफ़ी मांगते हुए कहा है कि उनसे रिट्वीट करके गलती हुई है। इस पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने शिकायतकर्ता विकास सांस्कृत्यान के वकील से पूछा कि क्या वो मुख्यमंत्री के माफ़ी मांगने और गलती मान लेने से केस बंद करने को सहमत हैं। विकास के वकील ने कहा कि वे इस विषय में अपने क्लाइंट से पूछ कर ही कुछ कह सकते हैं। केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी तड़प रहे थे और आगामी चुनाव को देख कर ट्रायल पर रोक में जल्दी कर रहे थे। अदालत ने ट्रायल कोर्ट को 11 मार्च तक कोई कार्रवाई करने से मना कर दिया। अब सवाल यह उठता है कि केजरीवाल ने दिल्ली हाई कोर्ट के 5 फरवरी के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी क्योंकि हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के समन को ख़ारिज करने से मना कर दिया था। स्मरणीय है कि जो माफ़ी केजरीवाल सुप्रीम कोर्ट से मांग रहे हैं वह क्या वे दिल्ली हाई कोर्ट में नहीं मांग सकते थे। लेकिन वहां तो उन्होंने केस की पैरवी करते हुए ट्रायल कोर्ट पर दोषारोपण किया था कि ट्रायल कोर्ट ने गलती की है। फिर, यदि माफ़ी मांगनी ही थी तो केजरीवाल को विकास सांस्कृत्यान से मांगनी चाहिए थी। सुप्रीम कोर्ट से माफ़ी मांगने का कोई औचित्य ही नहीं है? और सुप्रीम कोर्ट को शिकायतकर्ता से सवाल करने की बजाय केजरीवाल से पूछना चाहिए था कि यह माफ़ी उसने शिकायतकर्ता से क्यों नहीं मांगी? तथा यह माफीनामा उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट में दाखिल क्यों नहीं किया। उनका यह कृत्य स्पष्ट करता है कि केजरीवाल की गर्दन जब फंसने लगती है तब ही वे माफ़ी मांगने का नाटक करते हैं। ऐसी माफ़ी यह पहले स्वर्गीय अरुण जेटली, नितिन गडकरी, कपिल सिब्बल, अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया और भाजपा नेता अवतार सिंह भड़ाना से भी मांग कर अपने विरुद्ध आपराधिक मानहानि केस वापस करवा चुके है लेकिन फिर भी नहीं सुधरते। अब किसी को इसमें कोई शक नहीं रह गया है कि वे आदतन एक शातिर अपराधी हैं और अपने या अपराध में अपने साथ संलिप्त साथियों के विरुद्ध कोई साक्ष्य नहीं छोड़ते। यहाँ तक कि मोबाइलों की सैकड़ों सिमों तक को नष्ट कर देना उनकी शातिर अपराधी मानसिकता का परिचायक है। एक चतुर अपराधी की तरह वे अपने या अपने साथी अपराधियों के प्रति उपलब्ध हो सकने वाले साक्ष्यों पर 'झाडू' फेरते चलते हैं ताकि उनके अपराधों की सडक साफ़ सुथरी दिखायी दे। इसका एक सबसे ताजा उदाहरण के रूप में पुरानी शराब नीति बदल कर, शातिराना नयी शराब नीति को लिया जा सकता है जिसमें उपमुख्यमंत्री सिसौदिया एक वर्ष से और संजय सिंह कई महीने से जेल में हैं और स्वयं केजरीवाल जेल जाने से बचते घूम रहे हैं। इस प्रकरण में खुले साक्ष्य हैं कि भ्रष्टाचार हुआ है मगर केजरीवाल और उनके साथी बड़ी दीदा दिलेरी से कहते घूम रहे हैं कि हमारे पास से एक पैसा बरामद नहीं हुआ तो भ्रष्टाचार कहाँ से हो गया। नयी शराब नीति से पहले 750 एमएल शराब की एक बोतल की थोक कीमत 166.73, इस पर एक्साइज ड्यूटी 223.88, इस पर वैट 106.00, निर्धारित रिटेलर कमिशन 33.39 इस प्रकार कुल एमआरपी 530.00 निर्धारित थी। नई शराब नीति जो मार्च 2022 से लागू की गयी के अनुसार-750 एमएल एक बोतल की थोक कीमत 188.41, एक्साइज ड्यूटी 01.88, वैट 1% 01.90 और रिटेलर मार्जिन 363.27 के साथ अतिरिक्त एक्साइज 04.54 निर्धारित करते हुए, एमआरपी 560.00 पर बेचा गया। इस प्रकार पुरानी शराब नीति में एक बोतल पर दिल्ली सरकार की कमाई 329.89 थी जो नई शराब नीति में मात्र 8.32 रह गयी यानी नई नीति से प्रति बोतल 321.57 का सरकार को घाटा हुआ।

अंतरिक्ष से संचार क्रांति लाने का संदेश दे रहा इसरो

सुनील कुमार महला

वर्ष 2023 भारत के लिए अंतरिक्ष में सफलता प्राप्त करने के उद्देश्य के रूप में बहुत ही महत्वपूर्ण रहा। यह बात सभी को विदित ही है कि 14 जुलाई 2023 को चंद्रयान-3 ने श्रीहरिकोटा में अवस्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरी थी और भारतीय अंतरिक्ष यान ने 5 अगस्त 2023 को चंद्र कक्षा में निर्बाध रूप से प्रवेश किया। जब लैंडर ने 23 अगस्त 2023 को चंद्र दक्षिणी ध्रुव के निकट एक सफल लैंडिंग की तो यह भारत के लिए एक बहुत ही बड़ा व ऐतिहासिक कदम था। उल्लेखनीय है कि चंद्रयान-3 की चन्द्रमा की सतह पर सुरक्षित लैंडिंग के बाद इसरो द्वारा आदित्य-एल 1 सूर्य मिशन की लॉन्चिंग दुनियाभर में चर्चा का विषय रहे थे।इसी क्रम में अब भारत सरकार ने हाल ही में गगनयान मिशन के तहत अंतरिक्ष में भारत की पहली उड़ान के लिए चयनित एयरफोर्स के चार पायलटों के नाम भी बताए हैं। इनमें क्रमशः ग्रुप कैप्टन प्रशांत नायर, ग्रुप कैप्टन अजीत कृष्णन, ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप और विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला शामिल हैं, जिनके नाम स्वयं देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 27 फरवरी 2024 को केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र का दौरा करने एवं गगनयान मिशन की तैयारियों की समीक्षा करने के बाद जारी किए हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह कहा कि, 'ये चार नाम या चार इंसान नहीं हैं। 140 करोड़ आकांक्षाओं को अंतरिक्ष में ले जाने वाली शक्तियां हैं। 40 साल के बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में जाने वाला है। इस बार टाइम भी हमारा है, काउंटडाउन भी हमारा है और रॉकेट भी हमारा है।' बहरहाल, जानकारी देना चाहूंगा कि गगनयान भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का एक मिशन है और इस मिशन के तहत तीन अंतरिक्ष मिशनों को कक्षा में भेजा जाएगा।

इन तीन मिशनों में से 2 मानवरहित होंगे, जबकि एक मानव युक्त मिशन होगा। यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि अक्तूबर 2023 में अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने गगनयान के पहले टेस्ट व्हीकल एबॉर्ट मिशन-1 (टीवी-डी1) को भी लॉन्च किया था और वर्तमान में इसरो की नजर गगनयान मिशन पर है जिसके तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में ले जाया जाएगा। सच तो यह है कि गगनयान मिशन को कई चरणों के जरिए सफलता के अंजाम तक पहुंचाया जाएगा। दरअसल, गगनयान में क्रू एस्केप सिस्टम (सीईएस) सबसे खास है। इसरो के अनुसार, फ्लाइट टेस्ट व्हीकल अबॉर्ट मिशन1 में किसी अनहोनी की दशा में अंतरिक्ष यात्रियों को बचाने में यह क्रू-एस्केप प्रणाली काम आएगी। उड़ान भरते समय अगर मिशन में कोई भी गड़बड़ी हुई तो यह प्रणाली क्रू मॉड्यूल के साथ यान से अलग हो जाएगी, कुछ समय उड़ेगी और श्रीहरिकोटा से 10 किमी दूर समुद्र में उतरेगी। इसमें मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों को नौसेना की ओर से समुद्र से सुरक्षित वापस लाया जाएगा। इसके बाद दूसरा परीक्षण वाहन टीवी-डी2 मिशन और गगनयान (एलवीएम3-जी1) का पहला मानव रहित मिशन होगा। परीक्षण वाहन मिशन (टीवी-डी3 और डी4) की दूसरी श्रृंखला और रोबोटिक पेलोड के साथ एलवीएम3-जी2 मिशन की अगली योजना बनाई गई है।

खुद शिकारी शिकार हो गया

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

अखबार में कितना सच और कितना झूठ छपा है इसे जानने के लिए केवल पढ़ा-लिखा होना काफी नहीं होता। पढ़े-लिखे एक ही खबर को अलग-अलग समाचार पत्रों में अलग-अलग तरह से पढ़कर अपना माथा फोड़ते रहते हैं। पढ़ा-लिखा होना गर्व की बात है। उस गर्व का गुबार तो उस समय निकल जाता है जब छपी सामग्री समझ में न आने पर खुद की पढ़ाई पर लानत पैदा होती है। समाचार के पहले दो-तीन पन्ने झूठ छापने की होड़ में लगे रहते हैं। जो जितना झूठ छापता है वह उतना विज्ञापन पाता है। सच छापने वाले के दफ्तर ईडी, इनकम टैक्स वाले अपना छापा लिए पहुँच जाते हैं। अगले दिन से सच छापने वाला खुद को झूठा साबित करने के लिए सड़क पर आ जाता है। इसीलिए समझदार लोग क्लासीफाइफ पढ़ते हैं। वैसे ये भी झूठे होते हैं, लेकिन पहले तीन पन्नों की तुलना में बहुत बेहतर होते हैं। ऐसे झूठ से सेप्टिक नहीं होता। इसी क्लासीफाइड को पढ़ते हुए अचानक मेरी निगाह एक विवाह के विज्ञापन से जा टकराई। चट मंगनी पट ब्याह मैरेज ब्यूरो को दस हजार भरकर जैसे-तैसे लड़की का नंबर हासिल किया। मैरेज ब्यूरो वाले का हवाला देते हुए लड़की की पसंद-नापसंद के बारे में बात करते हुए उसे फोन पर हाय-हैलो किया। पता लगाने पर मालूम चला कि लड़की के पिता का देहांत हो गया है। यह सुनकर ऊपर से दुख और भीतर से खुशी हुई। बिन बाप की बेटी पर डोरे डालना आसान होता है। माँ नौकरी करती थी। कामकाज करना किसी के लिए परिवार चलाने का कारण होता है तो कुछ के लिए उनके पीठ पीछे गुलछर्रे उड़ाने का बहाना।

पता नहीं ऐसी स्थिति में कुछ लोग इंसान से साँप कब बन जाते हैं। चिड़िया की माँ उधर दाने की खोज में निकली इधर साँप चिड़िया की ओर। खाली हाथ किसी के घर जाना बुरी बात है। अपने मतलब की चीज़ उसके मतलब की बताकर मिलना तो और बुरी बात है। वह क्या है न कि कुछ बुरा करने के लिए भी पहले पहल कुछ अच्छा करना पड़ता है। मेरी खराब नियत 24 कैरेट सोने की तरह चमक रही थी। कई दिनों तक खुफियागिरी करते हुए माँ के घर पर आने-जाने का समय पता लगाया। पता चला चिड़िया की अम्मा अल सुबह निकलती है और देर राती है। प्राइवेट नौकरी जो करती है। प्राइवेट नौकरी में काम कम करवाया जाता है, खून ज्यादा चूसा जाता है। माँ के बहाने लड़की से मिलना काला सच होता है। लड़की समझदार हो तो मतलबियों की चाल-ढाल से ही उसके सियारपन को भांप लेती है। वह समझदार थी।

भांप गयी। लेकिन झूठ के आगे किसका बस चलता है। मैंने झूठ का पुलिंदा खड़ा कर दिया। मैरेज ब्यूरो को फोन लगाकर लड़की को फोन थमा दिया। ब्यूरो का भी कोई चरित्र होता है भला।

बहुत शुभ माना जाता है

फाल्गुन महीना

धार्मिक दृष्टिकोण से फाल्गुन का महीना बहुत ही शुभ माना जाता है। इस माह में शिव जी, भगवान श्री कृष्ण और चंद्र देव की उपासना की जाती है। वहीं शास्त्रों में कुछ ऐसे कार्यों का वर्णन है, जिन्हें भूलकर भी फाल्गुन माह में नहीं करना चाहिए, वरना जीवन में कष्ट झेलने पड़ते हैं।

फाल्गुन मास की शुरुआत 25 फरवरी 2024, रविवार से हो चुकी है। इस माह का समापन 25 मार्च 2024 को होगा। ये साल का आखिरी महीना होता है। फाल्गुन के महीने को ऊर्जा और यौवन का महीना माना जाता है। कहा जाता है कि इस महीने में वातावरण खुशनुमा हो जाता है और हर जगह नई उमंग छा जाती है। धार्मिक दृष्टिकोण से भी फाल्गुन का महीना बहुत ही शुभ माना जाता है। इस माह में शिव जी, भगवान श्री कृष्ण और चंद्र देव की उपासना की जाती है। साथ ही इस महीने होली, महाशिवरात्रि आदि प्रमुख व्रत-त्योहार मनाए भी जाते हैं। वहीं शास्त्रों में कुछ ऐसे कार्यों का वर्णन है, जिन्हें भूलकर भी फाल्गुन माह में नहीं करना चाहिए, वरना जीवन में कष्ट झेलने पड़ते हैं। चलिए जानते फाल्गुन माह में क्या करें और क्या न करें...

फाल्गुन माह में क्या करें

फाल्गुन महीने में भगवान कृष्ण की पूजा करना शुभ माना जाता है। इस माह में रंग, अबीर, गुलाल से कान्हा की पूजा करें। इससे चिड़चिड़ापन नहीं रहता है और क्रोध पर काबू पाने की शक्ति मिलती है। साथ ही श्रीकृष्ण की कृपा से मनचाहा जीवनसाथी मिलता है।

यदि आपके वैवाहिक जीवन में प्यार खत्म हो गया है और पति-पत्नी के बीच सामंजस नहीं रहता है तो फाल्गुन के महीने में श्रीकृष्ण को मोरपंख अर्पित करें। इससे लाभ मिलता है।

ऐसा माना जाता है कि फाल्गुन माह में चंद्र देव का जन्म हुआ था, इसलिए इस माह चंद्रमा की पूजा करें और चंद्र संबंधी चीजें जैसे मोती, दूध, दही, चावल, चीनी का दान करें। इससे चंद्र दोष दूर होता है और मानसिक शांति मिलती है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार आर्थिक लाभ पाने के लिए फाल्गुन के महीने में सुगंधित परफ्यूम का इस्तेमाल करें, चंदन का इत्र या रंग-बिरंगे फूल अपने आसपास रखें। इससे शुक्र देव प्रसन्न होते हैं और धन लाभ मिलता है।

फाल्गुन माह में क्या न करें

पूरे फाल्गुन माह में मांस-मछली या नशीली चीजों का सेवन बिल्कुल न करें।

साथ ही मांस-मदिरा का त्याग करें।

इस माह मन में बुरे विचार न लाएं और दूसरों का अहित न करें।

फाल्गुन माह में क्रोध से बचें।

संगीत– न वाद्य की न ही बिजली की जरूरत

मंदिर में चढ़ा आए दो फूल, जला आए एक दीप, कि उतार आए आरती, कि करवा ली घर में सत्यनारायण की कथा, कि मरते वक्त हरि-राम, हरि-राम जपते रहे, या खुद न बना जपते तो किसी पंडित-पुजारी को बिठा कर जपवाते रहे हरि-राम, हरि-राम, इससे नहीं होगा! रहीम इस प्रेम की बात नहीं कर रहे हैं। वे तो प्रेम के उस पंथ की बात कर रहे हैं जो परमात्मा से मिला देता है। वह तो अति कठिन है, कठिन से कठिन है। गौरीशंकरों पर चढ़ जाना आसान, चांदतारों पर पहुंच जाना आसान, प्रेममय हो जाना सर्वाधिक कठिन है।

मैं तो रहीम से राजी हूं, तुम्हारे साधु-संतों से नहीं। तुम्हारे साधु-संत तो तुम्हें खिलौने दे रहे हैं, घुनघुने दे रहे हैं।मैंने सुना है, एक आदमी ने विज्ञापन पढ़ा। विज्ञापन बड़ा प्रीतिकर था, जैसे कि विज्ञापन होते हैं। जरा विज्ञापनों को गौर से देखा करो! वे तुम्हारी मनोदशा की खबर देते हैं। केडिलक कार का विज्ञापन होता है, तो विज्ञापन में लिखा होता है: समथिंग टु बिलीव इन! कार, उसका विज्ञापनः समथिंग टु बिलीव इन! कुछ जिस पर भरोसा किया जा सके, विश्वास किया जा सके, जिस पर श्रद्धा की जा सके! सोचो, किन लोगों के लिए यह विज्ञापन दिया जा रहा है?

ईश्वर पर श्रद्धा हट गई है, जीवन से श्रद्धा हट गई है, प्रेम से श्रद्धा हट गई है, सारी बहुमूल्य श्रद्धाएं समाप्त हो गईं। अब केडिलक कार पर श्रद्धा करनी पड़ेगी। अब कुछ तो चाहिए, श्रद्धा करने को कुछ तो चाहिए। श्रद्धा खाली रह गई है। तो लोग कारों में भरोसा कर रहे हैं, कारों में श्रद्धा कर रहे हैं। या कोकाकोला का विज्ञापन पढ़ोः एवरीथिंग गोज वेल विद कोकाकोला। तो अगर पत्नी से झगड़ा है, कोकाकोला लाओ! अगर घर में वैमनस्य है, तो रेफ्रिजरेटर में कोकाकोला की बोतलें भर कर रखो! हर चीज बड़े रंग से चलती है, मौज से चलती है–बस कोकाकोला संग में हो, सब ठीक होता है। लोग कर रहे हैं इस तरह के अभ्यास। अब और तो कोई उपाय नहीं रहा। बाइबिलें धोखा दे गईं, गीताएं काम नहीं पड़ीं, अब कोकाकोला पर भरोसा करो! कुछ तो चाहिए!

तुम्हारे विज्ञापन तुम्हारे ही संबंध में खबर देते हैं। एक आदमी ने पढ़ा कि एक नया आविष्कार हुआ है, एक ऐसे संगीत-वाद्य का कि न बिजली की जरूरत, न बैटरी की जरूरत; जंगल में ले जाओ, कहीं भी जाओ–संगीत सुनो! तत्क्षण उसने मनीआर्डर किया। पच्चीस रुपये। सस्ता भी था, महंगा भी नहीं था–ऐसा संगीत-वाद्य।

सीखने की कोई जरूरत नहीं, यह भी उसमें। किसी स्कूल में नहीं जाना, सीखना नहीं, बैटरी नहीं, बिजली नहीं–कहीं भी, जंगल में बैठो! बड़ी सुंदर पार्सल आई। बड़ी उत्सुकता से, आतुरता से खोली, सारा घर इकट्ठा हो गया, निकला एक घुनघुना! जहां जाओ, वहीं बजाओ। सीखने की कोई जरूरत नहीं। न बैटरी की, न बिजली की जरूरत।

तुम्हारी भक्ति घुनघुनों जैसी है, खेल-खिलौनों जैसी है। और साधु-संत कह रहे हैं कि भक्ति का मार्ग बड़ा सरल, बड़ा सुगम। और तुम्हें जंचती है बात। जंचती है, क्योंकि तुम चाहते हो कि कोई सुगम बात हो, घुनघुने जैसी बात हो; न सीखनी पड़े, न बिजली की जरूरत, न बैटरी की जरूरत; न तपना पड़े, न गलना पड़े, न जीवन को समर्पित करना पड़े, कुछ भी न करना पड़े। एक गोबर के बना कर गणेश जी बिठाल लिए।

चलो गौ-गोबर ही सही! पवित्र गोबर के बना लिए! चढ़ा दी फूल की माला, हाथ जोड़ कर बैठ गए, झूठे आंसू बहाने लगे, गणपति की प्रार्थना करने लगे– और तुमने सोचा हो गया सब, भक्ति हो गई। तुम्हें भी लगेगा कि साधु-संत ठीक ही कह रहे हैं, मामला बिलकुल सरल है, अड़चन क्या है इसमें?

लेकिन यह भक्ति ही नहीं है। तुमने जो चाहा, साधु-संतों ने तुम्हें दे दिया।**(क्रमशः)**

सम्राट ब्रूस और मकड़ी की कहानी देगी आपको लगातार मेहनत करने की सीख

स्काटलैंड का सम्राट ब्रूस अभी गद्दी पर बैठ भी नहीं पाया था कि दुश्मनों ने आक्रमण कर दिया। बड़ी मुश्किल से संभल पाया था कि दोबारा फिर हमला कर दिया गया।

इस बार कई राजाओं ने हमला कर दिया, तो ब्रूस की राजगद्दी भी छिन गई। लगातार चौदह बार की असफलताओं के कारण उसके सैनिक भी कहने लगे कि ब्रूस के भाग्य में सब कुछ है, पर विजय नहीं, उन्होंने साथ छोड़ दिया।

निराश ब्रूस एक पहाड़ी पर बैठा था। एक मकड़ी हवा में उड़कर एक-दूसरे पेड़ की टहनी से जोड़कर जाला बुनना चाहती, पर जाला हर बार टूट जाता। मकड़ी ने 20 बार प्रयत्न किया फिर भी हिम्मत न हारी।

एक बार फिर सारी शक्ति लगाकर चढ़ाई की और न केवल अपना राज्य वापस कर लिया बल्कि सभी दुश्मनों को परास्त करता हुआ सबका सम्राट बन गया।

सच ही कहा गया है कि बार-बार प्रयत्न करने से ही कार्य सिद्ध होते हैं। सोते हुए शेर के मुंह में जानवर स्वयं नहीं प्रवेश कर जाते बल्कि वह शिकार करके उन्हें हासिल करता है। अतः निरंतर प्रयासरत रहें।

वास्तु के अनुसार जानें, घर में क्यों रखना चाहिए एक खाली गमला ?

घर में अगर वास्तु दोष का सामना करना पड़ रहा है तो इसका सबसे सरल उपाय है घर में पौधें। वास्तु के अनुसार पेड़-पौधे लगाने से वास्तु से जुड़ी परेशानियों से निजात मिलता है। पौधे के गमले को अगर सही दिशा में रखा जाए तो बहुत ही फायदा देखने को मिलता है। इसके अलावा बता दें कि मान्यताओं के अनुसार घर में खाली गमले को रखने की मनाही होती है। लेकिन वास्तु शास्त्र में एक ऐसी जगह बताई जिस जगह पर अगर खाली गमले को रख लिया जाए तो बहुत ही शुभ फल मिलते हैं। तो चलिए जानते हैं घर में खाली गमले को किस जगह पर रखना चाहिए।

घर में खाली गमला कहां रखना चाहिए ?

कई बार जगह न होने की वजह से या अनजाने में हम कुछ वास्तु नियमों को फॉलो नहीं कर पाते हैं जैसे कि दक्षिण दिशा में जो कमरा नहीं होना चाहिए वो वही पर है। ऐसे में इससे जुड़े वास्तु दोष से बचने के लिए एक खाली गमला घर की दक्षिण दिशा में रख दें। ऐसा करने से जाने-अनजाने में हुई गलतियों का भुगतान हो जाता है।

अगर आपको ऐसा लगता है आपके घर का परिवार को किसी की बुरी नजर लग गई है या फिर आपके घर में नकारात्मकता का वास है। इससे बचने के लिए घर में एक खाली गमला अवश्य रखना चाहिए। मान्यताओं के अनुसार खाली गमला घर की विपदाओं को काटता है और बुरी नजर से बचाता है।

खाली गमला रखना क्यों होता है शुभ

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में खाली गमला रखना बेहद ही शुभ माना जाता है। दक्षिण दिशा में इसे रखने से राहु के बुरे प्रभाव से मुक्ति मिलती है। इसके अलावा घर में अगर किसी तरह दोष है तो उससे भी छुटकारा मिलता है। दक्षिण दिशा में खाली गमला रखने से यम का प्रभाव भी नहीं पड़ता है। कुछ मान्यताओं के अनुसार ऐसा करने से अकाल मृत्यु जैसे योग नहीं बनते हैं और तरक्की के रास्ते अपने आप खुल जाते हैं। इसका एक लाभ ये भी है कि अगर आप घर में ऐसा गमला रखते हैं तो आने वाला संकट अपने आप ही कट जाता है। अगर घर में रखा हुआ गमला टूट या खराब हो गया है तो तुरंत ही इसे हटा देना चाहिए और उस जगह पर तुरंत नया गमला रख दें।

जादू–टोने और काली शक्तियों के असर को बेअसर करता है यह पौधा

हिन्दू धार्मिक शास्त्रों में कई ऐसे पेड़-पौधों का जिक्र है जो न सिर्फ मनुष्य जीवन को आसान बनाते हैं बल्कि भविष्य में आने वाली बहुत सी परेशानियों से भी बचाते हैं। जिनमें आक ऐसा ही एक पौधा है, जिसकी सहायता से हिन्दू धार्मिक शास्त्रों में कई ऐसे पेड़-पौधों का जिक्र है जो न सिर्फ मनुष्य जीवन को आसान बनाते हैं बल्कि भविष्य में आने वाली बहुत सी परेशानियों से भी बचाते हैं। जिनमें आक ऐसा ही एक पौधा है, जिसकी सहायता से आप अपने घर और जीवन में आने वाली परेशानियों से मुक्ति पा सकते हैं। सफेद आक को मंदार, आक, अर्क और अकौआ भी कहते हैं। ज्योतिष के अनुसार इसे गणपति का पौधा माना जाता है। वास्तु के अनुसार जिस घर में ये पौधा फलता-फूलता है, वहां हमेशा बरकत बनी रहती है। जिस घर में ये पौधा लगा होता है, उस घर पर को बुरी नजर नहीं लगती और वो काली शक्तियों से भी मुक्त रहता है। साथ ही उस घर में रहने वाले लोगों पर किसी जादू-टोने का असर नहीं होता है। इसके अलावा भगवान शिव को आक के फूल

चढ़ाने से वो प्रसन्न होते हैं, जानें आक के

पौधे के चमत्कारी उपाय–

पहला उपाय है, जिनके पास पैसा नहीं टिकता व हमेशा रुपयों की तंगी बनी रहती हैं, उन्हें अपने घर के मुख्य दरवाजे पर आक की जड़ को काले कपड़े में लपेटकर लटकाना चाहिए। ऐसा करने से घर में नकारात्मक शक्तियां नहीं आएंगी। साथ ही घर की सुख-समृद्धि में भी वृद्धि होगी। शास्त्रों के अनुसार आक के पेड़ की पत्तियों को अगर घर के मुख्य द्वार के बाहर टांगा जाए तो ये उस घर और परिवार के सदस्यों को हर बुरी नजर से बचाती हैं। आक के वृक्ष पर उत्पन्न होने वाले सफेद पुष्प भगवान शिव को बहुत प्रिय हैं। भगवान शिव का पसंदीदा रंग सफेद है इसलिए उन्हें ये फूल ज्यादा भाते हैं।

अगर आपके बच्चे को बार-बार नजर लग जाती है तो इससे छुटकारा पाने के लिए सफेद आक की जड़ को गणपति जी के मंत्र 'ॐ गं गणपतये नमः' या 'ॐ श्री विघ्नेश्वराय नमः' से 108 बार जाप करते हुए अभिमन्त्रित करके बच्चे को गले में पहनाना चाहिए। इससे नजरदोष से बचाव होगा।

अगर आपके घर में किसी पर भूत-प्रेत की बाधा है तो उन्हें सफेद आक की जड़ बांधनी चाहिए। इसे धारण करने से पहले जड़ को बजरंगबली के चरणों में रखकर उनके किसी भी सिद्ध मंत्र से अभिमंत्रित कर लेना चाहिए। ऐसा करने से प्रेत बाधा आपको छू भी नहीं पाएगी।

इसके अलावा अगर आपके घर की बरकत रुक गई हो और सारे काम बिगड़ रहे हो तो सफेद आक की जड़ को गणेश जी के सामने रखें। इसकी पूजा के बाद अपनी तिजोरी में रख दें। इससे धन संबंधित समस्याएं दूर हो जाएंगी। आक का उपाय सेहत के लिए भी बहुत लाभकारी है। जिन लोगों को शारीरिक कमजोरी लगती है, उन्हें आक की जड़ का रस पीने से लाभ मिलता है।

आशीर्वाद मंदिर – भगवन द्वारा भक्त का मंदिर निर्माण

श्री बाबा गंगाराम के पावन धाम श्री पंचदेव मंदिर में भक्त-द्वय की साधना के मूर्तिमान स्वरुप नवनिर्मित "आशीर्वाद मंदिर" की स्थापना से ऐसा प्रतीत होता है, मानों पूरे परिसर में स्वर्ग ही उतर आया हो। सफ़ेद संगमरमर से निर्मित इस मंदिर का आकर्षण एवं कलात्मकता मन मोह लेती है।

शिव स्वरुप देवकीनंदन एवं शक्ति स्वरूपा देवी गायत्री की युगल प्रतिमा के दर्शन से भक्तगण उनका आशीर्वाद पाकर अपने जीवन को धन्य बनाते हैं। इस प्रकार श्री पंचदेव मंदिर और श्री आशीर्वाद मंदिर दोनों मिलकर एक ही परिसर में वैकुण्ठ और कैलाश का आभास कराते है।

यह मंदिर प्राचीन शिल्पकला के नागर शैली मे निर्मित हुआ है, इस मंदिर में लोहे या स्टील का प्रयोग नहीं किया गया है। केवल पत्थरों को पत्थरों के भार से जोड़कर आकार प्रदान किया जाता है। इसमे एक एक पत्थर को बारीकी से तराशकर बहुत ही खूबसूरत स्वरूप प्रदान किया गया है, जो देखते ही बनती है।

मंदिर मुख्य शिखर सहित पाँच गुंबदों से अलंकृत है, जो भक्तों के मन में एक दैविक आनंद की अनुभूति कराते हें। मध्य गुंबद की गोलाकार छत पर नृत्य- वादन करती हुई गन्धर्वों की मूर्तियाँ बोलती सी प्रतीत होती है। यहाँ से गर्भ- गृह के दर्शन होने लगते हें, जहां विराजित भक्त शिरोमणि श्रीदेवकीनंदन एवं शक्तिस्वरूपा देवी गायत्री के दिव्य श्रीविग्रह के वरद मुद्रा के दर्शन होते ही भक्त कृत्य- कृत्य हो उठते हें।

मंदिर परिक्रमा–पथ की दीवारों पर भक्त-द्वय के जीवन प्रसंगों को पत्थरों में उकेर कर बनाया गया है, जो सहज ही अपनी ओर आकर्षित करते हें। और दर्शक उन प्रेरणादायी प्रसंगों के गूढ रहस्यों में खो जाते हें।

मंदिर में पूर्ण स्तंभ (खंभे) और अर्ध स्तंभ सहित कुल 24 नक्काशीदार खंभे हें, जिन पर पौराणिक भक्तों और ऋषि-मुनियों की सुंदर मूर्तियाँ तराशी गई है। मंदिर का हर पत्थर बोलता सा प्रतीत होता है।

मंदिर की रज की महिमा

बाबा के धाम की पावन 'रज' की महिमा अपरम्पार है। बाबा के धाम की यात्रा करने वाले श्रद्धालू, श्री पंचदेव मंदिर एवं आशीर्वाद मंदिर में दर्शन कर वहां की पावन 'रज' को मस्तक से लगते हैं और आशीर्वाद स्वरुप अपने साथ घर ले जाते है। भक्तों के लिए ये अमूल्य प्रसाद बन गयी है। इसी रज में त्याग, तपस्या और भक्ति का तेज समाहित है।

इसी कारण इस रज को लगाने से एवं घर में छिड़कने से सभी कष्ट दूर होते है एवं सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है। बड़े से बड़े असाध्य रोगों का भी इससे निवारण होते देखा गया है। आशीर्वाद से भरी हुई इस रज को लगाने से कितने ही निःसंतानों की गोदियाँ भर गई। इसको प्रयोग में लेने से सात्विक वातावरण का निर्माण होता है और कष्टों से मुक्ति मिलती है।

बाबा गंगाराम की भक्ति से लोगों को भौतिक सुख तो प्राप्त होते ही हैं, साथ ही जीवन में सही दिशा भी प्राप्त होती है। इस प्रकार त्याग, तपस्या और भक्ति का साकार स्वरुप बाबा गंगाराम धाम आज लाखों भक्तों के विश्वास का केंद्र बिंदु बन गया है। भक्त शिरोमणि श्री देवकीनंदन और परम आराधिका माता गायत्री देवी की कठोर साधना युगों – युगों तक भक्तों को आध्यात्मिक शक्ति प्रदान करती रहेगी, मार्गदर्शन करती रहेगी।

बाबा की महिमा को शब्दों में लिखना संभव नहीं है। मंदिर में प्रतिवर्ष गंगादशहरा को 'पाटोत्सव पर्व', श्रावण शुक्ल दशमी को बाबा की जयंती एवं वैशाख कृष्ण चतुर्थी को 'आशीर्वाद दिवस' धूमधाम से समारोहपूर्वक मनाया जाता है। बाबा की कृपा पाने के लिए उनकी ओर श्रद्धा से सिर्फ एक कदम बढ़ाने की ज़रूरत हैं। बाबा की कृपा ने लाखों भक्तों का जीवन बदल दिया है। । घर-घर में उनकी कृपा बरस रही हैं और कलियुग के इस अवतार की सर्वत्र जय- जयकार हो रही है।**(समाप्त)**

इसलिए रूपहले पर्दे पर 'किस' नहीं करती शिल्पा शैट्टी

शिल्पा शैट्टी कुंद्रा बॉलीवुड की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक है। वह अपनी अभिनय प्रतिभा, आकर्षक डांस और फिटनैस जैसे कई कारणों से करोड़ों दिलों पर राज करने का कोई मौका नहीं छोड़ती। शिल्पा ने राज कुंद्रा से शादी की है और उसके दो प्यारे बच्चे वियान और समिशा हैं। हाल ही में वह रोहित शैट्टी की वैब सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' में नजर आई।

चुनती है बच्चों के देखने लायक फिल्में

शिल्पा ने हाल ही में कहा कि वह हमेशा ऐसी फिल्में चुनेगी, जिन्हें उसके बच्चे देख सकें।

उसने कहा, ओ.टी.टी. बहुत कुछ करने की अनुमति देता है क्योंकि यह एक ऐसा मंच है, जो बहुत उदार है। हालांकि, मेरे पेशेवर करियर में मेरी प्राथमिकता यह है कि मैं अभी चाहती हूं कि मेरे बच्चे वह कंटेंट देख सकें जिनमें मैं काम कर रही हूं। मैं उन कुछ कलाकारों में से एक हूं, जो स्क्रीन पर 'किस' करने के बारे में भी बहुत विचार करते हैं और मैंने ऐसा कभी नहीं किया है। मैं इस बारे में स्पष्ट हूं कि मैं क्या करने में सक्षम हूं। शिल्पा ने कहा कि उसने कुछ ग्लैमरस फिल्में कीं हैं लेकिन अब वह अब बदल गई है।

मैं खुद को फिर से खोज रही हूं

उसने कहा, जब मैं पूरी कला और शिल्प को समझने लगी, तो मैंने शादी करने और छुट्टियों पर जाने का फैसला किया, इससे पहले कि मैं अपनी आंतरिक प्रतिभा को पूरी तरह से खोज पाती। अब, मुझे लगता है कि मैं खुद को फिर से खोज रही हूं। बेहतरी के लिए इंसान बदल जाते हैं और मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ है। मुझे लगता है कि जब आप एक व्यक्ति के रूप में बदलते हैं, तो आप एक अभिनेता के रूप में भी बदलते हैं। यही कारण है कि मेरी पिछली फिल्म 'सुखी' में एक नई शिल्पा देखने को मिली। लोग कह रहे थे, 'वाह, वह इस तरह का काम कर सकती है' तो यह बहुत बड़ी तारीफ है कि 30 साल बाद भी मैं लोगों को आश्चर्यचकित करने में सक्षम हूं।

निर्माता बन उत्साह से भरीं कृति सेनन, बोलीं 'अच्छा मौका नहीं मिले, तो अपने लिए खुद बना लो'

एक्ट्रेस कृति सेनन फिल्म 'दो पत्ती' से प्रॉडक्शन के क्षेत्र में अपने कदम बढ़ा रही हैं। फिल्म प्रॉडक्शन के लिए जिस तरह उन्होंने क्रिएटिव काम किया, उससे वह काफी संतुष्ट हैं। कृति ही नहीं, इस फिल्म में काजोल भी अहम रोल अदा कर रही हैं। डायरेक्टर शशांक चतुर्वेदी की इस फिल्म की स्क्रिप्ट कनिका ढिल्लन ने लिखी है। कनिका भी इस फिल्म से एक प्रोड्यूसर के तौर पर डेब्यू कर रही हैं। गौरतलब है कि इसे जल्द ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया जाएगा।

'नेक्स्ट ऑन नेटफ्लिक्स' इवेंट में भाग लेते हुए कृति ने बताया कि वह चाहती थीं कि एक्टिंग से अलग कुछ ऐसी भूमिकाएं भी निभाएं, जिनमें उन्हें कुछ क्रिएटिव करने के लिए मिले। इसी वजह से एक प्रोड्यूसर के तौर पर उन्होंने इस फिल्म के साथ जुड़ना चाहा। उन्होंने बताया 'फिल्म 'मिमी' के बाद मुझे ऐसी भूमिकाएं चाहिए थीं जो बहुस्तरीय हों, गहन हों और उसमें मैं कुछ हटकर कर सकूं।'

इंतजार में विश्वास नहीं करतीं

कृति इस बात में विश्वास नहीं करती कि उन्हें समय मिलने पर सही मौका मिल जाएगा और न ही वह इसका लंबे समय तक इंतजार कर सकतीं। वह तो खुद में कुछ करने पर यकीन करती हैं। उन्होंने कहा कि जब आपको सही और अच्छा मौका न मिले, तो खुद से इसे बना दो। फिल्म 'दो पत्ती' ने उन्हें ऐसा ही कुछ अलग करने को मिला, जिसे करके वह काफी संतुष्ट भी हैं। कृति ने कनिका की भी प्रशंसा की और कहा कि वह फिल्म की प्लानिंग से लेकर प्राडॅक्शन तक हर स्टेज पर भागीदार बनीं।

कृति को उनकी फिल्म 'मिमी' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस के रूप में नैशनल फिल्म अवॉर्ड भी दिया जा चुका है। उन्हें बॉलीवुड इंडस्ट्री में काम करते हुए 9 साल से ज्यादा का समय बीत चुका है। फिल्म 'दो पत्ती' की शूटिंग खत्म होने के वक्त कृति ने एक खास मेसेज भी दिया था। उन्होंने कहा था, 'हर फिल्म में मेरे दिल का टुकड़ा होता है, लेकिन कुछ में मेरी आत्मा होती है।' अब प्रोड्यूसर के तौर पर उन्होंने पूरी मेहनत से काम किया है।

'एनिमल पार्क' से पहले ये फिल्म पूरी करेंगे संदीप रेड्डी वंगा

बीते साल अभिनेता रणबीर कपूर के साथ मेगा ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एनिमल' बनाने वाले निर्देशक संदीप रेड्डी वंगा ने अपनी अगली दोनों फिल्मों को लेकर तस्वीर साफ कर दी है। 'एनिमल' का सीक्वल 'एनिमल पार्क' बनाने से पहले वह प्रभास के साथ प्रस्तावित अपनी फिल्म पूरी करेंगे। और, इस फिल्म का विषय क्या होगा, इसके बारे में भी संदीप ने विस्तार से जानकारी दी है।

बीते साल की कामयाब फिल्मों में शुमार फिल्म 'सलार पार्ट वन सीजफायर' के अभिनेता प्रभास और फिल्म 'एनिमल' के निर्देशक संदीप रेड्डी वंगा की एक साथ बन रही फिल्म 'स्पिरिट' हॉरर फिल्म नहीं है। मुंबई में फिल्म 'दुकान' का ट्रेलर रिलीज करने आए संदीप ने साफ किया कि वह प्रभास के साथ जो उनकी फिल्म बन रही है, उसका इसके नाम के अनुरूप आत्माओं या भूत-प्रेतों से कोई लेना देना नहीं है।

संदीप ने इस मौके पर कहा, 'मेरी ये फिल्म एक पुलिस अधिकारी के जीवन पर आधारित है। ये फिल्म मेरी अब तक की सारी फिल्मों से बिल्कुल अलग है। इसमें मेरा अपनी खास शैली तो होगी लेकिन ऐसा कुछ नहीं होगा जो मेरे चाहने वालों ने मेरी किसी पहले की फिल्म में देखा होगा।'

अरसे से इस बात की भी चर्चा चलती रही है कि संदीप रेड्डी वंगा शायद 'एनिमल' की सफलता को देखते हुए पहले इसकी सीक्वल ही बनाएं। उन्होंने इस बारे में भी इस कार्यक्रम के दौरान स्थित स्पष्ट कर दी। एक सवाल के जवाब में संदीप ने कहा कि वह प्रभास के साथ फिल्म 'स्पिरिट' बनाने का वादा पहले ही कर चुके हैं और इसके मुताबिक वह पहले प्रभास की फिल्म पूरी करेंगे और इसके बाद रणबीर कपूर के साथ फिल्म 'एनिमल पार्क' पर काम शुरू करेंगे।

संदीप रेड्डी वंगा ने फिल्म 'एनिमल' बनाने वाली कंपनी टी सीरीज के साथ तीन फिल्मों का करार किया है और उनकी ये दोनों फिल्में इसी करार का हिस्सा होंगी। यहां ये भी गौरतलब है कि फिल्म 'एनिमल' दरअसल संदीप ने पहले इसके मूल निर्माता सिने वन स्टूडियोज के मालिक मुराद खेतानी के साथ शुरू की थी। मुराद ही इस फिल्म के लिए रणबीर कपूर को भी लाए थे, लेकिन फिल्म शुरू होने के बाद संदीप और टी सीरीज के मालिक भूषण कुमार की नजदीकियां इतनी बढ़ीं कि कहते हैं संदीप ने मुराद को छोड़ भूषण का हाथ थाम लिया और उनके साथ सिर्फ 'एनिमल' ही नहीं बल्कि 'एनिमल पार्क' और 'स्पिरिट' की भी डील कर ली।

'दे दे प्यार दे 2' में फिर जमेगी अजय-रकुल की जोड़ी

अजय देवगन इस साल एक से बढ़कर एक फिल्मों से दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। अभी कुछ दिन पहले हमें पता चला कि देवगन को उनकी 2018 की फिल्म 'रेड' के सीक्वल के लिए चुना गया है। अब जानकारी मिली है कि वह एक और सीक्वल 'दे दे प्यार दे 2' के लिए तैयारी कर रहे हैं। 2019 की फिल्म 'दे दे प्यार दे' सबसे पसंदीदा कॉमेडी में से एक थी। साल की सर्वश्रेष्ठ फिल्म और रकुल प्रीत सिंह के साथ देवगन की रोमांटिक केमिस्ट्री ने दर्शकों के दिलों में जगह बना ली।

फिल्म 'दे दे प्यार दे' का बजट 50 करोड़ रुपये था, और इसने बॉक्स ऑफिस पर 143 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की, जो कि अजय देवगन की साल 2019 की बड़ी सफलता थी। रोमांटिक-कॉमेडी एक लव ट्राइएंगल थी। ताजा रिपोर्ट की मानें तो अजय देवगन अब 'दे दे प्यार दे' के सीक्वल की तैयारी कर रहे हैं, जो जून 2024 से शुरू होने की उम्मीद है। इतना ही नहीं, सीक्वल में तब्बू और रकुल प्रीत सिंह भी फिर से नजर आएंगी। इसमें कोई शक नहीं कि तीनों के साथ यह बेहद हंसी का सफर होने वाला है।

'दे दे प्यार दे' में मुख्य किरदार आशीष (अजय देवगन) द्वारा अपने से बहुत छोटी आयशा (रकुल प्रीत सिंह) के साथ अपने रिश्ते को स्वीकार करने में और परिवार के जरिए इसे स्वीकार किए जाने में आने वाली चुनौतियों को दर्शाया गया था। रिपोर्टों के अनुसार, अगली कड़ी में इस विषय पर विस्तार से चर्चा होने की उम्मीद है। आयशा के परिवार की अपनी बेटी से उम्र में काफी बड़े व्यक्ति के साथ रिश्ते पर प्रतिक्रियाएं होंगी।

अजय देवगन इन दिनों 'सिंघम अगेन' और 'रेड 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं। दिलचस्प बात यह है कि निर्माता मई 2024 के अंत तक दोनों फिल्मों की शूटिंग पूरी कर लेंगे। इसके तुरंत बाद जून के शुरुआती हफ्ते में अजय देवगन 'दे दे प्यार दे 2' की शूटिंग शुरू करेंगे। यह 54 साल के स्टार की अद्भुत बहुमुखी प्रतिभा और अनुभव को साबित करता है, क्योंकि वह कुछ ही दिनों में एक्शन शैली से कॉमेडी शैली में अपना दमखम दिखाएंगे।

बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड व बिना कोई एक्टिंग ट्रेनिंग के भी सुपर स्टारडम पाया जा सकता है : दीपिका

मॉडलिंग के बाद अभिनय के क्षेत्र में शिरकत करने वाली दीपिका पादुकोण ने साबित कर दिया कि बिना किसी फिल्मी बैकग्राऊंड और बिना कोई एक्टिंग ट्रेनिंग के भी सुपर स्टारडम पाया जा सकता है। फिल्म 'ओम शांति ओम' म' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली दीपिका के फिल्मी करियर को 18 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। पिछले दिनों रिलीज फिल्म 'फाइटर' में दीपिका पहली बार ऋतिक रोशन के अपोजिट नजर आई और अब वह प्रभास के साथ अपनी अगली फिल्म 'कल्की 2898 ए.डी.' को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोर रही हैं।

* दो हिट फिल्मों 'पठान' और 'जवान' के बाद 'फाइटर' की रिलीज पर कितना दबाव महसूस किया ? - मैंने कोई दबाव महसूस नहीं किया। पठान' और 'जवान' की शूटिंग के दौरान भी मैंने कोई प्रैशर महसूस नहीं किया। अगर सफलता के प्रति मैं अपने दिल में कोई दबाव रखूंगी तो मैं अच्छी परफॉर्मेंस नहीं दे सकूंगी। जिन फिल्मों को मैं स्वीकार करती हूं या जिस फिल्म में मुझे कास्ट किया जाता है, मैं उसमें कंटेंट और किरदार ढूंढती हूं। फिल्म का निर्माण हो या नए-पुराने रिश्तों को सहेजना, उनमें ईमानदारी चाहिए। फिल्म 'फाइटर' को भी मेहनत के साथ बनाया गया। जीवन की तरफ देखने का मेरा नजरिया ही इस किरदार ने बदल दिया।

* उपलब्धियों पर कैसा महसूस करती हैं? - मेरे दिल में सिर्फ और सिर्फ आभार है, अन्य कुछ नहीं। यह 'सैंस ऑफ ग्रैटिट्यूड' अपने परिवार, फिल्म मेकर्स, मेरे गुरु, मेरा ट्रीटमेंट करने वाले डॉक्टर्स, पादुकोण और भवनानी परिवार सहित सभी के लिए है। मेरा विश्वास कि दुआओं में बहुत असर होता है।

* क्या कभी आपकी फाइटिंग स्पिरिट' (चुनौतियों से लड़ने का जुझारूपन) ने आपका मनोबल बढ़ाया ?

- जीवन में ऐसे कई मौके आते हैं, जब एक आम इंसान टूट जाता है लेकिन टूटे नहीं, इसके लिए आपके अपने लोग आपके इर्द-गिर्द होने चाहिएं। 2014 में मुझे गम्भीर डिप्रैशन ने घेर लिया था, जिसके लिए मुझे दवाइयों के साथ ही थैरेपी दी जा रही थी। उस कठिन समय में मेरी मां, बहन अनिशा और मेरे पिता ने मुझे मानसिक सम्बल दिया। उनकी पॉजिटिविटी मुझ पर गहरा असर करती रही। 2015 में मम्मी मेरे साथ मुंबई आकर रहने लगीं। वक्त के साथ मैं ठीक हो गई और डिप्रैशन की बीमारी को मैंने उड़न छू कर दिया।

* फिल्म' फाइटर' के लिए ट्रेनिंग के दौरान क्या मुश्किलें आई थीं? मैं ट्रेनिंग को मुश्किलें नहीं कहूंगी। यह किरदार निभाने के लिए प्रैक्टिस थी। बहुत फख्र महसूस हो रहा था, जब ट्रेनिंग के लिए हमें सचमुच के फाइटर्स दिए गए थे, जो हमें सावधानीपूर्वक सिखा रहे थे। बैडमिंटन खेलना और सुबह 5 बजे उठकर कसरत करना भी हमारी ट्रेनिंग का एक हिस्सा था। हमारी ट्रेनिग और वहां के माहौल के बारे में गोपनीयता के कारण हम उसे शेयर नहीं कर सकते। हम सभी लोग मिलिट्री के मैस में खाना खाया करते थे, हवाई जहाज को कैसे उड़ाते हैं, यह भी सीखा। अलग से बॉडी लैंग्वेज भी सिखाई गई थी। मुझे लगता है कि यह ट्रेनिंग बेहद कमाल की थी, जो सिर्फ फिल्म की शूटिंग के के लिए ए ही ही नहीं, बल्कि एक व्यक्ति के रूप में हम सभी के विकास में कारगर है।

* आपने अपने जीवन में कभी रियल फाइटर्स का सामना किया है? - मेरे माता-पिता ने अनेक कठिनाइयों का सामना किया और हर एक को चुनौती समझकर आगे बढ़ते गए। मेरे जीवन में उनकी मिसाल किसी ज्योति की तरह है। 16 वर्ष की उम्र में मैंने बेंगलुरु में मॉडलिंग शुरू की। मॉडलिंग में सफल होने के बाद खुद अकेले ही मैंने मुंबई आने का निर्णय लिया, जो आसान नहीं था। मुंबई में एक भी व्यक्ति से मेरी पहचान नहीं थी और जीरो से मैंने शुरुआत की। पेइंग गैस्ट के रूप में रही, फिर किराए का फ्लैट लिया। इस तरह आगे बढ़ती रही। पूरा दिन स्ट्रगल करने के बाद घर का सारा काम भी मैंने खुद किया। फिल्म 'ओम शांति ओम' की कामयाबी से मेरी रात खत्म हुई और दिन के उजाले ने मुझे नई उम्मीद दी। मैं अपने आपको फाइटर मानती हूं।

* फिल्म 'फाइटर' के लिए यूनिफॉर्म पहनने का अनुभव कैसा रहा ? - यूनिफॉर्म पहनना जिम्मेदारी का एहसास देता है। यह एहसास है खुद में ऊर्जा पाने का। हमने फाइटर विमानों और फौजियों की ट्रेनिग सब कुछ देखा और बहुत कुछ सीखा।

'लापता लेडीज' को प्रमोट करने के लिए किरण राव ने चली यह बड़ी चाल, आमिर का उठाया फायदा!

आमिर खान की पर्व पत्नी किरण राव इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। उनकी फिल्म 'लापता लेडीज' कल यानि 1मार्च को रिलीज होने के लिए तैयार है। किरण की इस फिल्म का निर्माण उनके पूर्व पति आमिर खान ने किया है। हाल ही में, एक इंटरव्यू के दौरान किरण आमिर के साथ अपने आपसी रिश्ते और उनके स्टारडम के बारे में खुलकर बातें करती नजर आईं।

प्रचार के लिए पूर्व पति का इस्तेमाल

किरण राव अपनी फिल्म 'लापता लेडीज' के प्रमोशन में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती हैं। वे लगभग हर इवेंट में अपने पूर्व पति आमिर के साथ दिखाई देती हैं। जब उनसे इस विषय पर सवाल किया गया तब उन्होंने कहा, 'देखिए मैं फिल्म के प्रचार के लिए आमिर का इस्तेमाल कर रही हूं और मुझे इस बात को स्वीकार करने में कोई झिझक नहीं हो रही है।'

आमिर के स्टारडम से मिलेगा फायदा

किरण अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, "लापता लेडीज एक छोटे बजट की फिल्म है। मैं चाहती हूं कि लोग मेरी फिल्म को देखने आए और अगर आमिर की मौजूदगी की वजह से मेरी फिल्म को लाइमलाइट मिलता है तो इसमें कोई बुराई नहीं है। वे एक बड़े स्टार हैं और उनके स्टारडम से मेरी फिल्म को फायदा मिलता है तो मैं इस फायदा को उठाना चाहूंगी।'

'लापता लेडीज' के स्टार्स

किरण राव ने अपनी फिल्म में नए कलाकारों को मौका दिया है। इस फिल्म में नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा और स्पर्श श्रीवास्तव अहम भूमिका में दिखाई देने वाले हैं। वहीं, फिल्म में रवि किशन और छाया कदम भी नजर आएंगे। दर्शकों में अभी से ही फिल्म के लिए काफी उत्साह देखने को मिल रहा है।

महादेव ऑनलाइन सट्टेबाज़ी केस

ईडी ने फ्रीज किये 580 करोड़ रुपये, छापेमारी में कैश और कीमती चीजें भी जब्त

नई दिल्ली, 1 मार्च (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महादेव ऑनलाइन सट्टेबाज़ी मामले में अपराध की आय से कमाए गए 580 करोड़ रुपये फ्रीज़ किये गए हैं। इसके अलावा छापेमारी के दौरान 1.86 करोड़ रुपये कैश और 1.78 करोड़ की क़ीमती चीजें ज़ब्त की गई हैं। ये छापेमारी हाल ही में ईडी ने दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, रायपुर, इंदौर और गुरुग्राम में की थी। ईडी के अनुसार, इस मामले में अपराध से अर्जित अनुमानित आय लगभग 6000 करोड़ रुपये है।

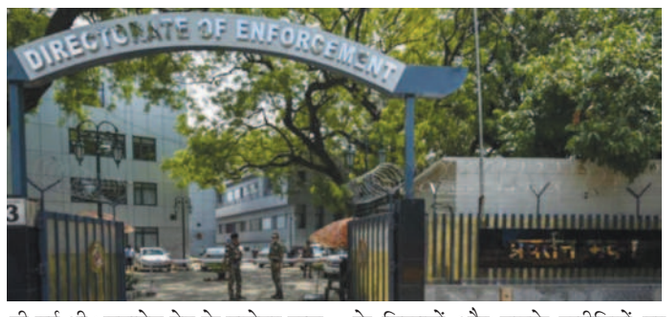

ऐसे चल रहा था ऑनलाइन सट्टेबाज़ी का खेल

छतीसगढ़ पुलिस की एफआईआर पर ईडी ने अपनी तफ्तीश शुरू की इसके अलावा विशाखापटनम पुलिस और कुछ अन्य राज्यों की पुलिस ने भी महादेव ऐप के खिलाफ केस दर्ज किया था, जिसे भी ईडी ने रिकॉर्ड पर लिया था। जांच में पता चला की महादेव ऐप दुबई से चलाई जा रही थी, जिसके कई देशों में अलग अलग नाम से फ्रेंचाइजी 70 से 30 परसेंट प्रॉफिट मार्जिन पर दी गई थी। महादेव ऐप के प्रमोटर कुछ अन्य बेटिंग ऐप जैसे रेडी अन्ना फेयर प्ले व अन्य एप में भी पार्टनर थे। इन ऐप के जरिये होने वाली कमाई को फर्जी बैंक अकाउंट और हवाला के जरिये एक से दूसरी जगह ट्रांसफर किया जा रहा था। जांच के दौरान यह पता चला की कोलकाता का रहने वाला एक बड़ा हवाला कारोबारी हरि शंकर टिबरेवाल जो की दुबई में रहकर महादेव एप के प्रमोटर के साथ इस धंधे को आगे बढ़ा रहा है।

स्टॉक मार्केट में लगाया जा रहा था सट्टेबाजी का पैसा

इस जानकारी के बाद ईडी ने हरी शंकर के ठिकानों और उसके करीबियों पर रेड्स की जिसमें पता चला की ये खुद स्काई एक्सचेंज के नाम से अपनी एक बैटिंग ऐप भी चला रहा था। इस बेटिंग ऐप से होने वाली कमाई को इंडियन स्टॉक मार्किट में एफपीआई रूट्स से इन्वेस्ट कर रहा था। इसके अलावा इसने अपने कई साथियों को फर्जी कंपनी में डायरेक्टर और कर्मचारी दिखा रखा था, जिनके जरिये स्टॉक मार्केट में पैसे इन्वेस्ट कर रहा था। ईडी ने हरी शंकर के खिलाफ कार्यवाही करते हुए 580.78 करोड़ को पीएमएलए के तहत फ्रीज कर दिया है। महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी केस में कथित तौर पर कई उच्च पदस्थ राजनेता और छत्तीसगढ़ के नौकरशाह शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, साल्ट लेक में एक व्यवसायी के आवास और कार्यालय सहित राज्य में छह स्थानों पर छापेमारी की गई। प्रवर्तन निदेशालय के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले की जांच के तहत मुंबई, पश्चिम बंगाल और दिल्ली-एनसीआर में कुल 15 परिसरों पर पिछले दिनों छापेमारी की गई थी। इस मामले में ईडी ने अब तक कुल नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। ईडी ने पहले कहा था कि ऐप द्वारा अर्जित कथित अवैध धन का इस्तेमाल छत्तीसगढ़ में राजनेताओं और नौकरशाहों को रिश्वत देने के लिए किया गया था। ऐप के मुख्य प्रवर्तक और संचालक छत्तीसगढ़ के ही हैं। एजेंसी कई मशहूर हस्तियों और बॉलीवुड अभिनेताओं को ऑनलाइन सट्टेबाजी मंच के साथ उनके संबंधों के मामले में पूछताछ के लिए समन भेज चुकी है।

मणिपुर में प्रतिबंधित केसीपी (एन) के 3 सदस्य गिरफ्तार पुलिस ने हथियार और गोला-बारूद भी किए बरामद

इंफाल, 1 मार्च (एजेंसियां)। मणिपुर पुलिस ने इम्फाल पश्चिम जिले से प्रतिबंधित केसीपी (एन) के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। इसकी जानकारी एक आधिकारिक बयान में शुक्रवार को दी गई। उनके कब्जे से पांच मोबाइल हैंडसेट और 4 लाख रुपये नकद भी जब्त किए गए। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि उनके पास से बरामद हथियार और गोला-बारूद के बारे में संदेह है कि वे पहले सुरक्षा बलों से लूटे गए थे। पुलिस नियंत्रण कक्ष से जारी बयान में कहा गया है कि प्रतिबंधित कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी (नोंगड्रेनखोम्बा) के गिरफ्तार सदस्यों की पहचान एल एलिन, हेरिश माईबम और बेला ओइनम के रूप में की गई है, साथ ही आगे की जांच के लिए मामला दर्ज किया गया है। पिछले साल मई में पहली बार दो समुदायों के बीच जातीय झड़पें शुरू होने के बाद से मणिपुर हिंसा की चपेट में है। तब से अब तक कुल मिलाकर 219 लोग मारे जा चुके हैं।

टिकटों पर मंथन में शिवराज सिंह चौहान पर भी बना प्लान, साध्वी प्रज्ञा को झटके की तैयारी?

भोपाल, 1 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा हाईकमान की देर रात तक लोकसभा चुनाव में टिकट बंटवारे को लेकर मीटिंग चली। पीएम नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में हुई केंद्रीय चुनाव समिति की मीटिंग में यूपी, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान जैसे राज्यों पर चर्चा हुई। इसके अलावा पीएम नरेंद्र मोदी के गृह राज्य गुजरात में भी टिकट बंटवारे पर बात हुई है। गुजरात की ही गांधीनगर सीट से लालकृष्ण आडवाणी चुनाव लड़ते थे और यहीं से एक बार फिर अमित शाह उतरने वाले हैं। भाजपा सूत्रों के अनुसार इस मीटिंग में मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान को लेकर भी चर्चा हुई है। बैठक में चर्चा हुई कि शिवराज सिंह चौहान को भोपाल सीट से मैदान में उतारा जाए। यहां से 2014 से ही साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर सांसद हैं और इस बार भाजपा उनका पत्ता काटना चाहती है। उनके स्थान पर शिवराज सिंह चौहान को यहां से उतारने का प्लान है। हालांकि पार्टी सूत्रों का कहना है कि शिवराज सिंह चौहान खुद इस सीट से उतरने के मूड में नहीं हैं। वह चाहते हैं कि उन्हें विदिशा सीट से ही मौका दिया जाए, जहां के वह रहने वाले हैं। दरअसल शिवराज सिंह चौहान की मध्य प्रदेश में खासी लोकप्रियता है। उन्हें विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत के बाद भी सीएम नहीं बनाया गया था। अब उन्हें लेकर चर्चा है कि लोकसभा पहुंचने के बाद उनको केंद्र में मंत्री भी बनाया जा सकता है। शिवराज सिंह चौहान विदिशा सीट से 1991 से 2004 के दौरान 5 बार सांसद चुने जा चुके हैं। मध्य प्रदेश में एक और बड़े नाम ज्योतिरादित्य सिंधिया पर भी चर्चा हुई है। उनको परिवार की परंपरागत सीट गुना-शिवपुरी से ही उतारा जा सकता है। भाजपा में उत्तर भारत के बड़े राज्यों समेत साउथ के राज्यों केरल, तेलंगाना में टिकटों को लेकर काफी हद तक सहमति बन चुकी है। सूत्रों का कहना है कि 10 मार्च तक भाजपा अपने आधे से ज्यादा उम्मीदवारों के नाम घोषित कर कती है। बता दें कि 2019 में भी भाजपा ने उम्मीदवारों के नाम तय करने में तेजी दिखाई थी। पार्टी की ओर से 21 मार्च तक 164 कैंडिडेट्स के नाम घोषित कर दिए गए थे।

वित्त मंत्री आतिशी ने सदन में पेश की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट, प्रति व्यक्ति आय में 22% की बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 1 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली की वित्त मंत्री आतिशी ने शुक्रवार को विधानसभा में राष्ट्रीय राजधानी की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश की। सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक राजधानी के लोगों की प्रति व्यक्ति आय में 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि साल 2023-24 में दिल्ली की जीएसडीपी11,07,746 करोड़ अनुमानित है। वित्त मंत्री के मुताबिक जीएसडीपी में पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 9.17 प्रतिशत फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में दिल्ली की जीएसडीपी 10,14,000 करोड़ थी। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के बाद वित्तीय वर्ष 2021-22 में दिल्ली की जीएसडीपी में 8.76 फीसदी की बढ़ोतरी और 2022-23 में 7.85 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। दिल्ली की आबादी का देश की आबादी में महज 1.5 प्रतिशत है, लेकिन देश की जीएसडीपी में कॉन्ट्रिब्यूशन 4 प्रतिशत है।

प्रति व्यक्ति आय में भारी बढ़ोतरी

वित्तीय वर्ष 2021-22 में दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय 3.70 लाख रुपए थी, जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में बढ़कर 4.61 लाख रुपया पर पहुंच गई है। पिछले दो साल में प्रति व्यक्ति आय में 22 फ़ीसदी की बढ़ोतरी हुई है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रति व्यक्ति आय के मुक़ाबले दिल्ली में प्रति व्यक्ति आय ढाई गुना ज़्यादा है

बीजेपी ने रुकवाए दिल्ली के काम

हमारे लिए यह साल ऐसा रहा है कि उपराज्यपाल और अधिकारियों ने केजरीवाल सरकार के काम रोकने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मोहल्ला क्लिनिक के पैसे रोके गए, फरिश्ते स्कीम रोकी गई, विधानसभा तक के रिसर्च फेलो हटा दिए गए। सप्रीम कोर्ट के फैसले के आठ दिन बाद ही अध्यादेश लाकर दिल्ली सरकार के अधिकार केंद्र ने ले लिए। अधिकारियों पर दबाव बनवाकर काम रुकवाए गए। इसके बावजूद इकनॉमिक सर्वे से साफ है कि उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना दिल्ली को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकते। आज 2024-24 का इकनॉमिक सर्वे दिखा रहा है कि दिल्ली वालों की प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है, बजट मुनाफे में है। उन्होंने दावा किया कि केंद्र और एलजी जान लें कि केजरीवाल रुकने वाला नहीं है।

एमपी के सबसे 'गरीब विधायक' पर एफआईआर

मेडिकल संचालक से एक करोड़ रुपए मांगने का आरोप

भोपाल, 1 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सबसे गरीब विधायक कमलेश्वर डोडियार पर एफआईआर दर्ज की गई है। विधायक पर मेडिकल संचालक से एक करोड़ रुपये मांगने का आरोप लगा है। ये विधायक भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) पार्टी से हैं। विधानसभा में मोटरसाइकिल से पहुंचने पर वह काफी चर्चा में आ गए थे। वह अपने आप को प्रदेश का सबसे गरीब विधायक भी बताते हैं। उन्होंने कहा था कि दोस्तों से पैसे उधार लेकर विधानसभा का चुनाव लड़ा था। मध्य प्रदेश की सैलाना विधानसभा के विधायक कमलेश्वर डोडियार के खिलाफ पुलिस ने कई धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस ने भारत आदिवासी पार्टी के विधायक पर धारा 323, 294, 506, 327, 384, 34 के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है।

विधायक ने डॉक्टर का मोबाइल बाहर रखवाया

दरअसल, डॉक्टर तपन राय भारत आदिवासी पार्टी के विधायक कमलेश्वर डोडियार के यहां गए हुए थे। उन्होंने अपनी साथ हुई घटना का एक वीडियो जारी कर कहा कि विधायक डोडियार ने 19 फरवरी को उन्हें अपने यहां पर बुलाया था। वह अपने अंकल को भी विधायक के यहां साथ लेकर गए थे। विधायक से मिलने से पहले वहां पर उनको बाहर खड़ा करवा दिया गया। उनकी तलाशी लेकर मोबाइल बाहर रखवा दिए गए।

1 करोड़ दोगे तो यहां रहने दूंगा-विधायक

इसके बाद डॉक्टर की डिग्री और मेडिकल स्टोर आदि के बारे में बातचीत की गई। उन्होंने बताया कि वह फार्मासिस्ट हैं। उनके पास सर्टिफिकेट भी हैं। विधायक ने बिना रुपयों का नाम लिए कहा कि कितना कर सकते हो? बात को न समझने पर विधायक ने डॉक्टर से साफ तौर पर कहा कि यदि एक करोड़ रुपए दोगे तो तुम्हें यहां पर रहने दूंगा।

विधायक ने दी धमकी, जेल भेज कर रहूंगा

इसके बाद विधायक डोडियार शुक्रवार को उनकी क्लीनिक पर आए और लगभग 3 घंटे तक बैठे रहे। उन्होंने कहा कि तुमने मेरे प्रतिनिधि दशरथ डिंडोर जिसको मैंने भेजा था। उससे भी बात नहीं की है। अब तुम्हें जेल भेज कर रहूंगा। डॉक्टर तपन राय का कहना कि जाते-जाते विधायक ने बोला कि इसमें कुछ रिवर्स हो सकता है, बता कितना दे सकता है?

विधायक की बढ़ी मुश्किलें

डॉक्टर तपन राय ने विधायक के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। एसपी ने पूरे मामले की जांच एसडीओपी को सौंप दी है। अपने आप को सबसे गरीब कहने वाले विधायक कमलेश्वर डोडियार की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पुलिस विधायक की गिरफ्तारी के लिए दबिश देना भी शुरू कर दिया है।

महिला को अपना सरनेम बदलने के लिए पति के एनओसी की जरूरत क्यों पड़ी?

नई दिल्ली, 1 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक महिला के द्वारा दायर की गई याचिका पर सुनवाई की, जिसमें महिला को अपना शादी से पहले वाला सरनेम हासिल करने के लिए 'तलाक के आदेश' या पति से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनसीओ) की अनिवार्यता को चुनौती दी गई है। इस मुद्दे पर अदालत ने नोटिस जारी करते हुए केंद्र सरकार का रुख पूछा है। एक्टिंग चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की डिवीजन बेंच ने आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के प्रकाशन विभाग की अधिसूचना को चुनौती देने वाली महिला की याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी किया है। सरकार को 28 मई तक अपना जवाब दाखिल करना है, जब मामले की अगली सुनवाई होगी। महिला के द्वारा दायर की गई याचिका में कहा गया है कि अधिसूचना साफ तौर से भेदभावपूर्ण, मनमानी और अनुचित है और भारत के संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 के तहत मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करती है। 'रूममेट कहती हैं कि वसीम से शादी और धर्म परिवर्तन कर लो।'

, लड़की ने पुलिस को सुनाई दर्द भरी दास्तान याचिका में दावा किया गया है कि अधिसूचना चल रही तलाक की कार्यवाही के बीच याचिकाकर्ता के अपने मौजूदा सरनेम को अपने शादी से पहले वाले सरनेम में बदलने के अधिकार में बाधा पैदा कर रही है। महिला ने यह भी दावा किया है कि अधिसूचना लिंग के आधार पर पूर्वाग्रह दर्शाती है और विशेष रूप से महिलाओं पर अतिरिक्त और असंगत जरूरतें लागू करके ऐसा भेदभाव पैदा करती है, जो बिल्कुल भी स्वीकार करने लायक नहीं है। महिला द्वारा दायर की गई याचिका में आगे कहा गया है कि यह विशेष रूप से महिलाओं के लिए अभिव्यक्ति की आजादी और व्यक्तिगत पहचान को अनुचित रूप से कम करता है क्योंकि इसमें पति से एनओसी या तलाक की एक प्रति को जरूरी बताया गया है। यह संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है, क्योंकि व्यक्ति की पसंद का नाम उसकी आत्म-अभिव्यक्ति और पहचान का एक अहम पहलू होता है। किस आधार पर वैध मानी जाएगी शादी?

साथियों ने थूका, बर्बरता से पीटा : मदरसे के छात्र को 100 रुपये की घड़ी चुराने पर दी ऐसी सजा

मुंबई, 1 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के एक मदरसे में 16 साल के छात्र को न केवल टीचर ने बल्कि उसके साथियों ने भी बर्बरता से पीटा। अपराध ये था कि उसने 100 रुपये की घड़ी चोरी की थी। सूरत के इस छात्र का दाखिला औरंगाबाद (जिसे हाल ही में छत्रपति संभाजी नगर नाम दिया गया है) के जामिया बुरहानुल उलूम मदरसा में हुआ था। ये परेशान करने वाली घटना तब सामने आई जब किशोर ने कथित तौर पर पास की दुकान से एक घड़ी चुरा ली और चोरी की वारदात इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। चोरी का पता चलने पर दुकानदार ने तुरंत शिकायत दर्ज कराई,

जिससे चोरी हुआ सामान बरामद हो गया हालांकि स्थिति ने तब गंभीर मोड़ ले लिया जब मदरसे के मौलवी, जिनकी पहचान मौलाना सैयद उमर अली के रूप में की गई है ने छात्र को क्रूर सज़ा देने का फैसला किया। किशोर को अर्धनग्न कर उसके साथी छात्रों द्वारा उस पर थूका गया और बुरी तरह से पिटाई की गई, यह सब कथित तौर पर मौलवी के आदेश के तहत किया गया था। छात्र के साथ बर्बरता का ये वीडियो कैमरे पर रिकॉर्ड हुआ है।

फुटेज अंततः पीड़ित परिवार तक पहुंच गई है, जिन्होंने स्थानीय पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई है। मौलवी के खिलाफ माइनर स्टूडेंट प्रोटेक्शन एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

घर के सारे कष्ट कर दूंगा दूर, कहकर तांत्रिक ने युवती को झांसे में लिया, फिर करने लगा मानसिक उत्पीड़न

रुड़की, 1 मार्च (एजेंसियां)। अंबाला की एक युवती ने तांत्रिक पर घर से सारे कष्ट दूर करने का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। युवती ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। सिविल लाइंस कोतवाली पुलिस को अंबाला की युवती ने तहरीर देकर बताया कि उसने पिछले साल नवंबर में विज्ञापन देखा था। इसमें तांत्रिक ने घर के सारे कष्ट दूर करने की जानकारी दे रखी थी। साथ ही विज्ञापन पर उसका मोबाइल नंबर भी था। इस पर उसने मोबाइल नंबर पर तांत्रिक से संपर्क किया। इसके बाद तांत्रिक ने उसे रुड़की आकर पूरी जानकारी देने की बात कही। इसके बाद वह सिविल लाइंस क्षेत्र में रहने वाले तांत्रिक के पास पहुंची। यहां पर तांत्रिक ने उसे कोल्ड ड्रिंक पिलाई। इसके बाद वह बेहोश हो गई। आरोप है कि तांत्रिक ने दुष्कर्म के साथ ही अश्लील वीडियो भी बना लिया। अब वह वीडियो वायरल करने की धमकी देकर मानसिक उत्पीड़न कर रहा है। कोतवाली प्रभारी आरके सकलानी ने बताया, तहरीर के आधार पर मामले की जांच कराई जा रही है।

कानपुर में तंबाकू कंपनी पर रेड जारी, 50 करोड़ की कारें मिलीं

कानपुर, 1 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में 15 घण्टे के बाद भी छापेमारी जारी है। यहां बंशीधर तंबाकू कंपनी के कई ठिकानों पर आईटी की छापेमारी चल रही है। जानकारी के मुताबिक, कानपुर समेत पांच राज्यों में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की 15 से 20 टीम छापेमारी कर रही है। इस छापे को कंपनी के कारोबार के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। ये कार्रवाई नयागंज स्थित बंशीधर एक्सपोर्ट और बंशीधर तंबाकू के यहां आयकर अधिकारी लगातार कर रहे हैं। बंशीधर टोबेको प्राइवेट लिमेटेड के मालिक केके मिश्रा के दिल्ली आवास से 50 करोड़ से ज्यादा क़ीमत की कारें मिली हैं। इन कारों में 16 करोड़ की रोल्स-रॉयस फैंटम भी शामिल है।आईटी विभाग इनकी गहनता से तलाशी ले रही है।

अब तक क्या-क्या बरामद हुआ?

मीडिया रपटों में सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि तंबाकू कंपनी के ठिकानों से करीब 4 करोड़ रुपये की जब्ती अब तक हो चुकी है। जो गाड़ियां बरामद हुई हैं, उनमें रोल्स रॉयस फैंटम, मैकलैरेन, लैम्बोर्गिनी और फरारी जैसी गाड़िया बताई जा रही हैं। केवल उत्तर प्रदेश के कानपुर ही में नहीं बल्कि कंपनी से जुड़े लोगों के दूसरे राज्यों के ठिकानों की भी जांच हो रही है। इनमें गुजरात, आंध्र प्रदेश और दिल्ली में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट अपनी तफ्तीश कर रही है।

पीएम मोदी के साथ पुरानी अदावत और उत्तराधिकारी बनने पर क्या बोले नितिन गडकरी?

नई दिल्ली, 1 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव अब बेहद करीब हैं और भारतीय जनता पार्टी लगातार तीसरी पर सत्ता पर काबिज होने की तैयारी में जी-जान से जुटी हुई है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दावा किया है कि इस बार 370 सीटें जीतकर बीजेपी सरकार बनाएगी. इस बीच एक सवाल काफी सुनने को मिलता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराधिकारी कौन होगा. इसे लेकर पार्टी के कुछ नामों को लेकर चर्चा भी रहती है, जिसमें केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का नाम भी शामिल है. अब नितिन गडकरी ने इस सवाल का जवाब दिया है कि क्या वह पीएम मोदी के उत्तराधिकारी होंगे. साथ ही नितिन गडकरी ने पीएम मोदी के साथ पुरानी अदावत पर भी बात की. नितिन गडकरी ने पीएम मोदी के साथ पुरानी अदावत के सवाल पर कहा कि ये 20-25 साल पुरानी बातें हैं और इन पर कुछ नहीं बोलना चाहते. ये बातें अब खत्म हो गई हैं. उन्होंने कहा कि संजय जोशी राष्ट्रीय स्वयं संघ के प्रचारक हैं और वह अपना काम कर रहे हैं. दरअसल, पीएम मोदी और संजय भाई जोशी के बीच 90 के दशक से अदावत है. इस अदावत के चलते ही नितिन गडकरी और पीएम मोदी के रिश्तों में खटास आई गई थी. नितिन गडकरी ने कहा, "मैं जब बीजेपी का अध्यक्ष था तो संजय जोशी मेरे जनरल सेक्रेटरी थे. उन्होंने कभी लोकसभा के लिए टिकट नहीं मांगा'.'इस दौरान, नितिन गडकरी ने इस बात पर भी जवाब दिया

कि क्या वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारी बनेंगे. इस पर नितिन गडकरी ने कहा, 'ये फालतू की चर्चा हैं. मैं उनकी कैबिनेट का सदस्य हूं और हमारे बड़े अच्छे संबंध हैं. एक सवाल के जवाब में नितिन गडकरी ने यह भी कहा, 'हम उन्हें कैसे एडवाइस कर सकते हैं. वह प्रधानमंत्री हैं और हम मंत्री हैं तो वो हमको आदेश करेंगे. अगर हम परामर्श करेंगे तो आपको क्यों बताएंगे.' बीजेपी ने अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के रिटायरमेंट की उम्र 75 साल रखी है.

जमीन कब्जाने का तरीका है; मंदिर बचाने पहुंचे लोगों को एचसी ने खूब सुनाया

अहमदाबाद, 1 मार्च (एजेंसियां)। टाउन प्लानिंग स्कीम के तहत एक रोड के लिए ध्वस्तीकरण कार्रवाई को लेकर अहमदाबाद के कुछ लोग हाईकोर्ट पहुंचे और एक मंदिर को छोड़ दिए जाने की गुजारिश की। याचिका पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस सुनीता अग्रवाल ने कहा कि मंदिर बनाना भी देश में सरकारी जमीन पर कब्जे का एक तरीका है। उन्होंने कहा, 'इस तरह लोग सबको इमोशनल ब्लैकमेल करते हैं। भारत में सरकारी जमीन पर कब्जे का एक तरीका मंदिर बना देना भी है।' रिपोर्ट के मुताबिक चांदलोडिया के 93 परिवारों ने सड़क निर्माण का विरोध करते हुए याचिका दायर की है। सिंगल जज की अदालत में याचिका खारिज हो जाने के बाद उन्होंने डिवीजन बेंच के सामने अपील दायर की। अहमदाबाद म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन की तरफ से यह आश्वासन दिए जाने के बावजूद कि किसी का घर नहीं तोड़ा जाएगा, याचिकाकर्ताओं एक मंदिर को प्रस्तावित सड़क से बचा लेने की मांग की। उन्होंने दलील दी कि पूरे समुदाय की भावनाएं इससे जुड़ीं हैं और सबने इसको बनाने में योगदान दिया है। चीफ जस्टिस ने कहा, 'मैं यह जरूर कहूंगा कि आप इस तरह दूसरों को इमोशनल ब्लैकमेल करते हैं। आप सरकारी संपत्ति पर कब्जा कर रहे हैं और यह सब जगह हो रहा है।' जस्टिस ने कहा कि जिस जमीन पर मंदिर है उस पर याचिकाकर्ताओं का मालिकाना हक नहीं।

विधानसभा में कांग्रेस का हंगामा, राज्यपाल नहीं पढ़ सके अभिभाषण, हरियाणा सीएम व गृह मंत्री पर एफआईआर की मांग

चंडीगढ़, 1 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब विधानसभा का बजट सत्र शुक्रवार को राज्यपाल के अभिभाषण के साथ शुरू हो गया। इससे पहले विपक्ष ने खूब हंगामा किया। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राजा वड़िंग और प्रताप सिंह बाजवा ने किसान शुभकरण की मौत पर पंजाब सरकार को घेरा। विपक्ष ने जीरो एफआईआर दर्ज करने का मुद्दा उठाया और सरकार से इस मामले पर जवाब देने की मांग की। दोनों नेताओं ने

राज्यपाल से कहा कि अभिभाषण शुरू होने से पहले पहले दो मिनट का मौन रखा जाए। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने प्रताप सिंह बाजवा से अभिभाषण शुरू होने देने की अपील की। इसके बाद शोरगुल और नारेबाजी के बीच राज्यपाल ने अपना अभिभाषण शुरू किया। कुछ देर में कांग्रेस सदस्य वेल में पहुंचे। विपक्ष ने हरियाणा मुख्यमंत्री और गृह मंत्री पर केस दर्ज करने की मांग की। राजा वड़िंग ने कहा कि अभी सिर्फ एक एफआईआर हुई है। किसान प्रीतपाल पीजीआई में भर्ती हैं। उनके मामले में अभी तक कोई कर्रवाई नहीं की गई है। कांग्रेस विधायकों ने वेल में सरकार के खिलाफ नारेबाजी। इस पर राज्यपाल ने कहा कि मैं आपकी नाराजगी और गुस्से को समझ सकता हूं लेकिन आपको अपनी बात रखने का समय मिलेगा। कांग्रेस व शिअद नेताओं ने पंजाब और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। राज्यपाल ने नारेबाजी के बीच अपना अभिभाषण खत्म किया। वे केवल 9:38 मिनट ही बोल सके। सदस्यों का सत्र में स्वागत संबंधी लाइन पढ़ने के बाद राज्यपाल ने अभिभाषण पढ़ा हुआ समझा जाए कहकर अपना अभिभाषण समाप्त किया। पंजाब विधानसभा के अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां ने कहा कि बजट सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण से होती है।

पीएम-किसान योजना में 90 लाख नए लाभार्थी जोड़े गए: सरकार

नई दिल्ली, 1 मार्च (एजेंसियां)। भारत सरकार समय-समय पर किसानों के लिए काम करती है। जिसका ही नतीजा है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना के तहत पिछले साढ़े तीन महीने में विकसित भारत संकल्प यात्रा के जरिये लगभग 90 लाख नए लाभार्थी जोड़े गए हैं। कृषि मंत्रालय ने यह जानकारी दी। 15 नवंबर, 2023 को शुरू की गई विकसित भारत संकल्प यात्रा (वीबीएसवाई) सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए केंद्र की प्रमुख पहल है। वीबीएसवाई का लक्ष्य सरकारी योजनाओं के तहत लाभार्थी को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ उपलब्ध कराना है।

90 लाख किसानों को फायदा

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, हाल ही में, 2.60 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों में सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी लाभार्थियों तक सुनिश्चित करने के लिए वीबीएसवाई के हिस्से के रूप में, 90 लाख पात्र किसानों को पीएम-किसान योजना में जोड़ा गया।पीएम-किसान योजना दो फरवरी, 2019 को शुरु की गयी। इसके तहत, पात्र किसान परिवारों को हर चार महीने में 2,000 रुपये की तीन समान किस्तों में प्रति वर्ष 6,000 रुपये का लाभ प्रदान किया जाता है।आधुनिक डिजिटल तकनीक का उपयोग करके प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से लाभ सीधे पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में स्थानांतरित किया जाता है।

डिजिटल बुनियादी ढांचे में सुधार

मंत्रालय ने कहा कि योजना को अधिक कुशल, प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए किसान-केंद्रित डिजिटल बुनियादी ढांचे में लगातार सुधार किए गए हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि योजना का लाभ बिचौलियों की भागीदारी के बिना देश भर के सभी किसानों तक पहुंचे। पीएम-किसान पोर्टल को यूआईडीएआई, पीएफएमएस (सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली), भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) और आयकर विभाग के पोर्टल के साथ एकीकृत किया गया है।

अनंत-राधिका के प्री-वेडिंग के लिए ही नहीं

हर बड़े मौके पर जामनगर क्यों जाता है अंबानी परिवार?

नई दिल्ली, 1 मार्च (एजेंसियां)। देश के सबसे अमीर उद्योगपति मुकेश अंबानी और नीति अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी की राधिका मर्चेंट के साथ शादी की सारी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। आज से शुरू हो रहे शादी के प्री-वेडिंग फंक्शन के लिए दुनियाभर से बड़े-बड़े गेस्ट गुजरात के जामनगर पहुंच रहे हैं। अब सवाल ये है कि हर बड़े इवेंट पर अंबानी परिवार जामनगर क्यों जाता है? क्या ये अंबानी परिवार की अपनी जड़ों से जुड़े रहने की भी कोशिश है? अनंत अंबानी ने हाल में एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में बताया कि गुजरात का जामनगर उनकी दादी कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी का जन्मस्थान है। इसलिए ये उनके लिए हमेशा से खास रहा है। वहीं वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वेड इन इंडिया' आह्वान से भी प्रेरित हैं, इसलिए भी उन्होंने प्री-वेडिंग के लिए जामनगर चुना है। लेकिन ये पहली दफा नहीं है जब अंबानी परिवार गुजरात के जामनगर यूं पहुंचा हो, पहले भी अंबानी परिवार अहम मौकों पर जामनगर पहुंचता रहा है।

जामनगर ने बदली अंबानी परिवार की जिंदगी

आज जिस जामनगर में अनंत अंबानी, राधिका मर्चेंट को अपना बनाने की सारी रस्में निभाने जा रहे हैं। एक समय में उनके दादा धीरूभाई अंबानी ने भी इसी शहर में अपनी जीवनसंगिनी कोकिलाबेन को पाया था। जामनगर वह जगह है, जिसने गुजरात के जूनागढ़ के छोटे से गांव चोरवाड़ में पले-बढ़े धीरूभाई अंबानी की जिंदगी को बदल कर रख दिया। इसी जगह ने रिलायंस इंडस्ट्रीज को भारत की सबसे वैल्यूबल जगह बनाया। जामनगर में मुकेश अंबानी की ऑयल रिफाइनरी है, जो दुनिया की सबसे बड़ी पेट्रोलियम रिफाइनरी है। ऑयल के बिजनेस ने ही रिलायंस के फॉर्च्यून को हमेशा के लिए बदलकर रख दिया। यही वजह है कि रिलायंस ग्रुप की अधिकतर एजीएम इसी शहर में होती हैं और उन मौकों पर अंबानी परिवार यहीं होता है।

अंबानी परिवार की जड़ों से जुड़े रहने की कोशिश

अगर जामनगर से अंबानी परिवार के लगाव को देखें, तो ये उनकी जड़ों से जुड़े रहने की कोशिश ज्यादा लगती है। मुकेश अंबानी को जब अपने पिता धीरूभाई अंबानी का श्राद्ध कार्यक्रम करना था, तब भी वह जामनगर आए थे। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज का सबसे ज्यादा निवेश इसी शहर में है। जामनगर में रिलायंस की पूरी टाउनशिप है। वहीं कंपनी अब अपने नए उद्योग गीगा फैक्टरी और सोलर पैनल फैक्टरी को भी इसी शहर में लगाने जा रही है। इतना ही नहीं, मुकेश अंबानी ने यहां देश का सबसे बड़ा आम बगीचा 'धीरूभाई अंबानी लाखीबाग आमराई' स्थापित किया है, तो इसी बाग और ग्रीन बेल्ट को मिलाकर अनंत अंबानी ने 'वनतारा' की स्थापना की है। मुकेश अंबानी की पत्नी नीता अंबानी ने जामनगर में ही 14 नए मंदिर बनवाए हैं, तो परंपराओं से जुड़े रहते हुए मुकेश अंबानी ने अपने बेटे की शादी की शुरूआत में यहीं के आसपास के गांवों के 51,000 लोगों के साथ 'अन्न दान' का कार्यक्रम आयोजित किया है।

लगातार दूसरे महीने महंगा हुआ गैस सिलेंडर, घरेलू का दाम यथावत

नई दिल्ली, 1 मार्च (एजेंसियां)। 6 महीने पहले केंद्र सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 200 रुपए की फ्लैट कटौती की थी। जिसके बाद देश की राजधानी दिल्ली में घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 900 रुपए पर आ गए थे। उसके बाद से घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है। वहीं दूसरी ओर कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में लगातार दूसरे महीने बढ़ोतरी देखने को मिली है। दो महीने में देश की राजधानी दिल्ली में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में करीब 40 रुपए का इजाफा देखने को मिल चुका है।वैसे देश के चारों महानगरों में सबसे ज्यादा इजाफा कोलकाता में देखने को मिला है। आइए आपको बताते हैं कि आखिर मार्च के महीने में घरेलू गैस सिलेंडर और कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम कितने चुकाने होंगे। साथ ही मार्च के महीने में और बीते दो महीने में देश के चारों महानगरों में कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में कितना इजाफा देखने को मिल चुका है।

मार्च में कमर्शियल गैस सिलेंडर में इजाफा

मार्च महीने के पहले दिन कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में इजाफा देखने को मिला है। देश की राजधानी दिल्ली और मुंबई में यह इजाफा 25.5 रुपए का देखने को मिला है। जिसके बाद दिल्ली में कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 1795 रुपए और मुंबई में 1749 रुपए हो गए हैं। कोलकाता में कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 24 रुपए का इजाफा देखने को मिला और दाम 1911 रुपए पर आ गए। जबकि चेन्नई में मार्च के महीने में यह इजाफा 23.5 रुपए का देखने को मिला है और दाम 1960.50 रुपए पर आ गए हैं।

दो महीनें में कितनी आई तेजी

अगर बात बीते दो महीने की करें तो सबसे ज्यादा इजाफा कोलकाता में देखने को मिला है। कोलकाता में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 42 रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली है। उसके बाद मुंबई में 40.5 रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली है। देश की राजधानी दिल्ली में यह इजाफा 39.5 रुपए का हुआ है। देश के दक्षिण भारत के सबसे बड़े महानगर चेन्नई की बात करें तो बीते दो महीने में कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में सबसे कम 36 रुपए का इजाफा हुआ है। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में और इजाफा देखने को मिल सकता है।

घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 6 महीने से फ्रीज

वहीं दूसरी ओर घरेलू गैस सिलेंडर के दाम बीते 6 महीने से फ्रीज हैं। 30 अगस्त के बाद से घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है। उस समय केंद्र सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में 200 रुपए की फ्लैट कटौती की थी। जिसके बाद देश की राजधानी दिल्ली में घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 903 रुपए पर हैं। वहीं कोलकाता में 929 रुपए पर आ गए हैं। मुंबई में 902.50 रुपए और चेन्नई में 918.50 रुपए पर घरेलू गैस सिलेंडर के दाम है। आने वाले दिनों में घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में बदलाव देखने को मिल सकता है, इस बात को यकीन से कहना मुश्किल है।

2000 के नोटों पर आरबीआई का अपडेट, लीगल टेंडर बने रहेंगे, सिर्फ चलन से बाहर है

नई दिल्ली, 1 मार्च (एजेंसियां)। 2000 रुपये के नोट चलन से वापस लेने के फैसले के बाद अब तक कुल 2000 रुपये के नोटों में से 97.62 फीसदी नोट रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पास लौट आए हैं. आरबीआई ने आज एक प्रेस रिलीज में ये जानकारी दी है. आरबीआई ने 19 मई 2023 को एक अप्रत्याशित ऐलान में देश से 2000 रुपये के नोट वापस लेने का फैसला सुनाया था.आज एक आधिकारिक प्रेस रिलीज में आरबीआई ने कहा है कि 19 मई 2023 को देश में 3.56 लाख करोड़ रुपये के 2000 रुपये के नोट सर्कुलेशन मे थे. अब 29

फरवरी 2024 तक ये आंकड़ा गिरकर 8470 करोड़ रुपये पर आ गया है यानी 2000 रुपये के कुल नोटों में से 97.62 फीसदी नोट आरबीआई के पास वापस आ चुके हैं.केंद्रीय बैंक ने कहा है कि देश में 2000 रुपये के नोट लीगल टेंडर बने रहेंगे यानी साफ है कि अभी इन नोटों को आरबीआई ने सिर्फ चलन से बाहर किया है. इन्हें पूरी तरह नोटबंदी के दायरे में नहीं लाया है जैसा साल 2016 की 8 नवंबर को किया गया था. इस दिन तत्कालीन चलन वाले 1000 और 500 रुपये के नोटों को एक झटके में लीगल टेंडर से खत्म कर दिया गया था. रिजर्व बैंक ने 2000 के नोटों को बदलने की फैसिलिटी 19 मई, 2023 से बैंकों में दी थी, हालांकि इसके बाद भी कई लोग 2000 रुपये के नोट लौटाने से रह गए थे. इसको देखते हुए आरबीआई ने 7 अक्टूबर तक इन्हें लौटाने की डेडलाइन बढ़ाई थी और इसके बाद 09 अक्टूबर, 2023 से, आरबीआई निर्गम कार्यालय भी लोगों से 2000 के बैंक नोट स्वीकार कर रहे हैं.

भारत की इकोनॉमी रोज गाड़ रही झंडे, मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ पहुंची 5 महीने के हाई पर

नई दिल्ली, 1 मार्च (एजेंसियां)। इकोनॉमी के मोर्चे पर भारत रोज नए झंडे गाड़ रहा है. पहले अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के जीडीपी आंकड़े आए, तो इसमें सालाना आधार पर डबल ग्रोथ दिखी और देश की आर्थिक वृद्धि दर 8.4 प्रतिशत रही. अब फरवरी के महीने में मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ 5 महीने के हाई पर पहुंच गई है. सरकार ने जीडीपी में ग्रोथ की वजह भी कंस्ट्रक्शन और मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर की गतिविधियां बढ़ना बताई है.देश में डिमांड बढ़ने के साथ ही फैक्टरियों में प्रोडक्शन भी बढ़ा है, जिसके चलते फरवरी में भारत के मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ 5 महीने के हाई लेवल पर पहुंच गई है. हर महीने कंपनियों के परचेजिंग मैनेजर्स के बीच होने वाले सर्वे की रिपोर्ट 'पीएमआई इंडेक्स रिपोर्ट' शुक्रवार को रिलीज हुई. ये रिपोर्ट देश में मैन्यूफैक्चरिंग आउटलुक के बेहतर होने की तस्वीर पेश करती है. सितंबर 2023 के बाद यह पहली बार है जब इस सेक्टर में बेहतर ग्रोथ दिख रही है.

पीएमआई इंडेक्स में तेजी बरकरार

एचएसबीसी इंडिया मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआई फरवरी में बढ़कर 56.9 पॉइंट हो गया, जबकि जनवरी में यह 56.5 पॉइंट पर था. पीएमआई इंडेक्स का 50 पॉइंट से ऊपर रहना, उस सेक्टर में एक्टिविटीज बढ़ने की ओर इशारा करता है. जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है.इस सर्वे के मुताबिक फरवरी महीने में फैक्टरी उत्पादन 5 महीनों में सबसे तेज गति से बढ़ा है. इससे पहले सितंबर में ही बढ़िया ग्रोथ देखने को मिली थी. फरवरी में घरेलू बिक्री में ग्रोथ हुई है और एक्सपोर्ट के ऑर्डर भी 21 महीनों में सबसे मजबूत हुए हैं. एचएसबीसी की अर्थशास्त्री इनेस लैम का कहना है कि पीएमआई डेटा से पता चलता है कि डोमेस्टिक और आउटबॉन्ड, दोनों लेवल पर मांग में ग्रोथ हुई है.

फरवरी 2024 में जीएसटी कलेक्शन में 12.5% का उछाल, 1,68,337 करोड़ रुपये रही वसूली

नई दिल्ली, 1 मार्च (एजेंसियां)। फरवरी 2024 में जीएसटी कलेक्शन 12.5 फीसदी के उछाल के साथ 1,68,337 करोड़ रुपये रहा है. वहीं वित्त वर्ष 2023-24 में 11 महीनों में जीएसटी कलेक्शन औसतन 1.67 लाख करोड़ रुपये रहा है जो कि 2022-23 में औसतन जीएसटी कलेक्शन 1.5 लाख करोड़ रहा था. वित्त मंत्रालय ने फरवरी 2024 के जीएसटी कलेक्शन का डेटा जारी किया है. इस डेटा के मुताबिक 1.68 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा डीएसटी कलेक्शन रहा है जो कि फरवरी 2023 के कलेक्शन के मुकाबले 12.5 फीसदी ज्यादा है. जीएसटी कलेक्शन में आए इस उछाल के चलते घरेलू ट्रांजैक्शन पर जीएसटी वसूली में 13.9 फीसदी का उछाल और गुड्स के इंपोर्ट पर जीएसटी वसूली में 8.5 फीसदी के उछाल के चलते कलेक्शन बढ़ा है. रिफंड जारी करने के बाद फरवरी महीने में जीएसटी कलेक्शन 1.51 लाख करोड़ रुपये रहा है जो कि पिछले साल के समान महीने के मुकाबले 13.6 फीसदी ज्यादा है. वित्त मंत्रालय ने ने बताया कि 2023-24 में जीएसटी वसूली के मोर्चे पर लगातार मजबूत ग्रोथ देखने को मिली है. वित्त वर्ष 2023-24 के अप्रैल से फरवरी के बीच जीएसटी कलेक्शन 18.40 लाख करोड़ रहा है कि 2022-23 के समान अवधि के मुकाबले 11.7 फीसदी ज्यादा कलेक्शन देखने को मिला है. इस वित्त वर्ष में हर महीने में औसत जीएसटी कलेक्शन 1.67 लाख करोड़ रुपये रहा है जो कि बीते वित्त वर्ष के औसत रहे 1.5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है.

फरवरी 2023 में जीएसटी कलेक्शन के ब्रेकडाउन पर नजर डालें तो सीजीएसटी कलेक्शन 31,875 करोड़ रुपये रहा है, जबकि एसजीएसटी 39,615 करोड़ रुपये रहा है. आईजीएसटी कलेक्शन 85,098 करोड़ रुपये रहा है जिसमें इंपोर्टेड गुड्स पर 38,592 करोड़ कलेक्शन शामिल है.

सोने के दाम में कमजोरी, सोने चांदी का आज का भाव

नई दिल्ली, 1 मार्च (एजेंसियां)। फ्यूचर्स मार्केट में शुक्रवार को सोने के दाम में गिरावट देखने को मिल रही है. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर अप्रैल 2024 सीरीज़ के कॉन्टैक्ट में डिलीवरी वाले गोल्ड 39.00 रुपये यानी 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ 61938.00 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था. इससे पिछले सत्र में अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट वाले गोल्ड का रेट 61977.00 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा था.इसी तरह जून 2024 फ्यूचर में डिलीवरी वाला गोल्ड में 92 रुपये यानी 0.15 फीसदी की गिरावट के साथ 62295.00 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा था. इससे पिछले सत्र में जून कॉन्ट्रैक्ट वाले सोने का रेट 62387.00 रुपये प्रति 10 ग्राम के लेवल पर रहा था.एमसीएक्स पर ऐसे ही मार्च 2024 में डिलीवरी वाली चांदी

320.00 रुपये यानी 0.46 फीसदी की गिरावट के साथ 69949.00 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था. इससे पिछले सत्र में मार्च कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी की कीमत 70269.00 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही थी.ऐसे ही मई 2024 सीरीज़ में डिलीवरी वाली चांदी 326 रुपये यानी 0.45 फीसदी की गिरावट के साथ 71637.00 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था. इससे पिछले सत्र में मई कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी की कीमत 71963.00 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही थी.कॉमेक्स पर फरवरी 2024 में डिलीवरी वाले गोल्ड में 0.02 फीसदी की गिरावट के साथ 2,054.30 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार हो रहा है.

शानदार जीडीपी डेटा ने शेयर बाजार में भरा जोश, रिकॉर्ड हाई पर बंद हुआ सेंसेक्स - निफ्टी

नई दिल्ली, 1 मार्च (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में 8.4 फीसदी के जीडीपी के शानदार आंकड़े के चलते और बेहतरीन ग्लोबल संकेतों के चलते मार्च महीने का पहला कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद शानदार रहा है. बैंकिंग एनर्जी स्टॉक्स में निवेशकों की भारी खरीदारी के चलते बाजार में ये तेजी देखने को मिली जिसके चलते सेंसेक्स और निफ्टी ऐतिहासिक हाई को छूआ है. सेंसेक्स 73,819 और निफ्टी 22,353 अंकों के रिकॉर्ड हाई पर जा पहुंचा. आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 1245 अंकों के उछाल के साथ 73,745 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 356 अंकों के उछाल के साथ 22,338 पर बंद हुआ है.

सेक्टर का हाल

शेयर बाजार में आज आई तेजी में सबसे बड़ा योगदान बैंकिंग स्टॉक्स का रहा है. निफ्टी बैंक 2.53 फीसदी और 1166 अंकों के उछाल के साथ क्लोज हुआ है. निफ्टी बैंक के सभी 12 शेयर हरे निशान में बंद हुए. निफ्टी पीएसयू बैंक के इंडेक्स में भी जोरदार उछाल देखने को मिला है. इसके अलावा ऑटो, एफएमसीजी, मेटल्स, एनर्जी, इंफ्रा, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑयल एंड गैस सेक्टर के स्टॉक्स तेजी के साथ बंद हुए.

जबकि हेल्थकेयर, फार्मा और आईटी शेयरों में गिरावट देखने को मिली है. मिडकैप और स्मॉलकैप सेक्टर के स्टॉक्स में भी हरियाली देखने को मिली है. दोनों ही इंडेक्स तेजी के साथ बंद हुए.

मार्केट कैप में उछाल

शेयर बाजार में शानदार तेजी के चलते बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों के मार्केट कैप में जोरदार उछाल देखने को मिला है. आज के कारोबार में बीएसई का मार्केट कैप 4.28 लाख करोड़ रुपये के उछाल के साथ 392.23 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है. जबकि पिछले सत्र में मार्केट कैप 387.95 लाख करोड़ रुपये रहा था. आज के ट्रेड में टाटा स्टील 6.46 फीसदी, लार्सन 4.48 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 3.30 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु - वसंत
महावीर निर्वाण संवत -2550, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय -06-37
सूर्यास्त. -18-19
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी - 07:53 - तक उपरान्त सप्तमी
मास - फाल्गुन कृष्ण पक्ष , शनिवार 02 March
नक्षत्र - विशाखा - 14 - 42 - तक उपरान्त अनुराधा
योग - व्याघात - 18 - 05 - तक उप हर्षण
करण- वणिज - 07 - 53 - तक उप- विष्टि
विशेष:-
व्रत -त्योहार - भद्रा काल-07-54 से

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ में	कुंभ...	05-39 बजे
चंद्र-	तुला में	मीन...	07-16 बजे
मंगल	मकर में	मेष--	08-52 बजे
बुध-	कुंभ पें	वृष--	10-36 बजे
गुरु-	मेष में	मिथुन..	12-38 बजे
शुक्र-	मकर में	कर्क...	14-50 बजे
शनि-	कुंभ में	सिंह...	17-02 बजे
राहु-	मीन में	कन्या..	19-09 बजे
केतु-	कन्या में	तुला.....	21-14 बजे
		वृश्चिक..	23-23 बजे
		धनु.....	01-37 बजे
		मकर...	03-44 बजे

विशेष:- राशिफल ग्हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:31 से 10:59 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	06:37 - 08:03	अशुभ	लाभ	18:19 - 19:53	शुभ
शुभ.	08:03 - 09:31	शुभ	उत्पात	19:53 - 21:25	अशुभ
रोग	09:31 - 10:59	अशुभ	शुभ	21:25 - 22:56	शुभ
उत्पात	10:59 - 12:28	अशुभ	अमृत	22:56 - 24:28	शुभ
चंचल	12:28 - 13:57	शुभ	चंचल	24:28 - 01:59	शुभ
लाभ	13:57 - 15:25	शुभ	रोग	01:59 - 03:31	अशुभ
अमृत	15:25 - 16:53	शुभ	काल	03:31 - 05:02	अशुभ
काल	16:53 - 18:19	अशुभ	लाभ	05:02 - 06:37	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आपके कार्य क्षेत्र में आपके सितारे आपका साथ देंगे । ये आपकी वित्तीय जरुरतो के लिए काफी संतोषजनक है , लेकिन यह कार्यालय में ईर्ष्या को भी जन्म देगा । आज आपको अपने सहयोगियों के साथ पुराने बातें भूलकर उनके साथ आगे बढ़ना है परन्तु आपको दुश्मन और दोस्त की पहचान करने की भी जरूरत है क्यों की कोई सहकर्मी आपके करियर के विपरीत कार्य कर सकता है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आपको ऐसे लोगों का सामना करना पड़ सकता है जो अपने दृष्टिकोण और मांग में काफी तेज होंगे , लेकिन अपने पेशेवर लाभ और अपनी कंपनी के प्रचार के लिए ये सब आपको झेलना और सहना पड सकता है , हालांकि आपके शांति और धैर्य को देखकर , एक सफल विज्ञापन एजेंसी व्यापार के लिए आपसे संपर्क कर सकती हैं और अगर सब कुछ ठीक रहता है तो आपको एक उन्नत पद पर पदोन्नत किया जा सकता है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
काम करते हुए आप एक विस्तृत दृष्टिकोण को अपनाते है । यह आपका सकारात्मक पहलू है और इस सप्ताह के अंत में आपका दृष्टिकोण मौद्रिक लाभ में बदलेगा । जोड़-तोड़ से बचें और जो भी करे ईमानदारी से करे । आपके काम की गुणवत्ता आपके काम की मात्रा के बजाय ज्यादा महत्व रखेगी । वफ़ादारी स्वागतयोगनीय होगी जो किसी भी मुश्किल स्थिति से आपको बाहर निकल देगी ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
यह गतिविधियों और उपलब्धियों को याद करने या समर्थन करने का अछा समय है और ये आपकी उपलब्धियों को मजबूती देगा की आप रास्ते पर प्रथम है । ये समय नयी शुरुआत करने के लिए अच्छा है चाहे वह नई परियोजना या एक नई नौकरी को लेकर हो । इस ऊर्जा को जब तक बनाए रखने की कोशिश करें , जब तक आप अपनी मंज़िल पर नहीं पहुंच जाते ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
एक दुर्लभ नौकरी का अवसर आज आपके दरवाजे पर दस्तक देने के लिए आ रहा है। यह विचार करने पर कुछ हद तक जोखिम भरा लगेगा , लेकिन आप उस पर कार्रवाई करते हैं, तो आप अपने कैरियर को एक नया मोड़ दे सकते हैं। सुरक्षित और संकीर्ण रास्ते की तुलना में ये समय जोखिम लेने के लिए है ताकि जो आप अपने जीवन में करना चाहते है वो पूरा हो ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आज का दिन उन लोगों के लिए सबसे अनुकूल है , जो किसी भी स्वास्थ्य से संबंधित व्यवसायों में हैं । डॉक्टरों, नर्सों, चिकित्सकों, अस्पताल प्रशासकों और यहां तक कि मेडिकल छात्रों की सफलता के लिए आज का दिन उपयुक्त है । अगर आप किसी विशेषज्ञ से परामर्श लें रहे है तो इस सलाह को माने क्यों की ये आपके पेशेवर जीवन के लिए इस समय बहुत ही प्रासंगिक होगी।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपके प्रतियोगी आपको नीचा दिखाने की कोशिश करेंगे , लेकिन आपकी विस्फोटक आत्मविश्वास की भावना आपको अपराजेय रखेगी । इस समय आप अपना विनम्र स्वाभाव बंद करे ताकि कोई आपका अनुचित लाभ न ले । आपको कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है जिसका इंतजार आप लम्बे समय से कर रहे थे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
अगर आप इसे बारे में सतर्क और जागरूक रहे की दूसरे क्या कर रहे हैं , तो आप अपने व्यक्तिगत काम में बेहतर तरीके से सुधार कर सकते हैं। उनकी चिंताओं को समझने की कोशिश करे और एक तारतम्य स्थापित करे की आप क्या चाहते है और उन्हें क्या चाहिए । अतीत में की गई निवेश की गलतियाँ का भुगतान अब आपको करना पड़ सकता है , लेकिन आप अपनी समझदारी से स्थिति को संभाल सकते है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
प्रमुख परिवर्तन आज आपके कार्यस्थल पर होने की उम्मीद हैं। वास्तव में आपके आय अर्जित करने के साधन में परिवर्तन आ सकता है , और आप ऐसे कार्य में लिप्त हो सकते है जिसको आप करना चाह रहे थे परन्तु आपने सपने में भी नहीं सोचा था , की ऐसा अवसर आपको मिल सकता है । आप अपने कार्यस्थल पर नवीन विचारो एवं नए दृष्टिकोण के साथ आ सकते है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
काम का दबाव आप पर बढ़ेगा और आप उन चीजो से दूर हो सकते है जिन को करने में आपको आनंद आता था । आपको आराम करने के लिए ज्यादा समय नहीं मिल पायेगा इसलिए आपको जीवन की छोटी बातों से आनंद लेना होगा । ये बहुत ही संतोषजनक और आपके सामान्य प्रयास की तुलना में कम खर्चीला साबित होगा , इसका अर्थ है की आज कुछ अनावश्यक खर्चो पर आप बचत कर पायेंगे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपके व्यावसायिक कौशल में तेजी आयेगी और आप एक मजबूत भावना के साथ पेशेवर दौड़ में वापस स्थापित होंगे । आपको अपने पद और आय को एक समान या बढ़ाने के अवसर प्राप्त होंगे और अभी तक आप अपने कार्य और पद की तुलना में काफी अल्प आय प्राप्त कर रहे थे।दिन की शुरुआत में आपके और आपके पार्टनर के बीच मतभेद कुछ बढ़ सकते हैं।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप किसी भी सरकारी हस्तक्षेप के बिना छुट्टियों के कुछ दिन बिताने के बाद अब वापस अपनी कार्य करने की शैली में वापस आ गए है , लेकिन आपके ग्राहकों, सहयोगियों के व्यवहार से ऐसा नहीं लगता । उन्हें समझे और उनकी समस्याओं के प्रति सम्मान दिखाए । उन्हें कार्यो से हटकर कुछ मानसिक शांति देने का प्रयास करे लेकिन उन्हें ऐसा न लगे की आप उन पर कोई एहसान कर रहे है ।

पं ।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

हिमाचल में खतरा टला नहीं है मेरे दोस्त

बीजेपी को पूरा भरोसा है कि देर-सबेर सरकार का गिरना तय है

शिमला, 1 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। आए थे हरि भजन को, ओटन लगे कपास। ये कहावत हिमाचल प्रदेश की मौजूदा राजनीति पर सटीक बैठती है। प्रदेश की इकलौती राज्यसभा सीट के लिए 27 फरवरी को चुनाव हुए। बीजेपी ने जोर लगाया तो झट से कांग्रेस की झोली से उसके 6 विधायकों ने क्रास वोटिंग कर दी।

जीत की दहलीज पर खड़े कांग्रेस उम्मीदवार अभिषेक मनु सिंघवी हार गए और बीजेपी के हर्ष महाजन ने जीत दर्ज की। यहां से उठे सियासी तूफान में हिमाचल प्रदेश की दमदार बहुमत वाली सुक्खू सरकार अचानक लड़खड़ाने लगी। कांग्रेस ऑब्जर्वर भले दावा कर रहे हैं कि ऑपरेशन लोटस फेल हो गया है, पार्टी और विधायकों के सभी मतभेद सुलझा लिए गए हैं। लेकिन जानकार मानते हैं कि पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त।

क्रॉस वोटिंग से शुरू हुई कहानी

हिमाचल प्रदेश विधानसभा में कुल 68 सीटें हैं। इनमें कांग्रेस के 40 विधायकों के साथ पूर्ण बहुमत की सरकार चला रही है। बीजेपी के 25 विधायक हैं और 3 निर्दलीय हैं। राज्यसभा की एक सीट के लिए विधायकों की प्रथम वरीयता के 35 वोट चाहिए थे। यानी बीजेपी को 10 और वोटों की दरकार थी। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के 6 विधायकों ने बीजेपी के पाले में क्रॉस वोटिंग कर दी। 3 निर्दलियों का भी साथ बीजेपी को मिल गया। कांग्रेस और बीजेपी को 34-34 वोट मिले। मटकी से पर्ची निकाली गई और बीजेपी के प्रत्याशी जीत गए।

अगले दिन हिमाचल प्रदेश विधानसभा में मनी बिल पास होना था। अगर मनी बिल पारित नहीं होता, तो सरकार अल्पमत में मानी जाती है और गिर भी सकती थी। इसी बीच सुक्खू सरकार पर एक और मुसीबत टूट पड़ी, जब उनके मंत्रिमंडल के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने इस्तीफा दे दिया। वो छह बार वहां के सीएम रह चुके स्वर्गीय वीरभद्र सिंह के बेटे हैं। इस्तीफे की घोषणा करते हुए विक्रमादित्य सिंह ने कहा- 'सरकार में व्यवस्था ठीक नहीं रही, विधायकों की अनदेखी हुई। उनकी आवाज दबाने की कोशिश हुई। इसलिए हम इस कगार पर खड़े हैं। इन मुद्दों को हमने लगातार पार्टी नेतृत्व के सामने उठाया लेकिन उचित संज्ञान नहीं लिया गया।' राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि हिमाचल प्रदेश में सरकार बनने के बाद से ही पार्टी के कई नेता ये महसूस करने लगे थे कि उनकी अनदेखी हो रही है। पार्टी विधायकों की नाराजगी मौके मिलते ही खुलकर आ गई। दूसरी तरफ बीजेपी की तरफ से नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर राज्यपाल से मिलने पहुंच गए। उन्होंने कहा विधानसभा में कांग्रेस का बहुमत होने के बावजूद, राज्यसभा में बीजेपी के प्रत्याशी का जीतना ये संदेश देता है कि कांग्रेस प्रदेश की सत्ता में रहने का अधिकार खो चुकी है। जयराम ठाकुर ने अंदेशा जताया कि जिस तरह का व्यवहार विधानसभा अध्यक्ष का है, वो बीजेपी विधायकों को सस्पेंड कर सकते हैं।

बजट सत्र शुरू हुआ तो जयराम का अंदेशा ठीक निकला। कार्यवाही शुरू होते ही स्पीकर कुलदीप सिंह पठानिया ने जयराम ठाकुर सहित 15 बीजेपी विधायकों को सदन की कार्यवाही से निष्कासित कर दिया। इधर खबर उड़ी कि मुख्यमंत्री सुक्खू ने इस्तीफा देने की पेशकश कर दी है। इस पर सुक्खू सामने आए और इस्तीफे की खबर को अफवाह बताया। दिल्ली से जयराम रमेश ने भी कहा कि हम ऑपरेशन लोटस का सामना करने के लिए जरूरी कदम उठा रहे हैं। दो पर्यवेक्षक भी शिमला भेजे गए- भूपेंद्र हुड्डा और डीके शिवकुमार।

विधानसभा में बजट पारित हो गया। ये सीएम सुक्खू के लिए फौरी राहत थी। मीडिया के सामने कुछ मुस्कराते हुए सुक्खू बोले- सत्ता को हथियाने की कोशिश नाकाम हुई है। सभी विधायकों ने मिलकर बजट पारित किया है। बीजेपी नेता जयराम ठाकुर ने कहा कि उन्हें किसी तरह बजट पास कराना था

वरना सरकार गिर जाती। इसलिए आज बिना किसी वजह मेरे सहित 15 विधायकों को निलंबित किया गया। हालांकि, अभी ऐसा लगता नहीं कि कांग्रेस का संकट पूरी तरह टल गया है। क्रॉस वोटिंग करने वाले कांग्रेस विधायकों में से एक रवि ठाकुर से पूछा गया कि वे कांग्रेस के साथ हैं या बीजेपी के? तो उन्होंने कहा, बीजेपी। हिमाचल विधानसभा के स्पीकर कुलदीप पठानिया ने राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वाले 6 कांग्रेसी विधायकों को अयोग्य करार दे दिया है। उन्हें पार्टी व्हिप के उल्लंघन का दोषी माना गया है। हिमाचल के इतिहास में पहली बार विधायकों पर ऐसी कार्रवाई की गई है। स्पीकर ने कहा, 'ये लोग आया राम, गया राम की पॉलिटिक्स कर रहे हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। इन लोगों ने खुद एंटी डिफेक्शन लॉ को न्योता दिया।' कांग्रेस के 6 बागी विधायकों ने स्पीकर के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दे दी है। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि सरकार बचाने की जितनी भी कोशिश कर ले, सरकार बचने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार गिराने में हमसे ज्यादा कांग्रेस के लोग लगे हैं। हम तो 25 थे। उनके लोग ही टूटते जा रहे हैं। ये सिलसिला अभी चलता रहेगा। हिमाचल में कुल 68 विधायक हैं। 6 विधायकों को अयोग्य ठहराने के बाद कांग्रेस के पास अब 34 एमएलए बचे हैं। भाजपा के 25 विधायक हैं, जबकि 3 निर्दलीय हैं। अगर 3 निर्दलीय और भाजपा मिलते हैं तो भी 28 ही विधायक हो रहे हैं। फ्लोर टेस्ट की नौबत आई तो कांग्रेस सरकार आसानी से बहुमत साबित कर लेगी। हालांकि, अगर विक्रमादित्य और उनका खेमा बगावत करता है तो सरकार खतरे में आ जाएगी। हालांकि, फिलहाल बगावत थोड़ा मुश्किल दिख रही है। कांग्रेस के 34 विधायक बचे हैं और अब दलबदल कानून से बचने के लिए दो तिहाई, यानी 22 विधायकों को तोड़ना होगा, जो संभव नहीं लग रहा है। 6 बागी विधायकों पर कार्रवाई के बाद विक्रमादित्य गुट के पास सिर्फ 12-13 विधायक ही बचे हैं।

हिमाचल की सियासत में आगे क्या होगा?

विधायकों की सदस्यता रद्द करने पर विक्रमादित्य सिंह ने कहा, 'मेरा इस पर कुछ भी कहना उचित नहीं है। हमारे ऑब्जर्वर शिमला में हैं, उन्होंने परिस्थिति को देखा है और फिर स्पीकर ने फैसला लिया है। इस्तीफे पर उन्होंने कहा कि मामला हाईकमान के ध्यान में लाया गया है। बातचीत चल रही है। पर्यवेक्षक यहां हैं और वे सब कुछ ठीक करने की कोशिश कर रहे हैं।'

कांग्रेस के पास दो रास्ते हैं- पहला- दोबारा चुनाव करा लिए जाएं या कोई ऐसा फॉर्मूला बनाए, जिससे सबको मनाकर सरकार चलाई जा सके। कई जानकार मानते हैं कि कांग्रेस दूसरे विकल्प को सफल बनाने की कोशिश करेगी। कांग्रेस और कांग्रेसी विधायक किसी भी हालत में चुनाव में नहीं जाना चाहेंगे। हुआ भी यही। हिमाचल प्रदेश में सरकार पर और क्रॉस वोटिंग पर कांग्रेस ने 29 फरवरी की शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार, हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा सुखविंदर सुक्खू शामिल थे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पार्टी और विधायकों के बीच सारे मतभेद सुलझा लिए गए हैं।

सुक्खू सीएम बने रहेंगे। ऑपरेशन लोटस फेल हो गया है। हमारे लिए अब लोकसभा चुनाव प्राथमिकता है। बीजेपी का खेमा अपनी रणनीति को लेकर आश्वस्त दिख रहा है। राज्यसभा जीतने वाले बीजेपी के हर्ष महाजन कह रहे हैं कि क्वालीफाई-डिसक्वालिफाई करने से कुछ नहीं होगा। आज नहीं तो कल यहां भाजपा की सरकार बनेगी। कैसे बनती है ये आने वाले वक्त में पता चलेगा। लगभग यही बात जयराम ठाकुर भी कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार बचाने की जितनी भी कोशिश कर ले, सरकार बचने वाली नहीं है।

हिमाचल की राजनीति को करीब से जानने वाले कहते हैं कि कांग्रेस सरकार संकट का पहला पड़ाव तो पार कर गई है। सुक्खू मंदिर में माथा टेकने गए। विधानसभा एक दिन पहले ही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई है, लेकिन बीजेपी आलाकमान स्थितियों पर लगातार नजर बनाए है। बीजेपी राज्यसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतने की कवायद में थी। इसी बीच उसके लिए हिमाचल में सरकार बनाने का भी मौक़ा बन गया। वो हर सीट, हर चुनाव और हर मौके के लिए आक्रामक रहते हैं। हर्ष महाजन, 40 साल कांग्रेस में रहे। 3 बार विधायक रहे हैं। विक्रमादित्य सिंह से उनके अच्छे संबंध हैं। उन्हें उम्मीदवार बनाना ही साफ करता है कि बीजेपी एक सीट बढ़ाने के लिए भी उतना ही संघर्ष करेगी जितना एक राज्य के चुनाव के लिए।'

हिमाचल हाथ से निकला तो कांग्रेस का क्या होगा?

बीते साल नवंबर में छत्तीसगढ़ और राजस्थान हारने के बाद उत्तर भारत में हिमाचल प्रदेश अकेला ऐसा राज्य है, जहां कांग्रेस की पूर्ण बहुमत की सरकार है। दक्षिण में दो राज्य और हैं- कर्नाटक और तेलंगाना, जहां कांग्रेस अपने दम पर सरकार चला रही है। वहीं, झारखंड और तमिलनाडु में कांग्रेस सत्ताधारी गठबंधन का हिस्सा है। हिमाचल में कांग्रेस की सरकार नहीं बची तो समूचे उत्तर भारत में कांग्रेस सत्ता से दूर हो जाएगी। जानकार कहते हैं कि हिमाचल का संकट, कांग्रेस की अपनी कमजोरी भी है। ये कांग्रेस की लीडरशिप फेल होने का नतीजा है। पार्टी में सबको साथ लेकर चलने की जरूरत होती है। कांग्रेस ये नहीं कर पाई। कांग्रेस लीडरशिप मध्यप्रदेश, राजस्थान और कमोबेश छत्तीसगढ़ में भी इसी तरह असफल रही थी।

पीएम का पूर्व सीएम सोरेन पर तंज

धनबाद की सभा में कहा- नारा इतना जोर से लगाओ कि आवाज जेल तक जाए

धनबाद, 1 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के झारखंड और पश्चिम बंगाल दौरे पर हैं। पहले वे धनबाद पहुंचे और बरवाअड्डा में उन्होंने जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने जेएमएम-कांग्रेस पर निशाना साधा। पीएम ने कहा कि जेएमएम का मतलब- जमकर खाओ। पहले झारखंड में कोयले के ढेर मिलते थे, अब नोट के मिलते हैं। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि यहां हो रहे नारों की गूंज जेल तक जानी चाहिए। बता दें कि जमीन घोटाले के आरोप में हेमंत सोरेन जेल में हैं। सभा स्थल तक पहुंचने के दौरान पीएम मोदी ने रोड शो किया। इससे पहले पीएम ने धनबाद के सिंदरी में हर्ल कारखाने को देश को समर्पित किया। जहां पीएम ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'मैंने हर्ल कारखाने को शुरू करने का संकल्प लिया था। ये मोदी की गारंटी थी और

पीएम ने कहा कि जेएमएम का मतलब- जमकर खाओ। पहले झारखंड में कोयले के ढेर मिलते थे, अब नोट के मिलते हैं

आज ये गारंटी पूरी हुई।'

इसके साथ ही पीएम ने झारखंड में 35 हजार 700 करोड़ की अलग-अलग योजनाओं की शुरुआत और ऑनलाइन शिलान्यास किया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देवघर से गोड्डा को सीधे जोड़ने वाली मोहनपुर-हंसडीहा नई रेल लाइन और देवघर-डिब्रूगढ़ ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर पीएम मोदी ने इसकी शुरुआत की।

सुरक्षाबलों ने 5 किलो का आईईडी डिफ्यूज किया

चाईबासा, 1 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सुरक्षा बलों के हाथ बड़ी सफलता लगी है। सुरक्षा बल ने टोन्टो थाना क्षेत्र के वनग्राम जिम्की इकीर के पास जंगली पहाड़ी क्षेत्र में अभियान चलाकर दो नक्सली कैम्प को डिफ्यूज कर दिया है। चाईबासा पुलिस ने कल रात लगभग 8 बजे इसकी जानकारी दी। नक्सलियों ने इन रास्तों में कई आईईडी बम बिछा रखे थे, जिसे सुरक्षाबलों ने जमीन में गाड़कर डिफ्यूज कर दिया। अभी भी कई जगहों में आईईडी मिलने की खबर है। सर्च अभियान चलाया जा रहा है। इन इलाकों में कई नक्सली कैंप भी मौजूद हैं।

सुरक्षा बल ने इस अभियान में सात नक्सलियों के बंकर भी नष्ट किए हैं। इन बंकरों में करीब 60-70 लोगों की ठहरने की सुविधा थी। नक्सली लंबे समय तक इन बंकरों में ही रहकर सुरक्षा बलों का सामना कर रहे थे, लेकिन अब नक्सल अभियान में धीरे- धीरे सुरक्षाबलों की स्थिति मजबूत हो रही है। सुरक्षा बल ने अपने इस अभियान में नक्सली कैंप से नक्सली वर्दी, पुल प्रेशर आईईडी मैकनिज्म, नक्सली साहित्य, सिरिंज आईईडी मैकनिज्म सहित कई अन्य सामान भी बरामद किए हैं। पुलिस लगातार नक्सलियों के करीब अंदर घने जंगल में प्रवेश कर रही है और जैसे-जैसे सुरक्षा बल नक्सलियों के करीब पहुंच रही है, कई बंकर और आईईडी को डिफ्यूज कर रही है। अब भी इन इलाकों में सर्च अभियान जारी है। नक्सली इस अभियान से बौखला गए हैं और ऐसे इलाकों में भी स्पाइक और आईईडी लगा रहे हैं, जो ग्रामीण इलाका है। नक्सलियों की आईईडी की चपेट में आने से कई स्थानीय ग्रामीणों की भी मौत हो चुकी है।

नक्सल प्रभावित सुकमा के गांव में सरकार ने हेलीकॉप्टर से पहुंचाए प्रश्नपत्र

सुकमा, 1 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले के अंदरूनी इलाके में स्थित एक परीक्षा केंद्र तक बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्र पहुंचाने के लिए हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया। दरअसल छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीजीबीएसई) की 12वीं कक्षा की परीक्षा शुक्रवार से शुरू हो गई, जबकि 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं शनिवार से शुरू होने वाली हैं। यह लगातार दूसरा साल है जब सुकमा के जगरगुंडा परीक्षा केंद्र तक बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्र ले जाने के लिए हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कार्यालय ने गुरुवार रात को अपने 'एक्स' हैंडल पर जगरगुंडा में केंद्र तक बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्र पहुंचाने वाले हेलीकॉप्टर की तस्वीरें पोस्ट

कीं और लिखा कि उनके राज्य में छात्रों का भविष्य सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें आगे कहा कि यह हमारा छत्तीसगढ़ है, जहां बच्चों का भविष्य हमारी सर्वोच्च चिंता है।

प्रश्नपत्र हेलीकॉप्टर से सुकमा के जगरगुंडा भेजे गए। बोर्ड परीक्षाएं एक मार्च से शुरू हो रही हैं। सीएम साय ने स्थानीय जिला प्रशासन के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को संवारने के लिए की गई पहल सराहनीय है। कोई भी बच्चा अच्छी शिक्षा से वंचित न रहे। छत्तीसगढ़ सरकार बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है। जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि सुकमा जिले में बोर्ड परीक्षाओं के लिए 16 केंद्रों में से, सुरक्षा कारणों के मद्देनजर प्रश्न पत्र 27 फरवरी को एक हेलिकॉप्टर से जगरगुंडा केंद्र पर भेजे गए थे। उन्होंने कहा कि विभिन्न स्कूलों के कक्षा 12 के 16 और कक्षा 10 के 20 सहित कुल 36 छात्र जगरगुंडा केंद्र में परीक्षा देंगे। राज्य में चल रहे शैक्षणिक सत्र में एक से 23 मार्च तक होने वाली कक्षा 12वीं की राज्य बोर्ड परीक्षा के लिए 2.61 लाख से अधिक छात्रों ने नामांकन किया है, जबकि दो से 21 मार्च के बीच होने वाली कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाओं के लिए 3.45 लाख से अधिक छात्रों ने नामांकन किया है।

कोरबा से सरोज, दुर्ग से विजय बघेल का नाम लगभग तय

बीजेपी केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में लगी मुहर, जल्द हो सकता है उम्मीदवारों का ऐलान

सरोज पांडे (कोरबा सीट से नाम लगभग तय) | विजय बघेल (दुर्ग सीट से नाम लगभग तय)

रायपुर, 1 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बीजेपी के लोकसभा उम्मीदवारों के नाम तय कर लिए गए हैं। शुक्रवार शाम तक या जल्द ही इनका ऐलान भी हो जाएगा। गुरुवार रात से दिल्ली में शुरू हुई केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद अब खबर आ रही है कि दो सीटों पर कैंडिडेट लगभग फाइनल कर लिए गए हैं। खबर है कि कोरबा से सरोज पांडे और दुर्ग से विजय बघेल बीजेपी बीजेपी उम्मीदवार होंगे।

दिल्ली में हुई इस बैठक में छत्तीसगढ़ से मुख्यमंत्री विष्णु देव और उपमुख्यमंत्री अरुण साव शामिल हुए थे। दिल्ली से लौटने के बाद अरुण साव ने कहा केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में संभावित प्रत्याशियों को लेकर चर्चा की गई है। जल्द सूची आ सकती है। साव ने कहा कि केंद्रीय चुनाव समिति के सामने विस्तार से संभावित प्रत्याशियों के बारे में चर्चा हुई है और बहुत जल्द प्रत्याशियों की सूची केंद्रीय चुनाव समिति के विचार करने के बाद घोषित करेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी योग्य और जीतने वाले चेहरे को चुनाव मैदान में उतरेगी। साव ने कहा जिस तरह से आज छत्तीसगढ़ समेत पूरे देश का वातावरण मोदीमय है। छत्तीसगढ़ की जनता जिस तरह से नरेंद्र मोदी की योजनाओं और कामों से प्रभावित है, ऐसे में यहां कि जनता 11 की 11 सीट मोदी जी की झोली में डालेगी। उप मुख्यमंत्री अरुण ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अभी से हार मान चुकी है। उनके बड़े-बड़े नेता चुनाव लड़ने से मना कर रहे हैं।

दिल्ली में बीजेपी केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में जिन नामों की चर्चा हुई उनमें सरगुजा सीट के लिए कमलभान सिंह, रामसेवक पैकरा, विजय नाथ सिंह, रामकिसुन सिंह की दावेदारी पर विचार हुआ है। रायगढ़ सीट के लिए आरपी साय, गोमती साय, सुषमा खलको, गेंदलाल कंवर, सत्यानंद राठिया, शांता साय, गणेशराम भगत, रजनी राठिया के नाम पर चर्चा हुई।

गांजा तस्करी के आरोपी 3 साल बाद सुकमा से गिरफ्तार

कबीरधाम, 1 मार्च (एजेंसियां)। कवर्धा जिले के बोड़ला पुलिस ने फरार आरोपी करण सोढ़ी और राजू मरकाम को गिरफ्तार कर लिया है। तीन साल पहले 30 किलो गांजे की तस्करी करते समय पुलिस को चकमा देकर दोनों भाग गए थे। पुलिस ने बताया कि 31 मार्च 2021 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि 2 आरोपी बाइक से गांजा लेकर रायपुर से जबलपुर की ओर जा रहे हैं। पुलिस ने सूचना मिलते ही रायपुर-जबलपुर नेशनल हाईवे-30 पर घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ने की तैयारी में थी। लेकिन आरोपी बहुत शातिर थे। पुलिस तक पहुंचने से पहले ही जंगल के रास्ते भागने लगे। पुलिस भी आरोपी का पीछा करते जंगल में गई, लेकिन आरोपी गांजा और बाइक छोड़कर भाग निकले थे।

ग्रामीणों ने पुलिस मुठभेड़ को बताया फर्जी

कहा- नक्सली नहीं, आम लोग मारे गए, कांग्रेस ने बनाई जांच समिति

कांकेर, 1 मार्च (एजेंसियां)। कोयलीबेड़ा में हुए नक्सली मुठभेड़ को लेकर सियासत गर्म हो गई है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी ने मुठभेड़ की वास्तविकता को लेकर जांच दल का गठन किया है। मुठभेड़ की जांच को लेकर गुरुवार को 7 सदस्यीय टीम कोयलीबेड़ा रवाना हुई है। 25 फरवरी को पुलिस ने नक्सल मुठभेड़ में 3 नक्सलियों मार गिराने का दावा किया था, लेकिन मृतकों के परिजनों ने मुठभेड़ को लेकर फर्जी बताया था। मुठभेड़ में मारे गए लोगों को आम ग्रामीण होने का दावा किया था। इसके बाद से कांग्रेस से पूर्व विधायक शिशुपाल शोरी के नेतृत्व में 7 सदस्यों की टीम प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने गठित किया था। सुरक्षा कारणों से जांच दल को कोयलीबेड़ा जाने से पुलिस रोक सकती है। बता दें कि 25 फरवरी को कोयलीबेड़ा के भोमरा, हुरतराई के जंगल में पुलिस नक्सली मुठभेड़ की खबर सामने आई थी। पुलिस का कहना है कि इस दौरान नक्सली की कंपनी नंबर 5 से मुठभेड़ हुई। पुलिस ने मुठभेड़ में 3 माओवादियों को मार गिराने का दावा किया है, जिनके पास से 3 भरमार भी बरामद किए गए। घटना के बाद से ग्रामीण व परिजन पुलिस पर आरोप लगाते हुए घटना को गलत बता रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि मारे गए तीनों नक्सली नहीं हैं। वह सभी आम ग्रामीण हैं, जो जंगल तेंदूपत्ता बांधने के लिए रस्सी लेने गए थे। मामला तूल पकड़ता देख अब कांग्रेस पार्टी भी सामने आ गई है। पार्टी ने मुठभेड़ की जांच के लिए सात लोगों की टीम तैयार की है, जो मुठभेड़ से जुड़ी रिपोर्ट तैयार करेगी। पार्टी ने 28 फरवरी की शाम आदेश जारी करते हुए कहा है कि अविलंब प्रभावित गांवों का दौरा कर पीड़ित परिजनों सहित स्थानीय ग्रामीणों से भेंट चर्चा कर घटना की वस्तुस्थिति से अवगत होकर प्रतिवेदन प्रदेश कांग्रेस कमेटी को प्रेषित करें।

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज ने पूर्व विधायक शिशुपाल शोरी के नेतृत्व में सात सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। इसमें शिशुपाल शोरी संयोजक, पूर्व विधायक संतराम नेताम, पूर्व विधायक शंकर ध्रुवा, कांकेर कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुभद्रा सलाम को सदस्य बनाया गया है।

विधवा महिला को पुनर्विवाह करने पर राज्य सरकार अब देगी दो लाख रुपए प्रोत्साहन राशि

बाघमारा, 1 मार्च (एजेंसियां)। महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग झारखंड सरकार द्वारा विधवा महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा, कल्याण, सामाजिक उत्थान एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए राज्य विधवा पुनर्विवाह प्रोत्साहन योजना चलाया जा रहा है। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष में एक करोड़ रुपया राज्यांश राशि के व्यय की स्वीकृति प्रदान की है। राज्य सरकार द्वारा किशोरियों व महिलाओं को सुदृढ़ पोषण, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं उपलब्ध करने, महिलाओं से संबंधित उत्कृष्ट सामाजिक रिवाज प्रवृत्त करने के लिए महिला एवं किशोरी कल्याण योजना शुरू की गई है। योजना के तहत विधवा पुनर्विवाह को भी प्रोत्साहित करना है। आवेदन के साथ राज्य के निवासी संबंधी वैध प्रमाण पत्र व निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, आयु प्रमाण पत्र, पुनर्विवाह के संदर्भ में विवाह निबंधन प्रमाण पत्र, दिवंगत पति का मृत्यु प्रमाण पत्र, लाभार्थी का एकल बचत बैंक खाता की प्रति एवं लाभुक की ओर से स्व घोषणा पत्र जमा करना होगा।

बिलासपुर-कोरबा समेत कई शहरों में ईडी के छापे

कोरिया, 1 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में जांच एजेंसी ईडी ने कोरबा, बिलासपुर, जांजगीर, सूरजपुर, बलरामपुर, बैकुंठपुर में छापेमारी की है। बालोद के डोंडीनगर में पूर्व मंत्री अनिला भेंडिया के प्रतिनिधि पीयूष सोनी, बैकुंठपुर जनपद के सीईओ राधेश्याम मिश्रा और कोरबा के कांग्रेस नेता जेपी अग्रवाल के घर पर कार्रवाई चल रही है। बताया जा रहा है कि डीएमएफ (खनिज संस्थान न्यास) की राशि में अनियमितता को लेकर जांच एजेंसी ने ये कार्रवाई की है। पूर्व मंत्री अनिला भेंडिया के प्रतिनिधि पीयूष सोनी हाल ही में ईडी की रडार पर आए थे। बालोद जिले के डोंडी नगर में पूर्व मंत्री अनिला भेंडिया के प्रतिनिधि पीयूष सोनी के आवास पर शुक्रवार सुबह पांच बजे ईडी के अधिकारी दो गाड़ियों से पहुंचे।

पुलिस को मिली बड़ी सफलता

44 लाख रूपये से ज्यादा का गांजा बरामद, आरोपियों को भेजा जेल

धमतरी, 1 मार्च (एजेंसियां)। धमतरी जिले में बोराई पुलिस को चेकिंग के दौरान बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने करीब 221 किलोग्राम मादक पदार्थ गांजा जिसकी लगभग कीमती 44 लाख 26 हजार रूपये को ट्रक से बरामद किया है। बताया गया कि बोराई थाना पुलिस रोज की तरह उडीसा राज्य की ओर से आने वाले वाहनों कि चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान एक ट्रक को तलाशी के लिए रोका गया। जिसकी तलाशी के दौरान ट्रक से बड़ी मात्रा में नौ नग सफेद बोरे में 43 पैकेट टेप लिपटा गांजा बरामद किया गया। जिसकी कीमत लगभग 44 लाख 26 हजार 260 रुपये बताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि पकडे गए आरोपी अशोक शर्मा और जीवन लाल गुर्जर दोनों राजस्थान के रहने वाले हैं जो उडीसा से गांजा खरीदने के बाद ट्रक में भर कर राजस्थान ले जा रहे थे। पुलिस ने दोनों आरोपीयों के खिलाफ धारा 20 (ख) नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया है। साथ ही तस्करी में इस्तेमाल ट्रक को भी जब्त कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

अमेरिका के अलबामा राज्य में सिख की हत्या

गुरुद्वारे के बाहर हमलावरों ने गोली मारी 5 दिन बाद भी पोस्टमार्टम नहीं हुआ

वॉशिंगटन, 1 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के अलबामा राज्य में एक सिख व्यक्ति की हत्या कर दी गई। राज सिंह (गोल्डी) को गुरुद्वारे के बाहर गोली मारी गई। वो उत्तर प्रदेश के बिजनौर का रहने वाला था। अमेरिकी मीडिया के मुताबिक, घटना 24 फरवरी की है। राज अलबामा के सेल्मा शहर में गुरुद्वारे के बाहर खड़ा था तभी अज्ञात हमलावरों ने उसे गोली मार दी। उसके परिवार को घटना की जानकारी 25 फरवरी को दी गई।

राज के परिजन गुरदीप सिंह ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि हत्या के 5 दिन बाद भी राज का पोस्टमार्टम नहीं हो सका है। हालांकि, देरी की वजह नहीं बताई गई है। वहीं, हमलावरों और हत्या के मोटिव के बारे में जानकारी नहीं लग सकी है। परिजनों का कहना है कि ये हेट क्राइम का मामला हो सकता है। राज सिंह डेढ़ साल पहले ही अमेरिका गया था। वो म्यूजिशियन था और अपने म्यूजिकल ग्रुप के साथ ही रह रहा था। उसका परिवार भारत सरकार से शव को उत्तर प्रदेश लाए जाने में मदद मांग रहा है। फरवरी में हुई भारतीय की मौत का यह दूसरा मामला है। इसके पहले 15 फरवरी को अलबामा में एक ग्राहक ने भारतीय मूल के होटल मालिक की गोली मारकर हत्या कर दी। दोनों के बीच एक कमरे को लेकर हुए विवाद हुआ था।

पुलिस ने कहा था- शेफील्ड में हिलक्रेस्ट होटल के मालिक प्रवीण रावजीभाई पटेल (76) की हत्या आरोप में 34 साल के विलियम जेरेमी मूर को गिरफ्तार किया गया। मूर कमरा किराए पर लेने होटल आया था और इसी दौरान उसका पटेल से विवाद हो गया।

खाना लेने पहुंचे फिलिस्तीनियों पर फायरिंग, 112 की मौत

760 लोग घायल, इजराइली सैनिक बोले- इनसे खतरा महसूस हुआ था

यरुशलम, 1 मार्च (एजेंसियां)। इजराइली सैनिकों ने गुरुवार को राहत सामग्री (खाना) लेने पहुंचे गाजा के लोगों पर फायरिंग कर दी। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, इस दौरान 112 फिलिस्तीनी मारे गए। 760 लोग घायल हुए।

इजराइली सेना ने कहा- सैनिकों ने भीड़ पर इसलिए फायरिंग की क्योंकि उन्हें लोगों से खतरा महसूस हुआ। एक चश्मदीद ने न्यूज एजेंसी एएफपी को बताया- अल नाबुल्सी शहर में राहत सामग्री से भरा एक ट्रक पहुंचा था। लोगों ने इसे घेरना शुरू कर दिया। ट्रक के पास ही इजराइली सेना के टैंक और सैनिक खड़े थे। लोग उनकी तरफ भी बढ़ने लगे। इतने में सैनिकों ने फायरिंग शुरू कर दी। भगदड़ मच गई।

वहीं, सेना ने कहा- सभी लोगों ने जरूरत का सामान लूटना शुरू कर दिया। वो हमारी तरफ बढ़ रहे थे, हमें लगा वो लोग खतरनाक हो सकते हैं इसलिए फायरिंग की।

जिस ट्रक में राहत सामग्री आई उसी में शवों को ले जाया गया

7 अक्टूबर 2023 को शुरू हुई इजराइल-हमास जंग में अब तक 24 अस्पताल और 123 एम्बुलेंस तबाह हो चुकी हैं। कोई गाड़ी नहीं होने के कारण घायलों और शवों को गधा गाड़ी से अस्पताल ले जाया गया। इसके अलावा जिस ट्रक में राहत सामग्री पहुंची थी उसमें भी शवों और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। जंग में अब तक 30 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं।

खाना चुरा रहे हमास आतंकी

इजराइल का कहना है कि हमास आतंकी जरूरत का सामान गाजा के लोगों तक पहुंचने नहीं दे रहे हैं। वो खाना चुरा रहे हैं। जरूरत का सामान लेने पहुंचे लोगों से मारपीट करने के बाद आतंकी ये सामान लेकर भाग रहे हैं।

इजराइली सेना ने इसका एक वीडियो जारी किया। इसमें हमास आतंकी राहत सामग्री चोरी करते दिखे। सेना ने वीडियो के साथ लिखा- गाजा के लोगों की जरूरतों से ज्यादा जरूरी आतंकवादियों की जरूरतें हैं।

22 लाख फिलिस्तीनी भुखमरी की कगार पर

यूएन का कहना है कि गाजा के 22 लाख लोग भुखमरी की कगार पर हैं। इधर, यूएन के वर्ल्ड फूड प्रोग्राम के डिप्टी डायरेक्टर कार्ल स्काउ ने कहा है कि वो इतने सामान का प्रबंध कर रहे हैं, जिससे एक महीने के लिए गाजा के लोगों की भूख मिटाई जा सके।

हमास ने इजराइल पर 7 अक्टूबर को हमला किया था। उसने इजराइल के खिलाफ अपने ऑपरेशन को 'अल-अक्सा फ्लड' नाम दिया। इसके जवाब में इजराइल की सेना ने हमास के खिलाफ 'सोर्ड्स ऑफ आयरन' ऑपरेशन शुरू किया। हमास के सैन्य कमांडर मोहम्मद दीफ ने कहा था- ये हमला यरुशलम में अल-अक्सा मस्जिद को इजराइल की तरफ से अपवित्र करने का बदला है। दरअसल, इजराइली पुलिस ने अप्रैल 2023 में अल-अक्सा मस्जिद में ग्रेनेड फेंके थे।

वहीं, हमास के प्रवक्ता गाजी हामद ने अल जजीरा से कहा था- ये कार्रवाई उन अरब देशों को हमारा जवाब है, जो इजराइल के साथ करीबी बढ़ा रहे हैं। हाल ही के दिनों में मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि अमेरिका की पहल पर सऊदी अरब इजराइल को देश के तौर पर मान्यता दे सकता है।

केरल के शख्स को तालिबान ने किया गिरफ्तार

इस्लामिक स्टेट आतंकियों से है लिंक ताजिकिस्तान से पहुंचा था अफगानिस्तान

काबुल, 1 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका की नाक में दम करने वाले तालिबान को भी एक आतंकी संगठन परेशान कर रहा है। इस आतंकी संगठन का नाम इस्लामिक स्टेट है। आईएसकेपी आए दिन अफगानिस्तान में धमाकों को अंजाम देता रहता है। अब तालिबान ने आईएस से जुड़े एक शख्स को पकड़ा है जो केरल का रहने वाला है। द खोरासान डायरी की रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय मूल के नागरिक सनाउल इस्लाम को कंधार में तालिबानी पुलिस ने पकड़ लिया। अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार के खुफिया महानिदेशक (जीडीआई) के एक अधिकारी ने कहा, 'उससे कंधार आने की वजह पूछी गई तो वह उसे बताने में नाकाम रहा।' रिपोर्ट्स में कहा गया कि वह भारत के केरल का रहने वाला है और ताजिकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान पहुंचा है, जिससे उसके ऊपर इस्लामिक स्टेट से जुड़े होने का शक गहराया है। आगे की पूछताछ के लिए उसे जीडीआई को सौंप दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2014 से आईएसकेपी से जुड़े कम से कम 11 भारतीय नागरिक अफगानिस्तान में मारे गए या पकड़े गए हैं। इनमें से ज्यादातर केरल के रहने वाले थे।

केरल के किसी शख्स का नाम एक बार फिर इस्लामिक स्टेट से जुड़ा है, जो सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ाने वाला है। पहले भी भारत में एनआईए केरल में आईएसआईएस मॉड्यूल का भंडाफोड़ करती रही है। वहीं तालिबान के अफगानिस्तान की सत्ता में आने के बाद आईएसकेपी का खतरा बढ़ गया है। यह अफगानिस्तान के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए खतरा है। भारत के खिलाफ भी साजिश रचने के मामले में यह आतंकी पकड़े जाते रहे हैं। तालिबान एक समय अमेरिका की सेना से लड़ रहा था। लेकिन आज के समय तालिबान के मुजाहिदीन और अफगानिस्तान के आम नागरिक आईएसकेपी से सुरक्षित नहीं हैं।

सुरक्षा संबंधित कारणों से मेरीलैंड स्टेट हाउस में लॉकडाउन

वॉशिंगटन, 1 मार्च (एजेंसियां)। एनापॉलिस में मेरीलैंड की राजधानी में सुरक्षा कारणों की वजह से गुरुवार की शाम पांच बजे तक लॉकडाउन लगाया गया था। गवर्नर के कार्यालय की तरफ से एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी गई है। गवर्नर के बयान के अनुसार, सुरक्षा कारणों से मेरीलैंड स्टेट हाउस में लॉकडाउन लगाया गया है। इस समय अन्य कोई जानकारी नहीं है। बयान में आगे कहा गया, स्टाफ, कर्मियों और कम्यूनिटी के सदस्यों को सुरक्षित स्थानों पर रहकर पुलिस या कानून प्रवर्तन की तरफ से जारी निर्देशों का पालन करना चाहिए।

आसपास के इलाकों में रहने वाले स्थानीय लोगों को अपने घरों में रहने के लिए कहा गया था। उन्हें अपने दरवाजों को लॉक करने के साथ घरों की बत्तियां बुझाने का आदेश दिया गया था। आधे घंटे बाद इलाके में लॉकडाउन लगाया गया। मेरीलैंड स्टेट पुलिस स्टेट हाउस बिल्डिंग के भीतर शरण लेने वाले स्टाफ और कर्मियों को वहां से बाहर निकालने की कोशिश करने लगी। सैनिकों ने मेरीलैंड स्टेट हाउस में तलाशी ली।

हेली को ट्रंप समर्थकों का झेलना पड़ा विरोध

कहा- आपके पूर्व बॉस का एक और कार्यकाल देश को अराजकता में धकेल देगा

वॉशिंगटन, 1 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति का चुनाव होना है। इसके लिए सभी उम्मीदवार बढ़-चढ़कर तैयारियां कर रहे हैं। आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। राष्ट्रपति पद की रिपब्लिकन उम्मीदवार निक्की हेली ने अपने प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप पर एक बार फिर निशाना साधा। उन्होंने ट्रंप के चाहने वालों से कहा कि उनके पूर्व बॉस का एक और कार्यकाल देश को अगले चार साल के लिए अराजकता में धकेल देगा।

1,215 डेलीगेट की जरूरत

बता दें, राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने के लिए ट्रंप और हेली को कम से कम 1,215 डेलीगेट की जरूरत है। पांच राज्यों आयोवा, न्यू हैंपशायर, नेवादा, दक्षिण कैरोलिना और मिशिगन में प्राइमरी चुनाव के बाद ट्रंप के पास 122 डेलीगेट हैं जबकि हेली के पास 24 डेलीगेट हैं। वहीं सर्वेक्षणों की निगरानी करने वाली रियल क्लियर पॉलिटिक्स के अनुसार, रिचमंड और फॉल्स चर्च में उनकी दोनों रैलियों में प्रदर्शनकारियों ने भाग लिया और कई लोगों ने कहा कि वे 77 वर्षीय ट्रंप के समर्थक हैं।

रैलियों के दौरान हेली ने ट्रंप पर आरोप लगाया कि वह अपने सिवा किसी के बारे में परवाह नहीं करते हैं। न उन्हें देश की परवाह है और नहीं यहां के लोगों की। पूर्व राष्ट्रपति के समर्थन में उठती आवाजों पर उन्होंने कहा कि ट्रंप को राष्ट्रपति के रूप में चुनने का मतलब है कि अमेरिका में चार साल तक अराजकता का माहौल रहेगा। उन्होंने कहा, 'हर कोई यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि आखिर मैं यह चुनाव क्यों लड़ रही हूं, तो जवाब यह है कि मैं अपने बच्चों और आपके बच्चों के लिए ऐसा कर रही हूं।' उन्होंने जोर देकर कहा कि ट्रंप और मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने देश की अर्थव्यवस्था को खराब कर दिया है। उन्होंने कहा कि व्हाइट हाउस में एक अकाउंटेंट रखने का समय आ गया है। इस पर वहां मौजूद लोगों ने जमकर तालियां बजाईं। वर्जीनिया में भारतीय अमेरिकियों की अच्छी खासी आबादी रहती है। ऐसे में इन रैलियों में कई भारतीय-अमेरिकी आए। उन्होंने कहा कि यह उनके और ट्रंप के बीच दिन-रात का अंतर है। प्रख्यात भारतीय अमेरिकी सुरेश शेनॉय ने कहा, 'वह बहुत करिश्माई हैं, वह चतुर हैं, वह दयालु हैं। वह एक बहुत ही अच्छी वक्ता है और उन्होंने सभी बातें सही कहीं हैं। उन्होंने आज कई अलग-अलग तरीकों से नेतृत्व का प्रदर्शन किया। इसमें कोई संदेह नहीं कि वह राष्ट्रपति पद के लिए सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार हैं।' नीना शेनॉय ने रैली के बाद कहा, 'निक्की हेली के बारे में मुझे जो पसंद आया वह यह है कि हर चीज डेटा और संख्या के साथ बोलती हैं। अन्य राजनेताओं की तरह नहीं।

ईरानी सुप्रीम लीडर खुद को बताते हैं पैगंबर का दूत

खामेनेई ने कहा था- भारत सरकार मुस्लिमों का नरसंहार बंद करे, 5 सबसे विवादित किस्से

तेहरान, 1 मार्च (एजेंसियां)। भारत में मुस्लिमों का नरसंहार हुआ है। दुनियाभर के मुस्लिम इस वक्त शोक में डूबे हैं। भारत सरकार को कट्टर हिंदुओं के खिलाफ सख्त कदम उठाने चाहिए। सरकार को मुस्लिमों का नरसंहार बंद करना होगा, नहीं तो इस्लामी दुनिया उनका साथ छोड़ देगी। 2020 के दिल्ली दंगों के बाद ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई ने यह बयान दिया था। इससे पहले कश्मीर के मुद्दे पर भी खामेनेई कई बार विवादित बयान देते आए हैं। साल 2017 में खामेनेई ने कश्मीर की तुलना गाजा, यमन और बहरीन से की थी।

5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटने के कुछ दिन बाद खामेनेई ने सोशल मीडिया पर लिखा था- हम कश्मीर में मुस्लिमों की स्थिति को लेकर चिंतित हैं। हमारे भारत से अच्छे रिश्ते हैं। ऐसे में हम उम्मीद करते हैं कि भारत कश्मीर में मुस्लिमों के खिलाफ अत्याचारों को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाएगा। खामेनेई ने काफी समय तक अपने इस ट्वीट को अकाउंट में सबसे ऊपर बनाए रखा था। ईरान में आज संसदीय सदन और असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स के चुनाव हैं। यही

वो असेंबली हैजो सुप्रीम लीडर चुनती है। 35 साल से ईरान के सुप्रीम लीडर अक्सर अपने फतवों और बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं।

ईरान में 1979 में आयतुल्लाह खुमैनी के नेतृत्व में इस्लामिक क्रांति हुई थी। खुमैनी देश के पहले सुप्रीम लीडर थे। 1989 में उनकी मौत के बाद ईरान के सामने सबसे बड़ी चुनौती पद को दोबारा भरने की थी। ऐसे में असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स ने खामेनेई का नाम सुझाया। तब सदन की कार्यवाही में उन्होंने कहा था- हमें ऐसे इस्लामिक समाज के लिए खून के आंसू बहाने चाहिए, जहां मुझ जैसे शख्स को ईरान का सुप्रीम लीडर बनाने की बात हो रही है। मैं इसके लायक नहीं हूं। संविधान और मजहब के हिसाब से भी मेरे आदेशों का पालन नहीं किया जाएगा। मैं इस पद को स्वीकार नहीं कर सकता। उनके इनकार करने के बावजूद असेंबली ने खामेनेई को सुप्रीम लीडर बनाया। उन्हें यह पद अस्थायी तौर पर ही मिला था, लेकिन आज 35 साल के बाद भी खामेनेई ही ईरान के सर्वोच्च नेता हैं। साल 2020 में ईरान के जनरल कासिम सुलेमानी को अमेरिका और इजराइल ने बगदाद में एक मिसाइल अटैक में मार गिराया था। इसके बाद सुप्रीम लीडर खामेनेई ने सुलेमानी के परिवार से बात करते वक्त एक किस्सा सुनाया था। ईरान इंटरनेशनल के मुताबिक, उन्होंने कहा था- करीब 20 साल पहले मैं सेना के अधिकारियों से बात कर रहा था। तब ही मैं अचानक उपदेश देने लगा। उस दिन मेरे जरिए परमात्मा खुद बात कर रहे थे। वो जुबान मेरी थी, लेकिन शब्द उन्हीं के थे। यह बेहद खास लम्हा था और उसका असर भी उतना ही ज्यादा हुआ। इससे पहले भी साल 2010 में खामेनेई ने एक फतवा जारी कर खुद को आध्यात्मिक गुरु कहा था। वॉइस ऑफ अमेरिका के मुताबिक खामेनेई ने दावा किया था कि वो पैगंबर मोहम्मद के दूत और धरती पर शियाओं के 12वें इमाम हैं। शिष्यों को उनके आदेशों का उसी तरह पालन करना चाहिए। मशहूर लेखक सलमान रुश्दी ने 34 साल पहले यानी 1988 में अपनी विवादित किताब 'सैटेनिक वर्सेज' लिखी थी। कहा जाता है कि यह किताब पैगंबर मोहम्मद के जीवन से प्रेरित थी। 'सैटेनिक वर्सेज' का हिंदी में अर्थ 'शैतानी आयतें' हैं। इस किताब के नाम पर ही मुस्लिम धर्म के लोगों ने आपत्ति दर्ज कराई थी। भारत पहला देश था जिसने इस उपन्यास को बैन किया था। इसके बाद ईरान के तत्कालीन सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह खुमैनी ने इस किताब को इस्लाम धर्म का अपमान बताया था। उन्होंने 1989 में रुश्दी के खिलाफ मौत का फतवा जारी कर दिया था। रुश्दी अगले 10 साल तक ब्रिटेन में छिपकर रहे। 1998 में ब्रिटेन के साथ एक समझौते के तहत ईरानी सरकार ने सार्वजनिक तौर पर कहा था कि अब वो सलमान की मौत का समर्थन नहीं करते।

बांग्लादेश की राजधानी में 7 मंजिला इमारत में आग

44 लोगों की मौत, 22 घायल, मौत का आंकड़ा बढ़ सकता है

ढाका, 1 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में गुरुवार (29 फरवरी) की रात एक सात मंजिला इमारत में आग लग गई। इसमें 44 लोगों की मौत हो गई। 22 लोग बुरी तरह घायल हो गए। फायर बिग्रेड की 13 गाड़ियों को आग बुझाने में करीब ढाई घंटे लगे।

ग्रीन कोजी कॉटेज नाम की बिल्डिंग से 75 लोगों को बाहर निकाला गया, इनमें से 42 बेहोश थे। सभी को ढाका मेडिकल कॉलेज और शेख हसीना नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां 44 लोगों की मौत हो गई। बांग्लादेश के स्वास्थ्यमंत्री डॉ सामंत लाल सेन ने कहा- रात करीब 9:50 बजे पहली मंजिल पर बने रेस्तरां में आग लगी और तेजी से ऊपर की मंजिलों तक फैल गई। यहां कई और रेस्तरां और एक कपड़े की दुकान थी। रात 12.30 बजे आग पर काबू पा लिया गया।

घायलों का ब्रीदिंग सिस्टम डैमेज हो गया- स्वास्थ्य मंत्री

बांग्लादेश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. सामंत लाल सेन ने मीडिया को बताया कि दोनों हॉस्पिटल में 22 लोगों का इलाज किया जा रहा है। उनकी हालत गंभीर है। जो लोग अब तक जीवित बचे हैं उनके ब्रीदिंग सिस्टम को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा है। इलाज कर रहे डॉक्टर्स का कहना है कि कुछ शव बुरी तरह जल गए हैं। उनकी पहचान मुश्किल है। आशंका है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है।

डॉक्टरों की हड़ताल पर साउथ कोरिया सरकार सख्त

एसोसिएशन के ऑफिस पर छापा, केस दर्ज करके जुर्माना लगाने की तैयारी

सिओल, 1 मार्च (एजेंसियां)। साउथ कोरिया में 20 फरवरी से जारी जूनियर डॉक्टर्स की हड़ताल पर सरकार ने सख्त रवैया अपना लिया है। शुक्रवार तड़के पुलिस की स्पेशल टीम ने कोरियन मेडिकल एसोसिएशन के दफ्तर पर छापा मारा और यहां से कुछ डॉक्यूमेंट्स बरामद किए। करीब 10 हजार जूनियर डॉक्टर हड़ताल पर हैं और यह साउथ कोरिया के कुल मेडिकल ऑफिसर्स का 80% हैं। सरकार ने साफ कर दिया है कि अगर ये डॉक्टर जल्द ड्यूटी पर नहीं लौटे तो इनके खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज किया जाएगा और जुर्माना भी लगाया जाएगा। सरकार ने गुरुवार को डॉक्टर्स एसोसिएशन के नाम से एक लीगल नोटिस जारी किया था। इसमें कहा गया था कि अगर ये डॉक्टर्स जल्द काम पर नहीं लौटते हैं तो इसके गंभीर नतीजे होंगे। उनके लाइसेंस रद्द कर दिए जाएंगे और अगर जरूरी हुआ तो गिरफ्तारी भी की जाएगी। इसके बावजूद इन डॉक्टर्स ने झुकने से इनकार कर दिया। लोकल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- 10 हजार में से अब तक सिर्फ 565 डॉक्टर्स ड्यूटी पर लौटे हैं। सरकार ने इमरजेंसी के लिए आर्मी मेडिकल टीम को काम पर लगाया है। देश के 15 अस्पतालों में सिर्फ इमरजेंसी सर्जरीज की जा रही हैं। हड़ताल पर जाने डॉक्टर्स सरकार के उस फैसले का विरोध कर रहे हैं, जिसमें नए मेडिकल कॉलेजेस के जरिए डॉक्टर्स की भर्ती की जानी है। हड़ताल करने वाले डॉक्टर्स का कहना है कि इससे कॉम्पिटिशन बढ़ेगा और उनकी सैलरी भी कम हो जाएगी।

चीन बोला- एलएसी पर हालात सामान्य

कहा- सीमा विवाद का मिलकर हल निकालेंगे, ड्रैगन ने देपसांग-डेमचोक से सैनिक हटाने की मांग ठुकराई थी

बीजिंग, 1 मार्च (एजेंसियां)। चीन ने दावा किया है कि एलएसी बॉर्डर पर भारत के साथ फिलहाल स्थिति सामान्य हैं। चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल झांग शियाओगांग ने कहा- 19 फरवरी को दोनों देशों के बीच 21वें राउंड की कॉर्प्स कमांडर लेवल मीटिंग हुई थी। इस दौरान भारत-चीन के बीच सकारात्मक बातचीत हुई। चीन ने कहा- दोनों देशों ने एलएसी को लेकर एक-दूसरे की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए हल निकालने पर सहमति जताई। दरअसल, भारत ने कहा था की चुशुल-मोल्डो बॉर्डर पॉइंट पर 21वें राउंड की कॉर्प्स कमांडर-लेवल बैठक में चीन ने देपसांग और डेमचोक के ट्रैक जंक्शन से सेना हटाने की भारत की मांग को ठुकरा दिया। बातचीत में दोनों देशों के बीच तनाव कम करने को लेकर कोई ठोस फैसला नहीं हुआ। इस पर चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा- यह झूठ है। चीन के लिए

दोनों देशों के बीच मिलिट्री रिलेशन्स बेहद अहम हैं। हम उम्मीद करते हैं कि भारत-चीन मतभेदों को सुलझाने और आपसी विश्वास बढ़ाने के लिए साथ मिलकर काम करते रहेंगे। इससे पहले कुछ दिन पहले हुए इनडस-एक्स समिट में भारत के रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने कहा था- चीन दादागिरी कर रहा है और भारतीय सेना बॉर्डर पर डटकर उसका सामना कर रही है। लद्दाख में मई 2020 में चीन के साथ हुए संघर्ष के बाद से अमेरिका ने खुफिया जानकारी और इक्विपमेंट के जरिए हमारी काफी मदद की है।

पाकिस्तान की नई सरकार को मान्यता न दें

अमेरिकी सांसदों ने बाइडन को लिखा खत

वॉशिंगटन, 1 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के प्रभावशाली सांसदों के एक समूह ने बुधवार को राष्ट्रपति जो बाइडन और विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन को पत्र लिखा। पत्र में सांसदों ने उनसे आग्रह किया कि वह पाकिस्तान की नई सरकार को तब तक मान्यता न दें, जब तक चुनाव में धांधली की विश्वसनीय और पारदर्शी तरीके से जांच न हो। पत्र लिखने वालों में सत्तारूढ़ डेमोक्रेट के मुस्लिम सांसद भी शामिल हैं। पाकिस्तान में आठ फरवरी को आम चुनाव हुए। जिसके बाद त्रिशंकु परिणाम सामने आए थे। कोई भी दल बहुमत के आंकड़े को पार नहीं कर पाया था। 266 सदस्यीय नेशनल असेंबली के लिए चुनाव में 90 से ज्यादा सीट पर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत हासिल की थी। जबकि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने 75 और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने 54 सीट पर हासिल की थी। मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) ने 17 सीट पर जीत हासिल की।

पत्र में सांसदों ने पाकिस्तान के हालिया संसदीय चुनाव में हुई धांधली पर चिंता जताई। इसमें उन्होंने अमेरिकी सरकार से अनुरोध किया कि वह पाकिस्तान में नई सरकार की मान्यता को तब तक रोके रखें, जब तक चुनाव में हेराफेरी की पूरी तरह से पारदर्शी और विश्वसनीय जांच नहीं हो जाती। पत्र में आगे कहा गया, इस्लामाबाद लंबे समय से अमेरिका का सहयोगी रहा है। यह अमेरिका के हित में है कि वह सुनिश्चित करे कि पाकिस्तान में लोकतंत्र का विकास हो। चुनाव के नतीजे पाकिस्तानी लोगों के हितों को प्रतिबिंबित करते हैं, न कि पाकिस्तान के अभिजात वर्ग (एलीट क्लास) या सेना के हितों को।

अमेरिका के ओडीसियस लैंडर ने काम करना किया बंद

लैंड करने के बाद चंद्रमा पर फंस गया था एक पैर

वॉशिंगटन, 1 मार्च (एजेंसियां)। करीब 50 साल बाद पिछले महीने कोई अमेरिकी अंतरिक्ष यान चंद्रमा पर उतरा था। ओडीसियस लैंडर जब चंद्रमा की सतह पर उतरा तो कुछ खराबी के चलते टीम का अंतरिक्ष यान से संपर्क टूट गया था। नासा ने बताया था कि उतरते समय मून लैंडर ओडीसियस का एक पैर चंद्रमा पर फंस गया था। इससे यह एक ओर झुक गया है। हालांकि, अब बुरी खबर सामने

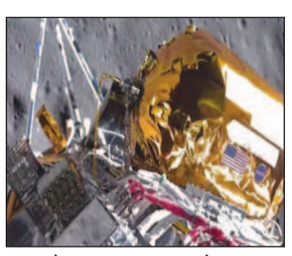

आई है। बताया जा रहा है कि एक हफ्ते बाद गुरुवार को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाले ओडीसियस ने काम करना बंद कर दिया। बता दें, यह तब पता चला जब वैज्ञानिकों को अपने कंप्यूटर और पावर सिस्टम को स्टैंडबाय मोड में प्रवेश करने का निर्देश देने से पहले ओडीसियस से एक आखिरी तस्वीर मिली। स्टैंडबाय मोड का उद्देश्य लैंडर की क्षमता को दो से तीन हफ्ते तक और काम करने के लिए बनाया गया था। इंटुएटिव मशीन्स के प्रवक्ता जोश मार्शल ने बताया कि अंत में हुईं क्रियाओं ने लैंडर की बैटरियों को खत्म कर दिया, जिससे ओडीसियस ने काम करना बंद कर दिया है। कंपनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'गुड नाईट ओडी। उम्मीद करते हैं यह फिर से काम करना शुरू करेगा।'

गौरतलब है, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने बताया था कि उसका मून लैंडर ओडीसियस का एक पैर चंद्रमा पर फंस गया है।

डोटासरा बोले- पर्ची सरकार ने हरियाणा के आगे घुटने टेके

तिवाड़ी ने भी किया पलटवार; यमुना समझौते पर कांग्रेस-बीजेपी आमने-सामने

जयपुर,1 मार्च (एजेंसियां)। यमुना जल समझौते को लेकर आज कांग्रेस और बीजेपी ने एक दूसरे पर जमकर आरोप लगाए। पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा- इस पर्ची की सरकार ने पहले ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट और अब यमुना जल समझौते के नाम पर जनता को भ्रमित करने का काम किया है।

उन्होंने कहा- यमुना जल समझौते को लेकर पर्ची सरकार ने हरियाणा सरकार के सामने घुटने टेक दिए। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर विधानसभा में कह रहे हैं कि हरियाणा को 24 हजार क्यूसेक पानी मिलेगा। इस तरह से तो राजस्थान को एक लीटर पानी भी नहीं मिलने वाला है। डोटासरा के बयान पर पलटवार करते हुए राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा- हमने पिछले पांच साल खर्ची की सरकार भी देखी है। खर्चा दो, काम करवाओ। उन्होंने कहा कि जो समझौता पिछले 30 साल से नहीं हो पा रहा था। उसे भजनलाल सरकार ने आते ही पूरा कर दिया। इस समझौते से राजस्थान को 1917 क्यूसेक पानी मिलेगा। पानी का नहीं, पाइपलाइन बिछाने का समझौता

डोटासरा की प्रेस वार्ता के बाद सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने बीजेपी ऑफिस में मीडिया से बात कर आरोपों का जवाब दिया। इस दौरान जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत भी मौजूद रहे।

हुआ पीसीसी में प्रेस वार्ता कर डोटासरा ने कहा कि राजस्थान सरकार ने हरियाणा से पानी का नहीं, बल्कि पाइपलाइन बिछाने और इन्फ्रास्ट्रक्चर का समझौता किया है। उसके बदले हरियाणा ने 24 हजार क्यूसेक पानी पर अपना दावा कर दिया है। जबकि 2002 के समझौते के अनुसार हरियाणा को 13 हजार क्यूसेक पानी ही मिलना था।

डोटासरा ने कहा- यमुना जल समझौता 1994 में किया गया था। इसमें यह फैसला हुआ था कि शेखावाटी को 1917 क्यूसेक पानी मिलेगा। एक समझौता 2001-2002 में भी हुआ। इसमें हरियाणा से यह तय हुआ कि किस स्थान से पानी मिलेगा। उस समय हरियाणा का दावा 13 हजार क्यूसेक पर था।

उसके अतिरिक्त पानी लेने के लिए आधारभूत ढांचा तैयार किया जाना था, लेकिन हरियाणा ने उसकी एनओसी राजस्थान को नहीं दी। अभी जो कथित समझौता होना बताया जा रहा है, उसमें राजस्थान की भाजपा सरकार ने हरियाणा के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। समझौते पर हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर कह रहे हैं कि 24 हजार क्यूसेक पानी पहले हरियाणा लेगा। उसके बाद बरसात के दिनों में 15-20 दिन अगर कोई अतिरिक्त पानी हुआ तो राजस्थान को देंगे। उस अतिरिक्त पानी में से भी 25 प्रतिशत पानी पहले हरियाणा लेगा। कांग्रेस के कुकर्मों के चलते 30 साल से नहीं हो सका समझौता डोटासरा के बयान पर सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा- राजस्थान को यमुना जल समझौते से 1917 क्यूसेक पानी मिलना तय है। यह मोदी की गारंटी है। यह भी तय है कि मोदी की गारंटी है तो पूरा होने की भी गारंटी है। राजस्थान की डबल इंजन सरकार यमुना जल समझौते पर 4 माह में डीपीआर बनाने के साथ ही अपने इस कार्यकाल में चूरू, झुंझुनूं, सीकर और नीमकाथाना जिले में पानी पहुंचाने का काम करेगी।

उन्होंने कहा- कांग्रेस पार्टी के कुकर्मों के चलते हथिनी कुंड बैराज पर 30 साल तक कोई समझौता नहीं हो पाया। आज भी कांग्रेस पार्टी ने राजस्थान की जनता से धोखा किया है। एक ओर हरियाणा विधानसभा में कांग्रेस पार्टी ने आवाज उठाई कि खट्टर सरकार ने हरियाणा के हितों को राजस्थान को बेच दिया। कांग्रेस पार्टी ने हरियाणा विधानसभा में 2 बार वॉकआउट किया।

राजस्थान को मिलने वाले पानी का विरोध किया। वहीं, दूसरी ओर गोविंद सिंह डोटासरा स्टेटमेंट दे रहे हैं कि यमुना समझौता हुआ ही नहीं। यह कांग्रेस का दोहरा चरित्र है।

अलवर सरस डेयरी में मारपीट

चेयरमैन और दूसरे पक्ष ने करवाया मामला दर्ज, मारपीट और धमकाने का आरोप

अलवर, 1 मार्च (एजेंसियां)। अलवर सरस डेयरी के एमडी चैंबर में मारपीट का मामला सामने आया है। डेयरी चेयरमैन विश्राम गुर्जर और सामने वाले पक्ष ने एक-दूसरे के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज करवाया है।

अरावली विहार थाना प्रभारी गुरुदत्त सैनी ने बताया कि कठूमर के दौलपुर निवासी कैलाश चंद ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वे सरस डेयरी में भ्रष्टाचार के मामले से जुड़ी शिकायत करने के लिए एमडी के पास गए थे।

उस दौरान नीलेश खंडेलवाल और रामफल गुर्जर भी मौजूद थे। तब डेयरी चेयरमैन चार-पांच लोगों के साथ आया और मारपीट करने लगा। उसने जान से मारने की धमकी भी दी।

मारपीट के फुटेज भी

दूसरी तरफ डेयरी चेयरमैन ने भी मुकदमा दर्ज कराया। रिपोर्ट में बताया कि कैलाश चंद और कुछ अन्य लोग डेयरी के एमडी व अन्य कर्मचारी को धमकाने में लगे थे।

पता लगने पर वह भी गए। तब कैलाश चंद ने मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इसके फुटेज भी उपलब्ध हैं, जो पुलिस के मांगने पर दिए जाएंगे। मामले की पुलिस जांच में लगी है।

मास्टमाइंड बोला- 2005 से पेपर लीक करवा रहा

कितने लीक किए, खुद नहीं पता; पेपर खरीदने वालों को हर सुविधा देते थे

जयपुर,1 मार्च (एजेंसियां)। कनिष्ठ अभियंता भर्ती परीक्षा-2020 के पेपर लीक मामले के तार ऊपर तक बढ़ते जा रहे हैं। पहले पटवारी हर्षवर्धन, फिर तृतीय श्रेणी शिक्षक राजेंद्र कुमार को एसओजी मास्टरमाइंड मान रही थी। अब बदमाश 'गुरुजी' से हुई पूछताछ में सामने आया है कि लीक का असल गुरु तो जगदीश विश्नोई है। 20 फरवरी को गिरफ्तार हुए राजेंद्र व शिवरतन मोठ की निशानदेही पर एसओजी ने गुरुवार को पेपर लीक गिरोह के गुरु जगदीश विश्नोई को जयपुर से पकड़ लिया। प्रारंभिक पूछताछ में जगदीश ने बताया कि वह 2005 से पेपर लीक गिरोह से जुड़ा है। उसने बताया कि 19 साल में वह प्रदेश की न जाने कितनी परीक्षाओं के पर्चे लीक करवा चुका है, उसे खुद भी याद नहीं है। पेपर लीक गैंग माफिया नेटवर्क मार्केटिंग की तरह काम करते है। कुछ साल के अनुभव के बाद अपने गुर्गों को जोड़कर अलग गैंग बना लेते हैं। शुरुआती पूछताछ में सामने आया है कि राजेंद्र और हर्षवर्धन ऐसे ही गैंग चला रहे हैं।

जगदीश ने बताया कि जिस दिन पेपर लीक करते, उसी दिन राजस्थान छोड़कर दिल्ली या दूसरे राज्यों में फरार हो जाता था। जगदीश ने श्रीगंगानगर निवासी शिवरतन मोठ और पंकज चौधरी उर्फ यूनिक भामू को अपना खास गुर्गा बना रखा था। ये दोनों जगदीश से पेपर लेकर आगे बेचते थे। दोनों की अपनी खुद की भी गैंग थी।

20 फरवरी को शिवरतन की गिरफ्तारी के बाद जगदीश गुरुग्राम और यूनिक दुबई फरार हो गया। विश्नोई ने कबूला है कि वह प्रिंटिंग प्रेस से ही कर्मचारियों से पेपर लीक कराता था। वहां सख्ती होने पर उसने स्कूलों के स्ट्रॉन्ग रूम से स्टाफ को मोटा पैसा देकर पेपर लीक करवाना शुरू कर दिया। इसी दौरान 2010 से वह शिक्षक राजेंद्र कुमार यादव से जुड़ा। दोनों इतने शातिर हैं कि कभी खुद के फोन से नहीं, गैंग में शामिल गुर्गों के फोन से बात किया करते थे। बताया जा रहा है कि गैंग के सदस्यों के पास करोड़ों की संपत्ति है।

राजेंद्र के श्यामनगर में 13 फ्लैट बताए जा रहे हैं। 3.5 करोड़ कीमत के झोटवाड़ा में 2 मकान और वहीं ज्वेलरी की दुकान भी है। 200 फीट बाईपास पर एक करोड़ का भूखंड। हरनाथपुरा में 500 वर्गगज का मकान, करधनी में दो मकान और भैंसों का बाड़ा। जीणमाता नगर में पानी बेचने के लिए बोरिंग, गोकुलपुरा करधनी में दो प्लॉट।

एसओजी ने राजेंद्र के खातीपुरा स्थित सरकारी स्कूल सहित 3 स्कूलों, एक कॉलेज व 4 मकानों पर छापे मारे। यहां से सैंकड़ों मार्कशीट की फोटो कॉपी, प्रश्न-पत्र, आरपीएससी की उप निरीक्षक/प्लाटून कमाण्डर परीक्षा-2021 की साक्षात्कार सूची, महिला सुपरवाइजर, लैब असिस्टेंट, कृषि अन्वेषक भर्ती के सफल अभ्यर्थियों की सूची, ओएमआर शीट की फोटो प्रतियां, लिपिक भर्ती परीक्षा-2018 के पेपर व उत्तर-कुंजी की फोटो प्रतियां मिली हैं।

3 स्कूलों में 3 सहयोगी गोपाल, अर्जुन, वीरेंद्र की जांच भी होगी

झोटवाड़ा में सिद्धार्थ पब्लिक सेकेंडरी स्कूल गोपाल चौधरी का है। यहां से एसओजी को कर्मचारी चयन बोर्ड व मंत्रालयिक चयन बोर्ड रीट-2021 के खाली लिफाफे, उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा-2021 संबंधी दस्तावेज की फोटो प्रतियां व प्लॉट संबंधी दस्तावेज मिले हैं।

लापता धोलीपाल सरपंच का शव नहर से बरामद

आत्महत्या की आशंका, गुरुवार शाम को पेट्रोल पंप से निकले थे

हनुमानगढ़, 1 मार्च (एजेंसियां)। संदिग्ध परिस्थितियों में गुरुवार को लापता हुए धोलीपाल ग्राम पंचायत के सरपंच महावीर मूंड का शव शुक्रवार सुबह एमओडी नहर में मिला। सूचना पर मौके पर पहुंची हनुमानगढ़ पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर हनुमानगढ़ टाउन के जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। प्राथमिक जांच में सरपंच के आत्महत्या करने की बात सामने आ रही है। हालांकि आत्महत्या के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है।

रात दो बजे तक चला रेस्क्यू

जानकारी के अनुसार गुरुवार देर शाम को सदर पुलिस थाना को सूचना मिली कि धोलीपाल सरपंच महावीर मूंड पुत्र काशीराम मूंड लापता हैं। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे कि सरपंच की कार, और मोबाइल फोन गांव जंडावाली के नजदीक एमओडी नहर के किनारे मिला। सूचना मिलने पर हनुमानगढ़ जंक्शन पुलिस और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। सरपंच के नहर में गिरने की आशंका के चलते जंक्शन पुलिस रात करीब 2 बजे तक गोताखोरों की मदद से लापता सरपंच की तलाश नहर में करती रही। वहीं आस-पास के खेतों में जाकर भी लापता को ढूंढने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। देर रात सर्च ऑपरेशन को रोक दिया गया।

उसके बाद शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे पुलिस को सूचना मिली कि श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ़ सदर थाना क्षेत्र के गांव गुरुसर मोडिया के नजदीक एमओडी नहर में कोई शव तैरता हुआ मिला है। जंक्शन पुलिस ने पहुंचकर तस्दीक की तो वो लापता सरपंच महावीर मूढ़ का ही शव था। सूरतगढ़ सदर पुलिस ने जंक्शन पुलिस को शव सुपुर्द कर दिया। जंक्शन पुलिस ने डेड बॉडी को टाउन स्थित जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

पेट्रोल पंप से घर लौटने के बजाए दूसरे रास्ते पर गए

जानकारी के अनुसार धोलीपाल सरपंच महावीर मूढ़ का राजस्थान पंजाब बॉर्डर पर पंजाब वाली साइड पेट्रोल पम्प है। गुरुवार शाम 6 बजे के करीब वे पेट्रोल पम्प से घर जाने का कहकर निकले थे।

आरी से भी नहीं कटते थे बच्ची के नाखून

घर से बाहर निकलती थी तो लोग ताने देते थे; 15 से ज्यादा ऑपरेशन हुए

कोटा, 1 मार्च (एजेंसियां)। बच्ची घर से बाहर निकलती थी तो नाखून देखकर लोग उसे ताने देते थे। स्कूल में उसकी सहेलियां भी चिढ़ाती थीं। नाखूनों के कारण वह न पेन पकड़ पाती थी और न कोई काम कर पाती थी। विकलांग प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए स्पीकर ओम बिरला से मिले थे। तब उन्होंने कहा कि बेटी का इलाज करवा दूं। इसके बाद दो साल एम्स में इलाज चला और आज बेटी ठीक है। यह कहना है नयापुरा निवासी 13 साल की बच्ची की मां का।

उन्होंने बताया कि बच्ची जब पैदा हुई थी तब हाथ और पैर की अंगुलियों के नाखून आधे लाल थे। तीन महीने बाद नाखून, काले और सख्त हो गए। नेल कटर से काटने की कोशिश की तो बात नहीं बनी। कोटा में डॉक्टरों को दिखाया तो उन्हें समस्या समझ नहीं आई। जो दवा लिखी,उससे घाव पड़ गए।

स्कूल में बेटी का कोई दोस्त नहीं

बच्ची की मां ने बताया कि चार साल की उम्र में बच्ची को

अहमदाबाद दिखाया था। वहां कई साल इलाज चला, लेकिन फायदा नहीं हुआ। पैसे की दिक्कत हुई तो अहमदाबाद जाना बंद करना पड़ा। इस बीच बेटी स्कूल जाने लगी। स्कूल में उससे कोई दोस्ती नहीं करता। उसे गलत शब्द कहकर पुकारा जाता।

स्पीकर बिरला ने करवाया इलाज बच्ची की मां ने बताया कि उम्र बढ़ी तो नाखूनों के कारण उसके लिए पेन पकड़ने से लेकर अन्य छोटे काम करना भी कठिन हो गया। किसी की सलाह पर वे बेटी को लेकर मई 2022 में स्पीकर ओम बिरला से मिली ताकि बेटी का दिव्यांग प्रमाण पत्र बन जाए, जिससे इलाज में सहायता मिल जाए। देखते ही बिरला ने कहा बेटी दिव्यांग नहीं है। इसका उपचार करवाएंगे।

दो साल के प्रयासों के बाद बेटी की स्थिति अब ठीक है। वह गुरुवार को स्पीकर बिरला से मिलने लोकसभा कैंप कार्यालय आई। स्पीकर बिरला ने कहा कि वे चिंता नहीं करें, इलाज पूरा होने तक उनकी हर संभव मदद की जाएगी।

दो साल में 15 से ज्यादा ऑपरेशन

स्पीकर बिरला के निर्देश पर बच्ची के इलाज की व्यवस्था दिल्ली एम्स में करवाई गई थी। एम्स के डॉक्टरों ने भी इस केस को प्रयोग के तौर पर लिया था। सबसे पहले दाहिने हाथ की सबसे छोटी अंगुली का ऑपरेशन किया गया। वह सफल रहा और नाखून फिर से नहीं उगा। ऐसे में अन्य अंगुलियों के ऑपरेशन किए गए, लेकिन कई अंगुलियों में फिर समस्या आ गई। ऐसे में कुछ अंगुलियों के ऑपरेशन दो से तीन बार किए गए। लास्ट ऑपरेशन 28 फरवरी को किया गया, जिसमें पैर के नाखूनों की सर्जरी की गई है।

आरी और मशीन से भी नहीं कटते थे नाखून

शरीर में एक विशेष प्रकार का प्रोटीन अधिक मात्रा में बनने के कारण बच्ची के नाखून काले और सख्त हो जाते थे। यह इतने सख्त होते थे कि मां से आरी से भी नहीं कटते थे। दिल्ली एम्स में डॉक्टरों ने मशीन से नाखून काटने का प्रयास किया था। एक अंगुली का नाखून तो थोड़ा से कट गया था, लेकिन दूसरे में दर्द के कारण बच्ची का बुरा हाल हो गया था।

बीकानेर में युवक-युवती ने किया सुसाइड

खेत की डिग्गी में ग्रामीणों ने देखे शव कारणों की जांच में जुटी पुलिस

बीकानेर, 1 मार्च (एजेंसियां)। बीकानेर के पेमासर गांव में एक युवक और युवती का शव खेत की डिग्गी में पड़ा मिला है। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी और दोनों के शवों को डिग्गी से निकालकर पीबीएम अस्पताल पहुंचाया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए मॉर्च्युरी में शिफ्ट किया गया है। युवक-युवती की लाश मिलने के बाद पेमासर गांव में हड़कंप मच गया। पुलिस भी मौके पर पहुंची है और कारणों को जांच में जुटी है। बीछवाल थाना क्षेत्र में आने वाले पेमासर गांव में गुरुवार सुबह एक खेत की डिग्गी में युवक और युवती का शव तैरते हुए मिला था। गांव वालों ने एकत्र होकर पुलिस को बुलाया। पुलिस ने शवों को बाहर निकल वाया और पीबीएम अस्पताल भेज दिया। युवक की पहचान अनिल (23) के रूप में हुई है, जबकि युवती उमेश (23) है। दोनों इसी गांव के रहने वाले हैं।

पुलिस के अनुसार गुरुवार सुबह पेमासर गांव से करीब तीन किलोमीटर दूर नगासर की कांकड़ में खेत में बनी डिग्गी में इन दोनों का शव मिला। मौके पर पहुंची बीछवाल पुलिस ने दोनों को पानी से बाहर निकाल कर पीबीएम अस्पताल पहुंचाया । सुसाइड के कारणों का पता नहीं चला है। फिलहाल पुलिस ने किसी तरह के सुसाइड नोट की पुष्टि नहीं की है। पुलिस का कहना है कि डिग्गी करीब 20 फीट गहरी है, जिसमें गिरने के बाद दोनों बाहर नहीं निकल सके और दोनों की मौत हो गई। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिल्डिंग से मैटेरियल चोरी करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

लोहे की चौखट, यू जेक, बैटरी अल्टीनेटर लेकर भागे थे, भारत माला परियोजना में चल रहा काम

कोटा,1 मार्च (एजेंसियां)। भारत माला परियोजना आठ लेन टोल बिल्डिंग से मैटेरियल चोरी करने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से चोरी किया गया लोहे की चौखट और यू जेक बरामद किया है। वारदात में काम ली गई गाड़ी भी जब्त की गई है।

मंडाना थाना पुलिस ने आरोपी बुद्धि प्रकाश मीणा (23) निवासी एबरा ओमप्रकाश उर्फ हरिओम गुर्जर (25) कोटड़ा दीपसिंह,थाना बूढ़ादित, मनोज कुमार मेहरा (30), लोकेश नामा (39) दादाबाड़ी इलाके के निवासी है को पकड़ा हैं।

मामले में जीएचवी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजर राहुल राघव ने 27 फरवरी को थाने में शिकायत दी थी। शिकायत में बताया था कि फर्म की ओर से भारतमाला परियोजना के पैकेज 14 में निर्माण कार्य किया जा रहा।गोपालपुरा में फर्म के केंप से 24 फरवरी की रात 15 लोहे की चौखट, परलिया से स्टील पाइप केज (36 फुट) और स्टील की चोरी हुई।

गर्दन पर फावड़ा मारकर पत्नी का मर्डर

डीग (भरतपुर), 1 मार्च (एजेंसियां)। 16 बीघा जमीन में से शराबी पति 9 बीघा का सौदा कर चुका था। बाकी बची 7 बीघा जमीन को पत्नी बचाना चाहती थी। उसने कोर्ट से स्टे ले लिया था। यह बात पति की इतनी नागवार गुजरी कि उसने खेत में जाकर फावड़े से पत्नी का मर्डर कर दिया। वारदात के वक्त आरोपी शराब के नशे में था। मामला डीग जिले के जनूथर थाना इलाके के गांव पथरेड़ा का है। जनूथर थाना इंचार्ज धर्मेंद्र कुमार ने बताया- मृतका बबीता (42) के भाई बलराम जाट निवासी उवार (डीग) ने गुरुवार को रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट में बताया कि गुरुवार सुबह 10 बजे उसकी बहन बबीता और देवर शीशराम (36) गेहूं के खेत में गुड़ाई का काम कर रहे थे।

डीडवाना में आर्मी के 2 हेलिकॉप्टर अचानक गोशाला में उतरे

डीडवाना, 1 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के डीडवाना में मेगा हाईवे पर स्थित एक गोशाला में एक के बाद एक सेना के दो चेतक हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग हुई। हालांकि, 10 मिनट बाद दोनों हेलिकॉप्टर ने फिर से उड़ान भरी। दावा किया जा रहा है कि इंजन में चिप वॉर्निंग के कारण ये उतरे थे।

दरअसल, शुक्रवार सुबह 11 बजे अचानक गोपाल गोशाला में हेलिकॉप्टर उतरे। इसमें से निकले चार जवानों से जब स्थानीय लोगों ने पूछा तो उन्होंने ज्यादा कुछ बताने से इनकार कर दिया। हालांकि, उन्होंने कहा कि कुछ टेक्निकल गड़बड़ी के कारण लैंडिंग हुई है।

गड़बड़ी एक ही हेलिकॉप्टर में आई थी। दूसरा हेलिकॉप्टर केवल मदद के लिए उतरा था। आर्मी के पायलट और जवानों ने तकनीकी खामी का पता लगाया और 10 मिनट में ही इसे दूर कर लिया। इसके बाद दोनों हेलिकॉप्टर ने वापस उड़ान भरी।

हेलिकॉप्टर कहां से कहां जा रहे थे, इस बारे में सेना के अधिकारियों ने जानकारी नहीं दी है। हालांकि गोशाला मैदान में दो हेलिकॉप्टर की लैंडिंग इलाके में चर्चा का विषय बनी रही। गोशाला के पास सालासर चौराहा के सम्राट होटल के मालिक एडवोकेट पूसा राम ने बताया- मैं होटल में बैठा था।

पहले आर्मी का एक हेलिकॉप्टर उतरा, उसके बाद दूसरा हेलिकॉप्टर राउंड लगाकर उतरा। एक हेलिकॉप्टर का पीछे का बॉक्स खुला हुआ था, जिसे जवानों ने बंद किया। करीब 10 मिनट बाद हेलिकॉप्टर वापस उड़ गए।

कुंवारिया में मधुमक्खियों के हमले में 17 घायल

धार्मिक आयोजन के दौरान मधुमक्खियो ने हमला किया, 4 की हालत गंभीर

राजसमंद, 1 मार्च (एजेंसियां)। कुंवारिया में पथवारी पूजन के दौरान मधुमक्खियों के हमले में 17 जने घायल हो गए 4 की स्थिति गंभीर होने पर आरके हॉस्पीटल पहुंचाया गया। राजसमंद में कुंवारिया कस्बे में मधुमक्खीयों के हमले में 17 जने घायल हो गए जिसमें से 4 गंभीर घायलों को आरके हॉस्पीटल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार कुंवारिया में नरसिंह तलाई पर आज पथवारी पूजन के दौरान मधुमक्खियों के छत्ते से अचानक मधुमक्खीयां उड़कर वहां मौजूद करीब 100 लोगों पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों के हमले से वहां मौजूद करीब 17 जने घायल हो गए जिसमें से चार की स्थिति गंभीर होने पर कुंवारिया हॉस्पीटल में इलाज कर 108 से आरके हॉस्पीटल रेफर किया गया। स्थानीय निवासी कैलाश चंद्र कीर ने बताया कि कुंवारिया में कीर समाज के सामाजिक आयोजन के तहत गणगौर कार्यक्रम में पथवारी पूजन का कार्यक्रम चल रहा था कि अचानक मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। इसमें चार गंभीर घायल हुए हैं। बाबूलाल, धनराज, लेहरी बाई व जगदीश चंद्र को कुंवारिया से प्राथमिक उपचार कर आरके अस्पताल पहुंचाया गया।

पाकिस्तानी कैदी ने काटा खुद का गला

बॉर्डर पार करते समय पकड़ा गया था, 12 साल से अलवर डिटेंशन सेंटर में है

अलवर, 1 मार्च (एजेंसियां)। अलवर सेंट्रल जेल में संचालित डिटेंशन सेंटर में 55 वर्षीय पाकिस्तानी कैदी हमीद खान ने गुरुवार शाम गला काटकर सुसाइड का प्रयास किया। उसका जिला अस्पताल में इलाज जारी है। कैदी करीब 12 साल से अलवर के डिटेंशन सेंटर में है। डिटेंशन सेंटर के प्रभारी योगेश कुमार ने बताया- यह घटना शाम करीब 6 बजे की है। सब कैदी खाना खा रहे थे। तभी अचानक हमीद खान ने खुद के गले पर पत्थर जैसा कुछ नुकीला मार लिया, जिससे कट लगा है। उसका पहले जेल डिस्पेंसरी में प्राथमिक इलाज कराया। उसके बाद जिला अस्पताल लेकर आ गए।

कोतवाल नरेश शर्मा ने बताया कि कैदी ने गला काटा है। कारण का पता नहीं चला है। उसका जिला अस्पताल में ऑपरेशन किया गया।

बॉर्डर पार करते समय पकड़ा गया था

हमीद खान पाकिस्तान में पंजाब का रहने वाला है। उसे अवैध रूप से बॉर्डर पार करते हुए पकड़ा गया था। वह 11 मार्च 2012 से अलवर सेंट्रल जेल में है। अभी पुलिस यह बताने में असमर्थ है कि कब कहां से पकड़ा गया था।

टोंक में चार लोगों पर बिजली गिरी

आज कई जिलों में अलर्ट, ओलावृष्टि की भी आशंका; कल भी 6 शहरों में हो सकती है बरसात

जयपुर, 1 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में देर रात से वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का प्रभाव शुरू हो गया। सरहदी जिले जैसलमेर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर, जोधपुर के अलावा चूरू, हनुमानगढ़ में बादल छाए हुए हैं। वहीं, जैसलमेर और श्रीगंगानगर में बूंदाबांदी भी हुई। इसके साथ ही हवा भी चलनी शुरू हो गई। संभावना है कि दोपहर बाद इन जिलों में तेज बारिश का दौर शुरू हो जाएगा। इसके अलावा सवाई माधोपुर में दोपहर बाद तेज बारिश हुई। टोंक में 4 लोगों पर बिजली गिर गई। मौसम केंद्र नई दिल्ली ने इस सिस्टम को सीजन का सबसे स्ट्रॉन्ग सिस्टम माना है, जिसे देखते हुए 10 राज्यों को ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राजस्थान में इस सिस्टम के असर से 75 फीसदी एरिया में बारिश और कहीं-कहीं तेज बरसात के साथ जबरदस्त ओलावृष्टि भी हो सकती है।

केंद्रीय मंत्री सीतारमण ने किया 'एलआईसी इंटरनेशनल बिजनेस सेंटर' का उद्घाटन

हैदराबाद, 1 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय वित्त व कॉर्पोरेट मामलें मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने गिफ्ट सिटी, गांधीनगर में 'एलआईसी इंटरनेशनल बिजनेस सेंटर' का आभासी रूप से (वर्चुअली) उद्घाटन किया।

इस संदर्भ में, तत्संबंधित अधिकारियों ने बताया कि, केंद्रीय वित्त व कॉर्पोरेट मामलें मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने गिफ्ट सिटी, गांधीनगर में आभासी रूप से 'एलआईसी इंटरनेशनल बिजनेस सेंटर' का उद्घाटन करने के पश्चात कहा कि, तत्संबंधित रणनीतिक कदम एलआईसी की विश्व स्तरीय बीमा एवं वित्तीय सेवाएँ प्रदान करने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

इसके पहले एलआईसी चेयरपर्सन सिद्धार्थ मोहंती ने अंतरिम लाभांश के रूप केंद्रीय मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को 2441,44,91,124 रु. का चेक प्रदान किया।

इसके चलते केंद्रीय मंत्री ने एलआईसी की सराहना कर कहा कि, बीमा क्षेत्र में एलआईसी हमेशा अग्रणी रही है। इस अवसर पर भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) चेयरपर्सन सिद्धार्थ मोहंती सहित सचिव, वित्तीय सेवाएँ, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार डॉ. विवेक जोशी एवं अतिरिक्त सचिव, वित्तीय सेवाएँ, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार एम पी तंगिरला तथा क्षेत्रीय प्रबंधक (प्रभारी), उत्तरी क्षेत्र जे.पी.एस.बजाज आदि उपस्थित हुए।

एनएमडीसी ने 40 एमटी का लक्ष्य पार किया

हैदराबाद, 1 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी ने फरवरी में अबतक के सर्वश्रेष्ठ संचयी आँकड़े प्राप्त किए। एनएमडीसी ने फरवरी, 2024 में लौह अयस्क का 3.92 मिलियन टन उत्पादन किया और 3.99 मिलियन टन की बिक्री की, जिससे वित्तवर्ष 24 के 11 महीनों में संचयी उत्पादन 40.24 मिलियन टन और संचयी बिक्री 40.48 मिलियन टन तक पहुँच गई है।

एनएमडीसी का फरवरी, 2024 में बिक्री प्रदर्शन कंपनी की स्थापना के बाद से अबतक फरवरी माह का सर्वश्रेष्ठ बिक्री प्रदर्शन है। 3.99 मिलियन टन की बिक्री फरवरी, 2023 में लौह अयस्क की बिक्री से 6 प्रतिशत अधिक है।

कंपनी ने फरवरी, 2024 तक गत वर्ष की इसी अवधि की तुलना में संचयी उत्पादन में 13 प्रतिशत और संचयी बिक्री में 21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी के इतिहास में अपनी अब तक की 11 महीने की अवधि की सबसे अधिक लौह अयस्क मात्र को प्राप्त करते हुए, एनएमडीसी वित्तवर्ष 24 में नए प्रतिमान स्थापित करने के लिए तैयार है।

सीएमडी अमिताभ मुखर्जी ने कहा, 40 मिलियन टन का आंकड़ा पार करने वाली भारत की पहली खनन कंपनी और लगातार तीन बार इस मील के पत्थर को हासिल करते हुए हम वित्तवर्ष 24 में लौह अयस्क आंकड़ों की ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए तैयार हैं। एनएमडीसी के विकास का पूरी अर्थव्यवस्था में कई गुना प्रभाव पड़ता है। उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाकर, आपूर्ति श्रृंखला की विश्वसनीयता को बढ़ाकर और एनएमडीसी 2.0 में परिवर्तन के द्वारा इस विकास को बढ़ाने के लिए हम स्वयं को रणनीतिक रूप से तैयार कर रहे हैं।

बीडीएल ने सीएसआर पहल के रूप में सैन्य अस्पताल को 'क्रिटिकल केयर बेड' सौंपे

हैदराबाद, 1 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी पहल के एक हिस्से के रूप में, सैन्य अस्पताल, एमसीईएमई, सिकंदराबाद को "क्रिटिकल केयर बेड" सौंपे हैं।

कमोडोर ए माधवराव (सेवानिवृत्त), अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, बीडीएल ने मेजर जनरल राकेश मनोचा, एसएम, वीएसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, तेलंगाना और आंध्र सुबेरिया की उपस्थिति में सैन्य अस्पताल, सिकंदराबाद में आईसीयू के लिए "क्रिटिकल केयर बेड" ब्रिगेडियर के सोमशंकर, एसएम, उप. 29 फरवरी 2024 को जनरल ऑफिसर कमांडिंग, तेलंगाना और आंध्र सब एरिया और ब्रिगेडियर निकहत जहां, कमांडेंट, सैन्य अस्पताल, सिकंदराबाद को सौंपे। इस अवसर पर कर्नल बी हरि प्रसाद (सेवानिवृत्त), महाप्रबंधक (एसएएम और पीएसजी), बीडीएल, एन सत्यनारायण, महाप्रबंधक (एचआर), बीडीएल और बीडीएल और सैन्य अस्पताल, सिकंदराबाद के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

हरियाली बढाने की जरूरत : डीसीएफ कृष्णा

वारंगल, 1 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को जीएचएमसी डीसीएफ कृष्णा ने वारंगल कलक्ट्रेट हॉल में बाल्दिया और कुडा इंजीनियरिंग अधिकारियों के साथ आयोजित एक बैठक में भाग लिया और पूरे शहर में हरियाली के प्रभावी प्रबंधन के लिए उचित सुझाव दिए।

इस अवसर पर प्रभारी आयुक्त ने कहा कि शहर के 9 जंक्शनों और 2 पार्कों के जीर्णोद्धार के साथ-साथ शहर में हरियाली बढ़ाने के उपाय करने और व्यापक प्रस्ताव (डीपीआर) शीघ्र प्रस्तुत करने की जरूरत है। तैयारी के लिए, हनमाकोंडा बालसमुद्र में वर्तमान पार्क को विकसित किया जाना चाहिए और इसे बच्चों के पार्क में बनाया जाना चाहिए और आगंतुकों के लिए सुखद वातावरण बनाने के लिए वारंगल एमजीएम अस्पताल में एक ग्रीनहाउस स्थापित किया जाना चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि शहर में सड़क के दोनों किनारों और मध्य मध्य मार्गों पर पौधे लगाने के साथ-साथ जंक्शनों पर थीम आधारित संरचनाएं स्थापित करके शहर को सुंदर बनाने के उपाय किए जाएं।इस कार्यक्रम में सीपीओ अजित रेड्डी बलदिया एसई प्रवीण चंद्रा, एचओ रमेश ईए लू राजैया, श्रीनिवास, ईए भीम राव के साथ स्मार्ट सिटी प्रति निधि आनंद ओलेटी और अन्य ने भाग लिया।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के संबंध व्यापक जागरूकता पैदा की जाए : आशीष सांगवान

निर्मल, 1 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जीला कलेक्टर आशीष सांगवान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के संबंध में ग्रामीण स्तर पर व्यापक जागरूकता पैदा की जाए।

शुक्रवार को उन्होंने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में पीएम विश्वकर्मा योजना पर गठित समिति की बैठक में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, कलेक्टर ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया कि पीएम विश्वकर्मा योजना पात्र लाभार्थियों तक पहुंचे। सुझाव है कि लाभार्थियों के चयन की प्रक्रिया तेजी से पूरी की जाए। प्रत्येक गांव में पंचायत सचिवों को सलाह दी जाती है कि वे बड़ी संख्या में हस्तशिल्पियो को इस योजना के तहत आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करें।

उन्होंने बताया कि आवेदन मीसेवा केन्द्रों, ग्राम पंचायतों एवं वार्ड पंचायतों में नि:शुल्क किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों को एक समाह के लिए कौशल प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षित किया जाएगा और उन्हें प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्रति दिन 500 रुपए का भुगतान किया जाएगा। इसके बाद कलेक्टर ने अधिकारियों से अब तक ग्राम के आवेदनों के पंजीयन की जानकारी पर चर्चा की। इस बैठक में अपर समाहर्ता किशोर कुमार, जिला उद्योग प्रबंधक नरसिम्हा रेड्डी, एलडीएम चंद्रशेखर, डीआरडीओ विजयालक्ष्मी, डीपीओ श्रीनिवास, संचालन समिति के सदस्य राजू, राजेश्वर रेड्डी, अन्य अधिकारी व अन्य लोग शामिल हुए।

बाबा गंगाराम सेवा समिति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

3 मार्च को वार्षिक महोत्सव

हैदराबाद, 1 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। बाबा गंगाराम सेवा समिति, हैदराबाद की कार्यकारिणी की बैठक श्रीनगर कॉलोनी में संपन्न हुई जिस मे 3 मार्च को आयोजित होने जा रहे बाबा गंगाराम के 21वे वार्षिक अमृत महोत्सव से जुड़ी सभी तैयारियों को अंतिम रूप देने पर चर्चा हुई।

जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 3 मार्च को सिकंदराबाद स्तिथ हरियाणा भवन में बाबा गंगाराम का अमृत महोत्सव आयोजित किया जाएगा। महोत्सव का शुभारंभ शाम 4:00 बजे अखण्ड ज्योत प्रज्वलन तथा सामुहिक अमृतवाणी के साथ होगा। भजन संध्या का शुभारंभ भजन गायक घनश्याम शर्मा द्वारा किया जायेगा तथा कोलकाता के भजन गायक केशव मधुकर, बाबा गंगाराम की जीवनी पर आधारित भव्य नृत्य नाटिका का मंचन कोलकता के कलाकारों के साथ प्रस्तुत करेंगे।

बैठक मे महोत्सव से जुड़ी सभी तैयारियों पर विचार विमर्श हुआ तथा समिति के सदस्यों को कार्यभार सौंपा गया। बैठक की अध्यक्षता अशोक केजरीवाल ने की तथा विष्णु सराफ, हरिनारायण व्यास, केशव शर्मा, श्याम गोयनका, पवन डिडवानिया, दीनबंधु अग्रवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल, धीरज अग्रवाल, संजय जलान, संतोष टाटिया, वरुण सराफ, गौरव अग्रवाल, निखिल सराफ, विशाल सराफ, शरद संघवी, तथा अमित मोदी उपस्थित थे।

दैनिक जीवन में खेल को अपनाना चाहिए : एसपी के सुरेश कुमार

जिला पुलिस सशस्त्र बल के लिए बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन

आसिफाबाद, 1 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरमभीम आसिफाबाद जिला पुलिस मुख्यालय ने आज पुलिस सशस्त्र बलों के लिए बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिले के एसपी के सुरेश कुमार आईपीएस शामिल हुए। इस मौके पर एसपी ने कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य एवं मानसिक प्रसन्नता के लिए सभी को दैनिक जीवन में खेलों का अभ्यास करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि खेल से पुलिसकर्मियों को अपनी ड्यूटी के तनाव से मुक्ति मिलती है और उनकी शारीरिक फिटनेस बरकरार रहती है।

इस बैडमिंटन टूर्नामेंट में एकल वर्ग में कुल 20 खिलाड़ियों ने भाग लिया, के.वेंकटेश विजेता और आरएसआई संदीप उपविजेता रहे। बैडमिंटन युगल वर्ग में कुल आठ टीमों ने भाग लिया और के.वेंकटेश और एस.वेंकटेश विजेता रहे और आरएसआई किरण और बी.शशि उपविजेता रहे। टास्क फोर्स और विशेष शाखा निरीक्षक राणा प्रताप, आरआई एडमिन पेडन्ना, आरआई एमटी अंजना, आरआई। आई स्पेशल पार्टी शेख नागुल मीरा और पुलिस कर्मियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय लोक अदालत कार्यक्रम 16 तारीख तक के लिए स्थगित : एस. गोवर्धन रेड्डी

आसिफाबाद, 1 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य कानूनी सेवा संगठन के सदस्य सचिव एस. गोवर्धन रेड्डी ने एक बयान में कहा। उन्होंने बताया कि इस माह की 8, 9 एवं 10 तारीख को सरकारी अवकाश के कारण राष्ट्रीय लोक अदालत कार्यक्रम को इस माह की 16 तारीख तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

आज डुडिला श्रीपादराव की जयंती : राव

आसिफाबाद, 1 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिला राजस्व अधिकारी लोकेश्वर राव ने एक बयान में कहा कि जिले में इस महीने की 2 तारीख को डुडिला श्रीपदाराव जयंती समारोह भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। इसमें सुबह 11 बजे जिला केन्द्र स्थित जिला समाहरणालय भवन के प्रांगण में वार्षिकोत्सव समारोह आयोजित किया जायेगा तथा जिला विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का अनुरोध किया गया है ।

गोल्लामाडा में लाभार्थियों को चेक वितरण

भैंसा, 1 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नरसापुर मंडल के गोल्लामाडा गांव में आयोजित कल्याण लक्ष्मी, शादी मुबारक के लाभार्थियों को चेक वितरण और सीसी ड्रेनेज भूमि पूजन कार्यक्रम में स्थानीय विधायक पवार रामाराव पटेल मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विकास कार्य पूजन पश्चात गांव और फिर सरकारी स्कूल में डिजिटल कक्षाओं के उद्घाटन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर एमपीपी, एमपीटीसी, पूर्व सरपंच, सरकारी अधिकारी, भाजपा नेता, कार्यकर्ता और ग्रामीण शामिल हैं।

सड़क हादसे में एक की मृत्यु एक घायल

भैंसा, 1 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार रात को भैंसा करीब माटेगांव नेशनल हाइवे पर आईशर ट्रक ने दुपैय्या वाहन को टक्कर मारी। जिसमें एक की मृत्यु और एक गंभीर रूप से घायल हो गया।

ग्रामीण एसआई श्रीकांत सूचना अनुसार भैंसा गोपाल नगर निवासी कांबले प्रीतम (12), टकनकर विट्ठल (19) दोनो दूपैय्या वाहन पर वानलपाड से भैंसा आ रहे थे। आईशर वाहन चालक नागनाथ ने तेज गति से दूपैय्या वाहन को टक्कर मार दिया। इस हादसे में प्रीतम और विट्ठल दोनो गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें तुरंत भैंसा के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सा के दौरान डाक्टरों ने प्रीतम को मृत घोषित किया और विट्ठल को उच्च स्तरीय चिकित्सा हेतु निजामाबाद भेजा गया, अभी उसकी हालत गंभीर बताई गई है। मृतक के पिता मारुति की शिकायत पर आईशर चालक नागनाथ पर केस दर्ज कर पुलिस आगे की कारवाई कर रही है।

महिलाएं बिना डरे पुलिस से संपर्क कर सकती हैं - जिला एसपी

आसिफाबाद, 1 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एसपी के. सुरेश कुमार आईपीएस ने शुक्रवार को कहा कि जिले की महिलाएं और युवतियां बिना किसी डर के पुलिस से संपर्क कर सकती हैं। शी टीम और महिला तस्करी विरोधी टीमें महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि छात्राओं और महिलाओं को अपने साथ अन्याय होने पर डरना नहीं चाहिए, साहस के साथ आगे आकर शिकायत करें तो दोषियों के खिलाफ कारवाई होगी। जिले में जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से कॉलेजों और स्कूलों के छात्रों को रैगिंग, बेवफाई, फॉक्सो, शीट टीम और महिला विरोधी तस्करी के बारे में जागरूक किया गया है। जनपद में फरवरी माह में शी टीम के विरूद्ध 3 शिकायतें दर्ज की गयीं, 66 हॉट स्पॉट का दौरा किया गया तथा 23 जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों में जागरूकता पैदा की गयी। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों की सुरक्षा के लिए पुलिस विभाग सख्त कदम उठाएगा। महिलाओं को सलाह दी जाती है कि वे फेसबुक, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया का उपयोग करते समय बहुत सावधान रहें और फोटो और वीडियो पोस्ट करते समय व्यक्तिगत सुरक्षा के संबंध में सभी प्रकार के उपाय करें। जो लोग सीधे 87126 70564 पर संपर्क करने में असमर्थ हैं, वे जानकारी के लिए 100 डायल करें।

कांग्रेस सरकार शिक्षा पर विशिष्ट योजना लागू करे, पीडीएसयू की मांग

आसिफाबाद, 1 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद जिला केंद्र के कार्यालय में आज पीडीएसयू जिला महासचिव जगजमपुला तिरूपति की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया और कांग्रेस सरकार से शिक्षा पर एक विशिष्ट योजना जारी करने की मांग की गई।

इस बैठक में एआईवाईएफ के जिला सचिव आत्मकुरी चिरंजीवी, बीसी यूथ यूनियन के जिला अध्यक्ष अविदुपु प्रणई, एआईटीयूसी के जिला अध्यक्ष दिवाकर, पीडीएसयू के जिला सहायक सचिव वेमुला वैष्णवी उपस्थित थे। जगजमपुला तिरूपति ने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी सत्ता में आ गई है। राज्य में नई सरकार बनने के बावजूद शिक्षा क्षेत्र में अभी भी पुरानी समस्याएं बरकरार हैं।

चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने शिक्षा क्षेत्र में सुधार, सरकारी शिक्षा क्षेत्र को मजबूत करने और छात्र बेरोजगारी की समस्या को हल करने के कई वादे किये। उन्होंने कहा कि राज्य के बजट का 15% शिक्षा क्षेत्र के लिए आवंटित किया जाएगा। कहा जा रहा है कि सरकारी शिक्षण संस्थानों में खाली पड़े शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक पदों को भरा जाएगा और बेरोजगारी की समस्या दूर होगी।

उन्होंने कहा कि निजी विश्वविद्यालयों को खत्म किया जाना चाहिए और सरकारी विश्वविद्यालयों को मजबूत किया जाना चाहिए। आज सत्ता में मौजूद कांग्रेस सरकार पर शिक्षा क्षेत्र को पटरी पर लाने की जिम्मेदारी है। तेलंगाना राज्य में बर्बाद हो चुके सार्वजनिक शिक्षा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए एक विशेष आयोग का गठन किया जाना चाहिए। कॉर्पोरेट शैक्षणिक संस्थानों को समाप्त किया जाना चाहिए।

लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति एवं छात्रवृत्ति का लगभग 7 हजार करोड़ युद्ध स्तर पर जारी किया जाए। यूनिवर्सिटी के छात्रों का मेस बकाया रद्द किया जाए। छात्रावास के छात्रों और आश्रम विद्यालय के छात्रों के लिए मेस शुल्क बढ़ाया जाना चाहिए।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

दिल्ली में बीजेपी...

विक्रमादित्य शनिवार तक दिल्ली में ही रुकेंगे और वहां केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की मीटिंग अटैंड करेंगे। उनके 3 मार्च को दिल्ली से वापस शिमला लौटने का प्रोग्राम है।

उधर इस पूरे घटनाक्रम पर सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी प्रतिक्रिया दी। सुक्खू ने कहा- विक्रमादित्य सिंह ने कल मुझे बताया था कि वह बागी नेताओं से मिलने पंचकूला जा रहे हैं। उन्हें कुछ नेताओं के फोन आए होंगे जो वापसी करना चाहते हैं। उसी समय मैंने विक्रमादित्य से कहा था कि आप इस बारे में हाईकमान से भी बात कर लीजिएगा। मुख्यमंत्री ने कहा- मैंने बागी नेताओं को मनाने के लिए किसी मंत्री की ड्यूटी नहीं लगाई। विधायकों के परिवार से कई लोग बात कर रहे हैं। सारे नेता अभी हरियाणा में ही हैं। जब हिमाचल वापस आएंगे तो बात करेंगे।

कांग्रेस ने इस सियासी संकट के बीच अपने सभी विधायकों से शिमला में ही रुकने को कहा है। उनसे किसी सूरत में शिमला न छोड़ने को कहा गया है।

भभुआ से राजद...

आरजेडी के विधायक टूटने पर मुस्कुराए नीतीश

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार विधान परिषद पहुंचे। उनसे जब पत्रकारों ने पूछा कि राष्ट्रीय जनता दल के एक और विधायक भाजपा में शामिल हो गए हैं। वह अंदर गए फिर बाहर आए और आने के बाद मुस्कुराए। फिर हाथ से इशारा किया। अब राजद की जगह बिहार की सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी हो गई है।

गुजरात में आत्महत्या...

प्रधानमंत्री एक तरफ तो सेमीकंडक्टर संयंत्रों को लेकर बड़ी-बड़ी घोषणाएं करते हैं, लेकिन अपने ही गृह राज्य में इस गंभीर मानव त्रासदी पर पूरी तरह चुप हैं। देश को अगर सेमीकंडक्टर की जरूरत है तो बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं, वित्तीय सहायता कार्यक्रमों और शैक्षणिक सहायता प्रणालियों की भी उतनी ही जरूरत है। कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी सरकार से हेल्पलाइन सेवाओं की प्रभावशीलता का फिर से मूल्यांकन करने और जरूरतमंद लोगों को मानसिक स्वास्थ्य और वित्तीय सहायता प्रदान करने में अधिक संसाधनों का निवेश करने का आग्रह करती है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

नहीं थम रहा ईशान-श्रेयस को अनुबंध से निकालने का विवाद, अब साहा ने कहा- आप जबरदस्ती नहीं कर सकते

मुंबई, 1 मार्च (एजेंसियां)। भारत के अनुभवी विकेटकीपर ऋद्धिमान साहा ने गुरुवार को कहा कि अगर कोई क्रिकेटर घरेलू क्रिकेट नहीं खेलना चाहता है तो कुछ भी 'जबरदस्ती' नहीं किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि घरेलू क्रिकेट एक अच्छे खिलाड़ी बनने का आधार है और हर किसी को सफल होने के लिए इसे पर्याप्त महत्व देना चाहिए। साहा की यह प्रतिक्रिया ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को 2023-24 सत्र के लिए बीसीसीआई की वार्षिक केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर किए जाने के बाद आई।

ऋद्धिमान साहा ने क्या कहा?

बीसीसीआई ने एक बयान में कहा था कि दोनों क्रिकेटरों को लेकर वार्षिक अनुबंध के लिए विचार नहीं किया गया था। इस पर साहा ने कहा, 'यह बीसीसीआई का फैसला है और संबंधित खिलाड़ियों का निजी फैसला है। जबरदस्ती आप कुछ नहीं कर सकते या किसी को खेलने के लिए मजबूर नहीं कर सकते।' ये दोनों कुछ समय पहले तक भारतीय टीम का हिस्सा थे। दोनों पिछले साल वनडे विश्व कप भी खेलते दिखे थे। किशन पिछली बार दिसंबर में भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान टेस्ट टीम का हिस्सा थे, जबकि अय्यर ने इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज के पहले दो टेस्ट खेले।

घरेलू क्रिकेट को लेकर साहा का बयान

साहा ने कहा कि एक क्रिकेटर को एक मिसाल पेश करते हुए हर मैच को समान महत्व देना चाहिए। उन्होंने कहा, 'जब भी मैं फिट होता हूं तो हर तरह के मैच खेलता हूं, यहां तक कि मैं क्लब मैच, ऑफिस मैच भी खेलता हूं। मैं हमेशा घरेलू मैच को भी एक बड़े मैच की तरह लेता हूं। मेरे लिए सभी मुकाबले बराबर हैं। अगर हर खिलाड़ी इस तरह से सोचता है, तो वे केवल अपने करियर में निखार लाता है और यह भारतीय क्रिकेट के लिए भी बेहतर होगा।'

'घरेलू क्रिकेट की अहमियत हमेशा रहेगी'

उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि घरेलू क्रिकेट की अहमियत हमेशा रही है क्योंकि अगर मैं सरफराज खान की बात करूं तो उन्होंने पिछले चार-पांच साल में काफी रन बनाए हैं। निश्चित रूप से उन्होंने प्रदर्शन किया है।' साहा ने युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल की बल्लेबाजी को शानदार करार दिया। जुरेल ने तीसरे टेस्ट में टेस्ट डेब्यू पर 46 रन बनाए और इसके बाद रांची में चौथे टेस्ट में 90 और 39 नाबाद के स्कोर के साथ प्लेयर ऑफ द मैच बने।

साहा ने की जुरेल की तारीफ

साहा ने कहा, 'मैंने उन्हें (जुरेल) घरेलू क्रिकेट में कभी नहीं देखा और न ही टेस्ट मैचों में मैंने उन्हें खेलते देखा है, लेकिन उनकी बल्लेबाजी शानदार है। उन्होंने टीम के लिए आखिरी टेस्ट जीता।' साहा को यह भी लगता है कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य उज्ज्वल है क्योंकि इसकी बेंच स्ट्रेंथ एक बार फिर घरेलू सर्किट के महत्व को दिखाती है। उन्होंने कहा, 'यह देखना हमेशा अच्छा होता है कि जब भी किसी को मौका मिलता है तो आपकी रिजर्व बेंच तैयार रहती है।'

'कुछ खिलाड़ी खेलना नहीं चाहते'

उन्होंने कहा, 'कुछ खिलाड़ियों को मौका मिल रहा है, लेकिन वे खेलना नहीं चाहते जो कि उन्हें नहीं करना चाहिए। जब भी आपको खेलने का मौका मिलता है, तो आपको खेलना चाहिए चाहे वह लाल गेंद हो या सफेद गेंद। साहा ने 40 टेस्ट खेले और 1353 रन बनाए। वह विकेट के पीछे 104 आउट शिकार किए, जिनमें 92 कैच और 12 स्टंपिंग शामिल

लियोन ने वॉल्श को पीछे छोड़ा, कैमरन ग्रीन-हेजलवुड की रिकॉर्ड साझेदारी, 20 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

वेलिंगटन,, 1 मार्च (एजेंसियां)। कैमरन ग्रीन और जोश हेजलवुड की जोड़ी ने शुक्रवार को इतिहास रच दिया। इन दोनों ने न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में 10वें विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी की। यह इस विकेट के लिए ऑस्ट्रेलिया की चौथी सबसे बड़ी साझेदारी है। वहीं, 10वें विकेट के लिए यह ओवरऑल 16वीं सबसे बड़ी साझेदारी है। इस जोड़ी ने वेलिंगटन में जारी पहले टेस्ट के दौरान दूसरे दिन सुबह के सत्र में कीवी गेंदबाजी आक्रमण को खूब परेशान किया और अंतिम विकेट के लिए आसानी से 116 रन जोड़े।

टेस्ट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज

मुथैया मुरलीधरन (श्रीलंका)	800 विकेट
शेन वॉर्न (ऑस्ट्रेलिया)	708 विकेट
जेम्स एंडरसन (इंग्लैंड)	698 विकेट
अनिल कुंबले (भारत)	619 विकेट
स्टुअर्ट ब्रॉड (इंग्लैंड)	604 विकेट
ग्लेन मैक्ग्रा (ऑस्ट्रेलिया)	563 विकेट
नाथन लियोन (ऑस्ट्रेलिया)	521 विकेट
कोर्टनी वॉल्श (वेस्टइंडीज)	519 विकेट
रविचंद्रन अश्विन (भारत)	507 विकेट

गिलेस्पी-मैक्ग्रा का रिकॉर्ड तोड़ा

इन दोनों ने जेसन गिलेस्पी और ग्लेन मैक्ग्रा की जोड़ी द्वारा 2004 में ब्रिस्बेन में जोड़े गए 114 रन के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। यह साझेदारी ऑस्ट्रेलिया की रेड-बॉल क्रिकेट में दसवें विकेट के लिए 100 रन या उससे अधिक की छठी साझेदारी थी। इस साझेदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 383 रन का स्कोर खड़ा किया। ग्रीन ने 174 रन की नाबाद पारी खेली। वहीं हेजलवुड ने 22 रन बनाए।

सूझबूझ से की बल्लेबाजी

दोनों ने जरूरत पड़ने पर समझदारी से बल्लेबाजी की। 10वें विकेट की साझेदारी के दौरान ग्रीन ने आक्रामक रुख अपनाया और ताबड़तोड़ शॉट्स बरसाए। ग्रीन का यह टेस्ट करियर का दूसरा शतक रहा। उन्होंने पिछले साल अहमदाबाद में भारत के खिलाफ 114 रन की पारी खेली थी।

लियोन ने इतिहास रचा

वहीं, ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन ने भी इतिहास रच दिया है। ऑस्ट्रेलिया के 383 रन के जवाब में न्यूजीलैंड की पहली पारी 179 रन पर सिमट गई। ग्लेन फिलिप्स ने 71 रन की पारी खेली। मैट हेनरी ने 42 रन बनाए। वहीं, टॉम ब्लंडेल ने 33 रन की पारी खेली। चार बल्लेबाज तो खाता भी नहीं खोल सके।

टॉम लाथम पांच रन, विल यंग नौ रन, डेरिल मिचेल 11 रन और कप्तान टिम साउदी एक रन बनाकर आउट हुए। केन विलियम्सन, रचिन रवींद्र और कग्लेजिन खाता भी नहीं खोल सके। लियोन ने कहर बरपाते हुए चार विकेट झटके। इसी के साथ वह टेस्ट में सातवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं।

वॉल्श का रिकॉर्ड तोड़ा

उन्होंने वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज कोर्टनी वॉल्श का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वॉल्श ने 2001 में 519 विकेट लिए थे। इस मैच में तीन विकेट लेते ही लियोन ने वॉल्श को पीछे छोड़ दिया। अब उनके नाम 521 विकेट हैं। टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन के नाम है। उन्होंने 800 विकेट लिए थे। फिलहाल ऑस्ट्रेलियाई टीम की दूसरी पारी

कुलदीप यादव ग्रेड ए अनुबंध के हकदार, लेकिन उनके बचपन के कोच का कहना कुछ और ही

नई दिल्ली, 1 मार्च (एजेंसियां)।भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव के बचपन के कोच कपिल देव पांडे का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनके लगातार प्रदर्शन को देखते हुए यह चाइनामैन गेंदबाज ग्रेड ए वार्षिक अनुबंध का हकदार है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को 2023-24 सीज़न के लिए टीम इंडिया (सीनियर पुरुष) के लिए वार्षिक खिलाड़ी अनुबंध का अनावरण किया। कुलदीप के लिए महत्वपूर्ण वेतन वृद्धि की उम्मीदों के बावजूद, उन्हें केवल ग्रेड सी से ग्रेड

बी में पदोन्नत किया गया।

कुलदीप ने भारत में 2023 विश्व कप के दौरान अपने कौशल का प्रदर्शन किया, 11 मैचों में 4.45 की प्रभावशाली इकॉनमी रेट के साथ 15 विकेट हासिल किए। इसके अतिरिक्त, 2023 में, उन्होंने नौ टी20 में अपने कौशल का प्रदर्शन किया, जिसमें 14 विकेट लिए। उनके बचपन के कोच कपिल ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि कुलदीप इस समय शायद दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। उसे ग्रेड ए में पदोन्नत किया जाना चाहिए था। वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, लेकिन मुझे यकीन है कि वह जल्द ही वह स्थान हासिल कर लेगा। वर्तमान में उन्हें जो भी अवसर मिल रहा है, वह जबरदस्त प्रदर्शन कर रहे हैं। मैंने कुछ दिन पहले उनसे बात की थी और उनसे कहा था कि अपना हौसला बनाए रखें और किसी और चीज की चिंता न करें और केवल खेल पर ध्यान केंद्रित करें।

मल्टी डे महिला टूर्नामेंट का बीसीसीआई करेगा आयोजन

नई दिल्ली , 1 मार्च (एजेंसियां)। भारत में क्रिकेट खेल नहीं, जुनून है। यहां फैंस को फर्क नहीं पड़ता कि क्रिकेट के कौन से फॉर्मेट का मैच खेला जा रहा है। हालांकि, ये जुनून महिला क्रिकेट के मामले में थोड़ा ठंडा पड़ जाता है, लेकिन बीते कुछ साल में महिला क्रिकेटरों ने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा है। यही वजह है कि बीसीसीआई महिला प्रीमियर लीग के बढ़ते क्रेज के बीच अब महिल रेड-बॉल टूर्नामेंट आयोजित करने पर भी विचार कर रहा है।

पिछले कुछ सालों में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने जितनी तरक्की की है उसका कोई जवाब नहीं।

डब्ल्यूपीएल 2024 के बीच खबर आ रही है कि बीसीसीआई

ने एक बहु-दिवसीय प्रतियोगिता आयोजित कर देश में महिला रेड-बॉल क्रिकेट शुरू करने की योजना तैयार की है। अगर ऐसा होता है तो भारतीय महिला क्रिकेट के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि हो सकती है।

बताया जा रहा है कि यह टूर्नामेंट मौजूदा महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल 2024) के तुरंत बाद आयोजित होने वाला है, जो 17 मार्च को समाप्त होगा।क्रिकबज की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मल्टी डे महिला टूर्नामेंट का आयोजन करने का फैसला किया है। यह तीन दिन का होगा। टूर्नामेंट 29 मार्च से पुणे में शुरू होगा।इस टूर्नामेंट में 6 टीमें हिस्सा लेंगी। टीमों को क्षेत्रों के आधार पर बांटा गया है। इसमें पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण, मध्य और नॉर्थ ईस्ट की टीम इसमें शामिल होंगी। ये टीमें पांच मैचों की सीरीज में हिस्सी लेंगी।

टूर्नामेंट 29, 30 और 31 मार्च को एक साथ होने वाले दो क्वार्टर फाइनल के साथ शुरू होगा। इस चरण के बाद चैंपियनशिप दो सेमीफाइनल तक पहुंच जाएगी, जो 5, 6 और 7 अप्रैल को आयोजित होने की उम्मीद है। टूर्नामेंट का फाइनल 9, 10 और 11 अप्रैल को निर्धारित है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि सीधे वरीयता प्राप्त दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। हालांकि, अभी उनके नाम का खुलासा नहीं हुआ है।

बंगाल की फर्स्ट डिवीजन लीग में फिक्सिंग का आरोप

पूर्व क्रिकेटर श्रीवत्स गोस्वामी ने बल्लेबाजों के आउट होने के तरीके पर उठाए सवाल

नई दिल्ली , 1 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व क्रिकेटर श्रीवत्स गोस्वामी ने बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन की फर्स्ट डिवीजन लीग के मैच में फिक्सिंग का आरोप लगाया है। इसके बाद बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली ने टूर्नामेंट लीग समिति से इसकी रिपोर्ट मांगी है। गोस्वामी ने सोशल मीडिया पर 2 वीडियो शेयर करते हुए टाउन क्लब के खिलाफ मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब के बल्लेबाजों के आउट होने के तरीके पर सवाल उठाए हैं।

गोस्वामी ने सोशल मीडिया पर दो वीडियो भी पोस्ट किए

गोस्वामी ने पोस्ट में लिखा, यह कोलकाता क्लब क्रिकेट में एक सुपर डिवीजन मैच है, 2 बड़ी टीमें ऐसा कर रही हैं, क्या आपको पता है कि यहां क्या हो रहा है? मुझे यह देखकर शर्म आती है कि मैंने वह खेल खेला जो मेरे दिल के बहुत करीब है। मुझे क्रिकेट पसंद है और मुझे बंगाल में खेलना पसंद है, लेकिन यह देखकर मेरा दिल टूट जाता है। क्लब क्रिकेट बंगाल क्रिकेट का दिल और आत्मा है, कृपया इसे बर्बाद न करें। मुझे लगता है कि इसे 'गॉट अप' क्रिकेट कहा जाता है। अब मीडिया कहां है?

गोस्वामी के शेयर किए गए पहले वीडियो में दिख रहा है कि दाएं हाथ का एक बल्लेबाज गेंद को स्टंप की ओर आने पर छोड़ देता है और वे बोल्ड होकर मैदान से बाहर चला जाता है। दूसरे वीडियो में बाएं हाथ का बल्लेबाज वाइड गेंद पर क्रीज से बाहर आकर खेलता है। इस दौरान विकेटकीपर स्टंप आउट कर देता है।

इस मैच में टाउन क्लब ने शाकिब हबीब गांधी के 233 रनों की बदौलत 446 रन बनाए। जवाब में मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब ने 9 विकेट पर 281 रन ही बना सकी।

बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष ने बुलाई बैठक

बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली ने मामले को गंभीरता से लते हुए टूर्नामेंट कमेटी की 2 मार्च को बैठक बुलाई। गांगुली ने कहा कि 2 मार्च को कमेटी की बैठक बुलाई गई है। वहीं फील्ड अंपायर से भी रिपोर्ट मांगी गई है।

रोहित शर्मा को मैंने कप्तान इसलिए बनाया था क्योंकि...सौरव गांगुली ने बड़ी वजह का किया खुलासा

मुंबई , 1 मार्च (एजेंसियां)। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा को लेकर बीसीसीआई के पूर्व प्रेसिडेंट सौरव गांगुली ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कप्तान के तौर पर रोहित शर्मा की काफी तारीफ की है। गांगुली के मुताबिक रोहित शर्मा भारत को अपनी कप्तानी में वर्ल्ड कप के फाइनल में लेकर गए थे और इसी वजह उनकी कप्तानी पर कभी कोई शक नहीं रहा।

विराट कोहली के इस्तीफ के बाद रोहित शर्मा को अचानक वनडे और टी20 टीम का कप्तान बनाया गया था। इसके बाद उन्हें टेस्ट टीम की भी कमान सौंपी गई थी। आईपीएल में कप्तानी के अनुभव की वजह से रोहित शर्मा को भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया था। उनकी कप्तानी

में टीम इंडिया का प्रदर्शन अभी तक अच्छा रहा है।

रोहित शर्मा के अंदर मैंने उस टैलेंट को देखा था - सौरव गांगुली

सौरव गांगुली ने रोहित शर्मा की कप्तानी को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा,आप जरा देखिए, वर्ल्ड कप में उन्होंने कितनी बेहतरीन कप्तानी की थी। वो भारत को फाइनल तक लेकर गए थे। मेरे हिसाब से फाइनल मैच में हारने से पहले तक भारत वर्ल्ड कप 2023 की सबसे बेस्ट टीम थी। इसलिए मेरे हिसाब से रोहित शर्मा एक बेहतरीन कप्तान हैं। उन्होंने आईपीएल की कई सारी ट्रॉफी जीती हैं। जिस तरह से उन्होंने अभी तक कप्तानी की है, उससे मुझे कोई हैरानी नहीं हुई है। जब मैं बीसीसीआई प्रेसिडेंट था, तब वो टीम के कप्तान थे। मैंने उनको कप्तान इसलिए बनाया था, क्योंकि उनके अंदर मैंने उस टैलेंट को देखा था। आपको बता दें कि रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। इसके बाद टीम टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में भी पहुंची थी। वहीं इस दौरान भारत ने एशिया कप का टाइटल अपने नाम किया।

न्यूजीलैंड 179 रन पर ऑलआउट : ऑस्ट्रेलिया के लिए पहली पारी में ग्रीन-हेजलवुड के बीच रिकॉर्ड साझेदारी

नई दिल्ली , 1 मार्च (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ न्यूजीलैंड की टीम पहले टेस्ट की पहली पारी में 179 रन पर ऑलआउट हो गई। दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 13 रन बना लिए हैं और उसकी कुल बढ़त 217 रन की हो गई है। उस्मान ख्वाजा 5 और नाइट वॉचमैन नाथन लायन 6 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व स्टेडियम में गुरुवार को न्यूजीलैंड टीम ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग चुनी। ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 383 रन पर ऑलआउट हो गई।

ग्रीन-हेजलवुड के बीच 10वें विकेट की चौथी सबसे बड़ी साझेदारी

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन अपनी पहली पारी को 279/9 के स्कोर से आगे बढ़ाया। कैमरन ग्रीन (174*) और जोश हेजलवुड (22) के बीच आखिरी विकेट के लिए 116 रन की रिकॉर्ड साझेदारी हुई। इन दोनों ने न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की तरफ से 10वें विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी की। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट इतिहास में ग्रीन और हेजलवुड ने 10वें विकेट की चौथी सबसे बड़ी साझेदारी की।

न्यूजीलैंड की पहली पारी 179 रन पर ऑलआउट

पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया के 383 रन के जवाब में न्यूजीलैंड की पहली पारी 179 रन पर सिमट गई। इस तरह ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर 204 रन की बढ़त मिली। न्यूजीलैंड की तरफ से ग्लेन फिलिप्स 71 और मैट हेनरी 42

सबसे ज्यादा रन बनाए।

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन पहली पारी में खाता खोले बिना रन आउट हो गए। कंगारू बॉलर मिचेल स्टार्क के खिलाफ उन्होंने मिड-ऑफ शॉट खेला। शॉट खेलने के बाद विलियमसन उसी तरफ दौड़ पड़े जिस ओर विल यंग दौड़ रहें थे। दोनों आपस में टकरा गए। ऐसे में मिड-ऑफ पर फील्डिंग कर रहे मार्नस लाबुशेन ने गेंद को सीधे नॉन स्ट्राइक एंड के स्टंप्स पर थ्रो किया और विलियमसन आउट हो गए। विलियमसन 12 साल बाद टेस्ट में रन आउट हुए। आखिरी बार जिम्बाब्वे के खिलाफ जनवरी 2012 में हुए थे। वे टेस्ट में तीसरी बार रन आउट हुए है।

दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया के दो विकेट गिरे

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से दूसरी पारी में पहला विकेट स्टीव स्मिथ का गिरा। उन्हें टिम साउदी ने टीम के एक स्कोर पर बोल्ड कर दिया। स्मिथ खाता भी नहीं खोल सके। दूसरा विकेट मार्नस लाबुशेन का गिरा। लाबुशेन 2 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें साउदी ने टॉम ब्लंडेल के हाथों कैच कराया।

धर्मशाला टेस्ट में बुमराह वापसी करेंगे केएल राहुल नहीं खेलेंगे

मुंबई, 1 मार्च (एजेंसियां)। धर्मशाला टेस्ट में जसप्रीत बुमराह की वापसी हुई है। बुमराह को रांची टेस्ट से आराम दिया गया था। केएल राहुल को टीम में जगह नहीं मिली है। इतना ही नहीं, सिलेक्टर्स ने वॉशिंगटन सुंदर को रणजी ट्रॉफी का सेमीफाइनल खेलने के लिए नेशनल टीम से रिलीज किया है। सुंदर टीम में थे, लेकिन उन्हें एक भी मैच नहीं खिलाया गया था। बोर्ड ने गुरुवार को बताया कि राहुल इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला नहीं खेलेंगे। वे मैच फिटनेस हासिल नहीं कर सके हैं। BCCI की मेडिकल टीम उनकी इंजरी को मॉनीटर कर रही है।

धर्मशाला टेस्ट 7 मार्च से 11 मार्च के बीच खेला जाएगा।

इंग्लैंड में इलाज करा रहे हैं राहुल

केएल राहुल अपनी चोट का इलाज कराने के लिए इंग्लैंड गए हुए हैं। इस संबंध में BCCI ने कहा कि बोर्ड की मेडिकल टीम स्पेशलिस्ट की निगरानी में उनकी इंजरी को मॉनीटर कर रही है। राहुल के इंग्लैंड जाने की बात पहले ही कुछ रिपोर्ट में आ चुकी है।

5वें टेस्ट के लिए भारत का अपडेट स्क्वॉड

रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), देवदत्त पड्डीकल, रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, आकाश दीप।

रैतू बंधु और शिक्षा आयोग स्थापित होगा : रेवंत रेड्डी

मंत्री ने नागरिक समाज के प्रतिनिधियों से मुलाकात की

हैदराबाद, 1 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक समाज के प्रतिनिधियों के साथ मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मुलाकात की। इस अवसर पर सीएम ने कहा कि सरकार बनते ही धरना चौक खोल दिया गया। प्रजा भवन लोगों को उपलब्ध कराया गया है। हमें लोक प्रशासन के माध्यम से कल्याणकारी योजनाओं के लिए आवेदन प्राप्त होते हैं। हम रैतू बंधु और शिक्षा आयोग स्थापित करना चाहते हैं। हम जल्द ही दो आयोगों की घोषणा करने जा रहे हैं। हमारी शिक्षा व्यवस्था कैसी होनी चाहिए यह शिक्षा आयोग तय करता है। उन्होंने कहा कि एससी, एसटी, बीसी अल्पसंख्यक गुरुकुल 25 एकड़ में एक एकीकृत परिसर में स्थापित किया जाएगा। इसे पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर कोडंगल में स्थापित किया जाएगा। मेरा इरादा जातिगत और धार्मिक भेदभाव को पूरी तरह से ख़त्म करना है। हम फसल बीमा योजना को मजबूती से लागू करने जा रहे हैं। हमने फसल चक्रण योजनाओं को अधिक प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है। हमने पिछली सरकार की उलझनों को दूर किया है और नौकरियों की जगह ली है। यूपीएससी की तर्ज पर टीएसपीएससी के माध्यम से भर्ती की जाएगी। बटाईदार किसानों की सुरक्षा को लेकर सर्वदलीय बैठक होगी। हम सभी के सुझावों और सलाह के आधार पर बटाईदार किसानों की सुरक्षा के लिए एक कानून लाने की योजना बना रहे हैं। रैतू भरोसा एक निवेश सहायता है। हम इस पर व्यापक चर्चा चाहते हैं कि रैतू भरोसा किसे देना चाहिए। असहायों के लिए वास्तविक लाभार्थी जरूरत पड़ने पर कही गई बात से ज्यादा मदद कर सकते हैं। हमने विधानसभा में आर्थिक स्थिति, बिजली की स्थिति और सिंचाई क्षेत्र की स्थिति पर संपूर्ण विवरण के साथ एक श्वेत पत्र जारी किया है।

केटीआर ने घायल कार्यकर्ताओं से मुलाकात की

हैदराबाद, 1 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के तारकरामा राव ने आज परकला में 'जय तेलंगाना' का नारा लगाने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुलिस द्वारा थर्ड डिग्री की सजा का इस्तेमाल करने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने आज चलो मेदिगड्डा के रास्ते में परकाला घटना में घायल हुए पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। उन्होंने बीआरएस नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बुरे व्यवहार के लिए पुलिस की भी आलोचना की। उन्होंने तुरंत जिले के एसपी अंबर शाह से फोन पर बात की और उन्हें बताया कि कुछ स्थानीय पुलिसकर्मी अति उत्साही थे। केटीआर ने शिकायत की कि बीआरएस पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुलिस अवैध मामले दर्ज करके उन्हें परेशान कर रही है। उन्होंने कहा कि नई कांग्रेस सरकार के दबाव में बीआरएस कार्यकर्ताओं के खिलाफ अवैध मामले दर्ज किए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर पार्टी कार्यकर्ताओं को पुलिस स्टेशनों में बुलाया गया और परेशान किया गया तो बीआरएस पार्टी बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा, "किसी भी बीआरएस कार्यकर्ता को निराश होने की जरूरत नहीं है और हम एक ऐसी पार्टी हैं जिसने आंदोलन में ऐसे कई उतार-चढ़ाव का सामना किया है।'' परकला नेताओं ने केटीआर के ध्यान में लाया कि भले ही स्थानीय पुलिस अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है, लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं पर पुलिस की कारवाई बंद नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि उन पुलिसकर्मियों को बख्शने का कोई सवाल ही नहीं है, जिनके मन में परकाला में बीआरएस कार्यकर्ताओं के प्रति द्वेष था। केटीआर ने स्पष्ट किया कि वह दिल्ली जाएंगे और अदालतों के साथ-साथ मानवाधिकार समूहों से संपर्क करके उनके खिलाफ कारवाई होने तक लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अगर राज्य में कहीं भी परकला जैसी घटनाएं दोहराई गईं तो पार्टी मशीनरी झुकेगी नहीं।

पंजागुट्टा कब्रिस्तान में अधूरे काम तुरंत पूरे किए जाएं : रोनाल्ड रोज

हैदराबाद, 1 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने अधिकारियों को पंजागुट्टा कब्रिस्तान में अधूरे कार्यों को तुरंत पूरा करने का निर्देश दिया है। शुक्रवार की सुबह कमिश्नर पंजागुट्टा ने कॉरपोरेटर मन्ने कविता के साथ वेंकटेश्वर कॉलोनी का दौरा किया। इस मौके पर निगमायुक्त के ध्यान में कई मुद्दे लाये गये। कब्रिस्तान में नए विकास के लिए कराए गए अधूरे कार्यों को मंजूरी देकर आज से ही काम शुरू करने का निर्देश इंजीनियरिंग अधिकारियों को दिया गया है। इसके अलावा आयुक्त ने कार्यालय कक्ष के शेष कार्यों को भी मंजूरी देते हुए अधिकारियों को युद्धस्तर पर कार्य पूरा करने का आदेश दिया।

उन्होंने सिंगिडी कुंटा नाला के विकास के लिए उपाय करने का आदेश दिया, इसी तरह कैच पिट, सड़क मरम्मत के अलावा नाला बॉक्स ड्रेन के पुनर्निर्माण के लिए बीटवार मंजूरी दी और तुरंत टेंडर पूरा कर अगली बरसात तक नाला बॉक्स ड्रेन का काम पूरा कर लिया।

लोगों को बिना किसी असुविधा के मौसम। बंजारा हिल्स रोड नंबर 10 टाउन प्लानिंग अधिकारियों को विवाद स्थल पर एक बहु-स्तरीय पार्किंग स्थल के साथ-साथ टाटीखाना जलाशय स्थल पर एक बहु-स्तरीय पार्क बनाने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया गया है।

इससे पहले कमिश्नर जेवीआर ने पार्क में कराए गए विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। जोनल कमिश्नर को शौचालय मरम्मत, ग्रीनहाउस विकास, विद्युत सुधार, एसटीपी सीवेज ट्रीटमेंट पोंट की जांच करने और क्षमता बढ़ाने के लिए उचित उपाय करने का निर्देश दिया गया। कीट विज्ञान के अधिकारियों को मच्छरों पर नियंत्रण के लिए उपाय करने का निर्देश दिया गया है। कमिश्नर के साथ जोनल कमिश्नर वेंकटेश दोत्रे, एसई रत्नाकर, यूबीडी एडिशनल कमिश्नर डॉ. सुनंदा व अन्य मौजूद रहे।

परीक्षा संचालन में अनियमितता करने वालों की खैर नहीं- शांति कुमारी

हैदराबाद, 1 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने चेतावनी दी है कि चल रही इंटरमीडिएट परीक्षाओं के संचालन में अनियमितताओं में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कारवाई की जाएगी। इंटर और दसवीं परीक्षाओं के संचालन और लोक प्रशासन सेवा केंद्रों की स्थापना पर आज जिलाधिकारियों, पुलिस आयुक्तों और एसपी के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इस वीडियो कॉन्फ्रेंस में डीजीपी रवि गुप्ता, राज्य सरकार के मुख्य सचिव बुर्रा वेंकटेशम, एसएएम रिजवी, नदीम अहमद और अन्य उच्च अधिकारी शामिल हुए। इस अवसर पर सी.एस. शांति कुमारी ने कहा कि लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाली किसी भी हरकत को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कामारेड्डी जिले में इंटर परीक्षा का पेपर लीक करने की कोशिश करने वाले कई शिक्षकों और कर्मचारियों की पहचान की गई और उन्हें गिरफ्तार किया गया और उनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए गए। उन्होंने कहा कि इंटर प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षा में राज्य भर के 1521 परीक्षा केंद्रों पर लगभग 9, 80, 000 छात्र शामिल हो रहे हैं। यह स्पष्ट किया गया है कि वरिष्ठ अधिकारियों सहित किसी भी कर्मचारी को इन परीक्षा केंद्रों में सेलफोन ले जाने पर रोक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पुलिस की पुख्ता व्यवस्था की जाये। राज्य सरकार की मंशा है कि प्रदेश में सभी प्रकार की परीक्षाओं को सुचारु, पारदर्शी एवं कुशलतापूर्वक संचालित किया जाये और इस संबंध में जिला कलेक्टरों को योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने की सलाह दी जाती है। परीक्षा समाप्त होने के बाद प्रतिदिन जिले के संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की जाए और परीक्षा के आयोजन के संबंध में सोशल मीडिया पर चल रही झूठी खबरों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। बताया गया है कि दसवीं कक्षा की परीक्षाएं इंटर परीक्षा के बाद शुरू होंगी और इन परीक्षाओं के संचालन के लिए भी इसी तरह के नियम-कायदे अपनाए जाने चाहिए।

कांग्रेस के शासन में करोडों का घोटाला: किशन रेड्डी

हैदराबाद,1 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने विजय संकल्प यात्रा रोड शो के अवसर पर वारसीगुडा का दौरा किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अप्रैल के पहले हफ्ते में पूरे देश में चुनाव होंगे और नरेंद्र मोदी सरकार साढ़े नौ साल तक शासन करेगी, जिससे देश भ्रष्टाचार से मुक्त हो जाएगा। शांति और सुरक्षा गरीबों और कमजोरों को कल्याण प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि लोगों को इस देश, बच्चों के भविष्य और गरीब लोगों के कल्याण के लिए वोट करने के लिए जागरूक करने के लिए विजय संकल्प यात्रा आयोजित की जा रही है। उन्होंने याद दिलाया कि ये यात्राएं 20 तारीख से चल रही हैं और हमारी यात्रा अंब पेट चौरस्ता पर होने वाली सभा के साथ पूरी होगी। कांग्रेस के शासनकाल में आतंकियो ने हैदराबाद के साथ-साथ मुंबई जैसे शहरों में भी आतंकी हमले किये हैं। उन्होंने कहा कि मोदी के आने के बाद देश शांत हुआ और दुनिया में भारत की सराहना हुई। भारत स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने देश की हर महिला को रसोई गैस उपलब्ध कराने पर मोदी की सराहना की है। इसके अलावा मोदी सरकार ग्राम पंचायतों के विकास के लिए काम कर रही है। कांग्रेस पार्टी ने कोयला और 2जी घोटाले से 12 लाख करोड़ रुपये कमाए.। इसलिए लोगों ने मोदी को चुना क्योंकि वे एक निष्कलंक शासक चाहते थे। मोदी सरकार में एक रुपये का भी गबन नहीं हुआ है। मोदी देश की जनता के भविष्य, बच्चों के भविष्य और गरीबों के कल्याण के लिए नैतिकता और ईमानदारी से काम करने वाले नेता हैं।

रेल विकास निगम लिमिटेड

Rail Vikas Nigam Limited

भारतीय रेलवे

"सार्वजनिक अधिसूचना"

वाल्टेर डिवीजन, ई.को.रेलवे के नीचे उल्लखिति तीसरी रेल लाइन सेक्शन के पूर्ण खंड पर स्थित रेलवे लाइनों और परिसर के आसपास के सभी उपयोगकर्ताओं, आम जनता को नोटिस दिया गया है कि 25000 वोल्ट, हर्ट्ज, एसी ओवरहेड ट्रैक्शन मौजूदा लाइनों के अलावा नई तीररी लाइन (द्विदिशात्मक) के तारो को अनुभाग के सामने निर्दिष्ट तिथि पर सक्रिय किया जाएगा। माल और यात्री ले जाने वाली ट्रैनें उसी तारीख से चालू रहेंगी, ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को हर समय सक्रिय माना जाएगा। आम जनता को सलाह दी जाती है कि वे सतर्क रहें और रेलवे लाइन पर अतिक्रमण न करें, जिससे जीवन खतरे में पड़ जाएगा। रेलवे अधिनियम 1987 की धारा 147 के तहत रेलवे लाईनों को पार करना एक दंडनीय अपराध है।

आकार अनुभाग	तारीख
जिमिडिपेटा-कुनेरू-गुमदा-पार्वतीपुरम (31.589 किमी) तीसरी लाइन (किमी. 357.268 से किमी. 388.857)	06-03-2024

मुख्य परियोजना/प्रबंधक
आरवीएनएल वाल्टेयर

मोदी सरकार से ही इस राज्य में विकास होगा: कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी

हैदराबाद,1 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी नेता कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने कहा कि भारत की जीडीपी ग्रोथ 8.4 फीसदी है जो अच्छी खबर है। उन्होंने आज कहा कि रेवंत रेड्डी ने मोदी के साथ अच्छे संबंध स्थापित किये हैं। इस सरकार ने विधानसभा में संयम बरता बूथ पर बात नहीं की। उन्होंने कहा कि इस राज्य में विकास मोदी सरकार की देन है। इस सरकार ने 9 हजार करोड़ का लोन दिलाने में मदद की है। तेलंगाना में बिजली, घर, सड़कें और विकास सब मोदी की वजह से है। कांग्रेस राहुल गांधी को वोट देने के लिए नहीं कह रही है वे असंभव योजनाओं के लिए वोट देने के लिए कह रहे हैं। कांग्रेस में राहुल बाबा को वोट देने की अपील करने की हिम्मत नहीं है, हम मोदी को वोट देने के लिए कह रहे हैं। जब सीएम हमारे विधायकों से मिले तो उन्होंने उन पर लांछन लगाया। रेवंत ने भी मोदी से मुलाकात की और कहा कि हमने ऐसा नहीं कहा। उन्होंने टिप्पणी की कि यह सरकार कालेश्वरम मामले में केसीआर और केटीआर के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बीआरएस की रक्षा करेगी। बीआरएस के साथ हमारा कोई गठबंधन नहीं है। रेवंत रेड्डी की बात आलाकमान तक नहीं सुन रहा है। उन्होंने अपने परिवार की रक्षा करने वाले केसीआर की आलोचना की।

श्री गणेशाय नमः हरि ओम तत् सत् श्रीकृष्ण मम्

कुरुक्षेत्र यही धर्मक्षेत्र

श्रीमद् भगवद्गीता (ज्ञान) अन्नदान समिति

(Regd. No.01033/2023)

ज्योतिसर, कुरुक्षेत्र, हरियाणा राज्य

पुज्यश्री श्रीश्रीश्री संपूर्णानन्दगिरी स्वामी के दिव्य आशीर्वाद से...

कुरुक्षेत्र स्थित परम पावन मोक्षधाम ज्योतिसर (एक ऐसा पुण्य स्थल जहां श्रीकृष्ण परमेश्वर ने अर्जुन को गीता उपदेश किया था) में,

श्रीमद् भगवद्गीता अखण्ड मंडल पारायण महोत्सव

प्रति वर्ष विजया दशमी (दशहरा) से मंडल अवधि(41 दिन) तथा 20 मार्च से 20 मई (61 दिन) तक आयोजित होगा।

परायण श्री टी. विश्वेश्वर जी का परायण : 12 अप्रैल से 14 अप्रैल तक, समय 9.30 से 2.00 बजे तक रहेगा

इस महोत्सव में प्रति दिन पवित्र कार्यक्रम जैसे होम हवन, गीता पारायण, महात्माओं के प्रवचनों सहित मधुर भजन कीर्तन आयोजित होंगे। इस महोत्सव के पश्चात् भी गीता पारायण आयोजित होगा।

इस कार्यक्रम में पधारने वाले भक्तों के लिए निःशुल्क भोजन, आवास की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी।

उपरोक्त कार्यक्रमों में पधारने वाले भक्तगण रिजर्वेशन करने के तुरंत पश्चात् कृपा करके पहले हमें इसकी सूचना दें ताकि सभी को आवास व्यवस्था की जा सके।

इस ज्ञानयज्ञ के निरंतर आयोजन हेतु ज्योतिसर में तत्संबंधित स्थान का अधिग्रहण किया गया है। इस नये भवन में (आवासीय कक्षों, प्रवचन हाल, एसी रूम्स, रसोई कक्षों के निर्माण) के लिए उदार हृदयी व्यक्तियों से दान देने का अनुरोध किया गया है।

जिन दानदाताओं द्वारा तत्संबंधित दान दिये जाने पर, उनके नाम स्थायी रूप से शिलापट्टी पर लिखे जायेंगे। आप द्वारा दानस्वरूप दिया गया एक एक रूपया धर्मरक्षा के लिए उपयोग किया जायेगा।

ट्रेन नं.11841 नई दिल्ली से कुरुक्षेत्र के लिए प्रातः 9.00 बजे(केकेडीइ एक्सप्रेस) रवाना होकर दोपहर 12.05 बजे पहुंचेगी।

सूचनाः तत्संबंधित दान देनेवाले भक्तगण, अपने-अपने नाम, गोत्र को फोन करके सूचित करें।

SRI MADBHAGVADGEETHA ANNADANA SAMITHI
Bank of India, I FSC Code -BKID 0005662,
A/C No. 56622 0110000337
Cell: 7013016244

श्री विश्वेश्वर गीता इंचार्ज 9290444203
श्रीमति वेणुलता जी 9247719484
गीता प्रवचक डॉ. एर्राल्लापल्ली मोहनराव 9246342692

विवरण हेतु गीता प्रचार प्रमुख
शेषगिरि स्वामी
9885861614

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेट रोड नें 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660
GB GOPAL BALDAWA GROUP

संपर्क सूत्र : ए.के.केजरीवाल 9848192810, विष्णु सराफ 9885721428, पवन डिडवानिया 9394834195, हरिनारायण व्यास 9848030950, वाई.एस.श्रीनिवास राव 9848531723, श्याम गोयंका 9347050577, केशव शर्मा 9848043111, संजय जालान 9246370384, गौरव अग्रवाल 9000890790, ओमप्रकाश अग्रवाल 9903700079, अमित मोदी 9246543391, शरद संघवी 7702301908, विनोद अग्रवाल 9293946173, दीनबंधु अग्रवाल 9963910401, अंकुर मोदी 8977829542, संतोष टाटिया 9246202268, पवन गोयल 9391043311, विकास गोयल 9391040473, उमेश अग्रवाल 9849022014, बाबू विशवकर्मा 9959553549, मनीष तालुका 9848193952, अनिल अग्रवाल 9849029258

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.